योगी बोल : विदेशी सामान खरीदा तो... 07

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज होने पर... 11

वर्ष - 01, अंक - 124 | गाजियाबाद / बुधवार 06 अगस्त 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में फिर भगदड़

● धक्का-मुक्की में 2 लोगों की चली गई जान ● सीहोर में कांवड़ यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले स्थित पंडित प्रदीप मिश्रा के प्रसिद्ध कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार को भारी भीड़ के दौरान अफरा-तफरी मच गई। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण धक्का-मुक्की में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 से 10 लोग बेहोश होकर अस्पताल पहुंचे। इनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। राजस्थान से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कुबेरेश्वर धाम पहुंचे हुए हैं। कुछ राजस्थानियों के भी घायल होने की सूचना है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की अगुवाई में सावन माह के अंतिम बुधवार को कुबेरेश्वर धाम से चितावलिया हेमा गांव तक कांवड़ यात्रा प्रस्तावित थी। इसमें भाग लेने के लिए एक दिन पहले ही देशभर से हजारों श्रद्धालु पहुंच गए, जिनमें बड़ी संख्या राजस्थान से थी। जयपुर से पहुंचे एक शिव भक्त राजेंद्र पारिक और उनके परिवार के अन्य सदस्य ने बताया कि दर्शन, ठहराव और प्रसादी वितरण की व्यवस्था भारी भीड़ के आगे नाकाफी साबित हुई है। इससे कई जगह भगदड़ जैसे हालात बन गए। बजरंग अखाड़ा,

अटल पार्क, शास्त्री स्कूल, लुर्द माता स्कूल और सीवन नदी के पास की गई थी। पूरे सावन मास प्रसादी वितरण की तैयारी भी की गई थी, लेकिन एक दिन पहले ही भीड़ का दबाव बढ़ने से व्यवस्था टूट गई। एसपी दीपक शुक्ला ने बताया था कि कांवड़ यात्रा के लिए 5 अगस्त रात 12 बजे से 6 अगस्त रात 11 बजे तक अलग-अलग डायवर्जन और पार्किंग प्लान लागू होगा। भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से भेजने और छोटे वाहनों को न्यू क्रिसेंट चौराहा से अमलाहा होते हुए भेजने की योजना थी। लेकिन हादसे के समय तक यह व्यवस्था शुरू नहीं हुई थी।

पहाड़ से आया मलबा

देखते ही देखते गांव जमींदोज

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में मंगलवार को गंगोत्री धाम के पास धराली गांव में बादल फटने से बड़ा हादसा हो गया। एक नाला उफान पर आ गया और कई घर तबाह हो गए। पूरे इलाके में दहशत फैल गई और राहत एवं बचाव कार्य जारी है। हालांकि अभी तक जान-माल के नुकसान की पुख्ता सूचना नहीं है। गंगोत्री धाम और मुखवा के पास स्थित धराली गांव में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। नाले का पानी तेजी से पहाड़ी से निचले इलाकों की तरफ बहकर आया, जिससे कई घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं। नाले के पानी के साथ मलबा भी आया है, जिसमें कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। इस इलाके में बादल फटने से लोग घबराए हुए हैं। प्रशासन की तरफ से सभी लोगों को सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है और एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं ताकि कोई अनहोनी न हो। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हर तरफ पानी का सैलाब नजर आ रहा है। हर्षिल क्षेत्र में खीर गाड़ का जलस्तर बढ़ने से कस्बा धराली में भारी नुकसान हुआ है। पुलिस, एसडीआरएफ, राजस्व, आर्मी और आपदा दल मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। कुछ ही मिनटों में, नाले में पानी का स्तर तेजी से बढ़ने लगा और पानी घरों में घुस गया। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कई

उत्तरकाशी में बादल फटने से मची तबाही डरा देंगी तस्वीरें

लोगों को अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी। बादल फटने की घटना से धराली गांव में भारी तबाही हुई है। कई घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सड़कें और पुल भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे गांव का संपर्क बाकी दुनिया से कट गया है। स्थानीय प्रशासन

और आपदा प्रबंधन टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। प्रभावित लोगों को भोजन, पानी और आश्रय प्रदान किया जा रहा है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। सरकार ने बादल फटने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं। अंदेशा जताया जा रहा है कि इस बाढ़ में करीब 15 घर बह गए हैं। इसमें 10 लोगों के लापता होने की भी सूचना है। आर्मी और पुलिस की टीम राहत और बचाव कार्य कर रही है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भटवाड़ी से धराली के लिए निकल चुकी हैं, जबकि ऋषिकेश से अन्य टीमें भी राहत व बचाव के लिए भेजी गई हैं।

राज्यसभा में कमांडो बुलाने के विवाद पर फिर हंगामा

● खड़गे बोले- विरोध करना हमारा अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद मानसून सत्र के 12वें दिन भी विपक्ष का बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन मामले पर प्रदर्शन जारी रहा। लोकसभा और राज्यसभा को हंगामे के बाद 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया है। कांग्रेस

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में 1 जुलाई को सीआईएसएफ कमांडो को बुलाने का विवाद सदन में उठाया। उन्होंने कहा– विरोध करना हमारा अधिकार है। लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेंगे। खड़गे ने उपसभापति हरिवंश नारायण से कहा– सदन में सीआईएसएफ लगाया गया था, इसलिए मैं पूछना चाहता हूं कि ये सदन आप चला रहे हैं या अमित शाह चला रहे हैं। इस पर हरिवंश सिंह ने कहा– सदन में सीआईएसएफ जवान नहीं मार्शल थे।

बिहार चुनाव से पहले जेल से बाहर आएंगे अनंत सिंह

● पटना हाई कोर्ट ने पूर्व विधायक को दी जमानत

पटना (एजेंसी)। बिहार के बाहुबली नेता और पूर्व विधायक अनंत सिंह बिहार चुनाव से पहले जेल से बाहर आ जाएंगे। पटना हाई कोर्ट ने आज मंगलवार को पूर्व विधायक अनंत सिंह को जमानत दे दी है। अनंत सिंह को पंचमहला थाना कांड संख्या 5/2025 में जमानत मिली है। यह सोनू–मोनू फायरिंग केस है।सोनू की मां ने पंचमहला थाने में अनंत सिंह के खिलाफ

एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले में अनंत सिंह जेल में थे। अब बिहार चुनाव से पहले वे जेल से बाहर आ जाएंगे। पटना हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद अब अनंत सिंह जल्द ही जेल से बाहर आ सकते हैं। बेल ऑर्डर की कॉपी जेल प्रशासन को दी जाएगी। इसके बाद अनंत सिंह को रिहा कर दिया जाएगा। मामले में केस दर्ज होने के बाद अनंत सिंह ने खुद ही सरेंडर कर दिया था।

नीट यूजी काउंसलिंग 2025 पर लग गई रोक

● फर्स्ट राउंड की चॉइस फिलिंग -लॉकिंग पर स्टे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी यानी एमसीसी ने 5 अगस्त को नीट यूजी 2025 के फर्स्ट राउंड की चॉइस फिलिंग और चॉइस लॉकिंग फैसिलिटी को अस्थायी रूप से रोक दिया है। कमेटी ने इस रोक के लिए कोई कारण नहीं बताया है। एमसीसी ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर लिखा है,

फर्स्ट राउंड चॉइस फिलिंग और चॉइस लॉकिंग को रोक दिया गया है। रिवाइज्ड शेड्यूल जल्द ही घोषित किया जाएगा। एमसीसी ने 21 जुलाई से नीट यूजी 2025 काउंसलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन विंडो और चॉइस फिलिंग प्रोसेस शुरू की थी। रिजल्ट आने के बाद, सिलेक्टेड कैंडीडेट्स को 1 अगस्त से 6 अगस्त, 2025 के बीच अपने संबंधित संस्थानों को रिपोर्ट करना था।

विपक्ष अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मारने में माहिर

● मोदी बोले-ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग करके गलती की

एनडीए सांसदों की हुई बैठक, प्रधानमंत्री को सम्मानित किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें एनडीए सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता पर पीएम नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ

सिंह ने पीएम को हार पहनाया। सांसदों ने हर-हर महादेव, भारत माता की जय के नारे लगाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम ने सांसदों को अपने संबोधन में कहा, संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके विपक्ष ने गलती की। इसमें उनकी ही फजीहत हुई। विपक्ष अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर है। विपक्ष रोज ऐसी चर्चा कराए, हम इस फील्ड में माहिर हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, बिहार में वोटर्स लिस्ट रिविजन के मुद्दे पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। देश की जनता सब देख रही है। पीएम ने अमित शाह की भी तारीफ की और कहा कि वे अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री हैं। एनडीए सांसदों की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव भी पास किया गया। इसमें कहा गया कि सैन्य शक्ति और मजबूत नेतृत्व के जरिए इंसाफ हुआ। भारत आतंकवाद को न तो भूलता है और न ही कभी माफ करता है। पीएम मोदी संसदीय दल की बैठक में नए सांसदों से भी मिले। बैठक में भाजपा और उसके सभी सहयोगी दलों के सभी सांसदों का शामिल होना अनिवार्य था। सांसदों को एक किताब दी गई।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

● बिहार सहित 4 राज्यों के राज्यपाल रहे,उनके कार्यकाल में हटा था आर्टिकल-370

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने दोपहर 1.12 बजे अंतिम सांस ली। सत्यपाल मलिक लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। 11 मई को हालत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे जम्मू-कश्मीर, बिहार, गोवा और मेघालय के राज्यपाल रहे। 2018 में ओडिशा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। सत्यपाल 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे। इन्हीं के कार्यकाल के दौरान ही आज ही के दिन 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाया गया था। 8 जून को सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया पर अपना हेल्थ अपडेट शेयर किया था। उन्होंने उस पोस्ट में अपनी स्थिति को गंभीर बताया था। उन्होंने कहा था कि वह पिछले महीने से अस्पताल में भर्ती हैं और किडनी से संबंधित बीमारी से जूझ रहे हैं।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का लोकसभा चीफ व्हीप पद से इस्तीफा

● महुआ मोइत्रा से विवाद के बीच कदम उठाया, महिला सांसद ने कल्याण को सुअर कहा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी ने 4 अगस्त को लोकसभा में पार्टी के चीफ व्हीप पद से इस्तीफा दे दिया। आरोप लगाया कि उन्हें सांसदों के बीच खराब समन्वय के लिए गलत तरीके से दोषी ठहराया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी सांसद महुआ मोइत्रा पर सार्वजनिक तौर पर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का भी आरोप लगाया। कल्याण के इस्तीफे के बाद पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी नए व्हीप चुने गए। कल्याण और कृष्णा नगर से सांसद महुआ के बीच बीते कुछ समय से खींचतान चल रही है, जो अब संसद तक पहुंच गई है। बीते दिनों एक मीडिया हाउस के पॉडकास्ट में महुआ ने कल्याण की तुलना सुअर से की। इसके बाद टीएमसी चीफ सीएम ममता बनर्जी ने संसदीय दल की वर्चुअल मीटिंग की और पार्टी सांसदों से संयमित व्यवहार करने को कहा था। अब कल्याण के इस्तीफे के कारण संसदीय दल में अव्यवस्था की लेकर पार्टी की चिंता बढ़ गई है।

जज तय नहीं करेंगे कौन है सच्चा भारतीय

● प्रियंका ने किया भाई राहुल गांधी का बचाव ● सेना पर बयान को लेकर एससी ने डांटा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मंगलवार को संसद परिसर में कहा, माननीय जजों का पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूं कि वे यह तय नहीं करेंगे कि सच्चा भारतीय कौन है। उन्होंने कहा, सरकार से सवाल पूछना विपक्ष के नेता का कर्तव्य है। मेरा भाई कभी भी सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, उनके प्रति सम्मान रखता है। भाई की बातों का गलत मतलब निकाला गया। इधर, संसद भवन में एनडीए संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने इसी मुद्दे पर कहा, सुप्रीम कोर्ट की इससे बड़ी फटकार हो ही नहीं सकती।

दरअसल, प्रियंका का ये जवाब सुप्रीम कोर्ट के राहुल के सच्चे भारतीय होने पर उठाए सवाल पर आया। 4 अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सेना पर की गई टिप्पणी मामले पर सुनवाई के दौरान एससी ने नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा। आपको कैसे पता चला कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है। 16 दिसंबर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल ने विवादित बयान दिया था। कहा था- लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में पूछेंगे, लेकिन चीन ने 2000 वर्ग किमी भारतीय जमीन कब्जा की है, 20 भारतीय सैनिक मारे गए और हमारे सैनिकों को अरुणाचल में पीटा जा रहा है, उसके बारे में बात नहीं कर रहे हैं।

सेना पर दिए बयान से जुड़ी राहुल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- आप विपक्ष के नेता हैं। ये बातें संसद में क्यों नहीं कहते। सोशल मीडिया की क्या जरूरत है। कैसे पता चला कि चीन ने 2000 वर्ग किमी क्षेत्र कब्जा लिया। क्या आप वहां थे। कोई प्रमाण है।

द्वितीय पुण्यतिथि
पर शत्-शत् नमन

(स्व. श्रीमती राधा रानी शर्मा)

(स्वर्गवास दिनांक 6 अगस्त 2023)

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारुतः॥

(श्रीमद्भगवद्गीता, अध्याय 2, श्लोक 23)

श्लोक अर्थः

इस आत्मा को शस्त्र काट नहीं सकते, आग इसे जला नहीं सकती,
पानी इसे गीला नहीं कर सकता, और वायु इसे सुखा नहीं सकती।

भावार्थः

आत्मा शाश्वत है यह भौतिक साधनों से नष्ट नहीं होती
शरीर तो नश्वर है, पर आत्मा अविनाशी है।

समस्त राष्ट्रीय शिखर परिवार

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गढ नगर में श्रीराम लीला कमैटी के गठन को लेकर विरोधाभास के स्वर उभरे

हापुड / गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ नगर में श्रीराम लीला कमैटी बनाने के मामले में सभी नगरवासी एक मत नही होने के कारण विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। अब देखना है कि पूर्व वर्ष की जिस कमैटी को दोबारा बनाने की बात चली है वही कमैटी रहेगी या नई कमैटी का गठन होगा। गढ नगर में प्रत्येक वर्ष होने वाली श्रीराम लीला मंचन के संचालन के लिए सर्वसम्मति से श्रीराम लीला कमैटी का गठन पंचायती मंदिर अथवा चिन्हित स्थान पर होता है जहां नगर के सम्मानित लोगो को अमंत्रित करके सर्वसम्मति से कमैटी के गठन की घोषणा की जाती है। इसबार सोमवार को भी जब गतवर्ष की श्रीराम लीला कमैटी को ही इस वर्ष के लिए भी जिम्मेदारी देने की बात कही गई ओर जब यह सूचना मंगलवार को नगर के अन्य लोगो को पता चली तो उन्होने कडा ऐतराज करते हुऐ कहा कि जब कमैटी बनानी थी तो नगर के सम्मानित लोगो सहित आम लोगो को भी जानकारी देनी चाहिए थी चाहे कमैटी पुरानी ही बनती लेकिन इससे सम्मानित नगरवासियो को ऐसा लगता है कि इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंची है। काफी लोगो ने इस तरह कमैटी बनाने पर कडा ऐतराज भी किया है। अब देखना है कि आगे क्या होता है मामला तुल पकडेगा यह सहमति से ही बात बन जायेगी।

गढ रोडवेज कर्मचारियों ने अवैध डग्गामार वाहनों के विरूद्ध मोर्चा खोला

हापुड/ गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ नगर में स्थित उत्तर प्रदेश परिवहन निगम डिपो के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बस स्टैण्ड के सामने से संचालित होने वाले डग्गामार वाहनो के विरूद्ध मोर्चा खोल दिया है मंगलवार को इन कर्मचारियों ने आवाज उठाई ओर स्वयं अवैध वाहनो को बस अड्डे के सामने खडे होने से रोकने के लिए डंडे लेकर सडके के पास बैठ गए। गढ डिपो के सहायक परिवहन अधिकारी अपने स्टॉफ के साथ मंगलवार को डिपो के सामने अवैध रूप से खडे होकर सवारी भरने वाले वाहनो को रोकने के लिए बैठ गए इन कर्मचारियो ने आम लोगो से भी अपील की है कि वह सुरक्षित यात्रा के लिए डग्गामार वाहनो से बचें। अधिकारीयों व कर्मचारीयों का कहना कि अवैध डग्गामार वाहनो के संचालन से रोडवेज विभाग को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस मौके पर परिवहन विभाग की अधिकारी व कर्मचारियों में गीता गुप्ता, अनिल कुमार, अमरीश कुमार, इदरीश आदि मौजूद रहे।

गढ नगर पालिका क्षेत्र में अतिक्रमण करने वालो को कार्रवाई की चेतावनी

हापुड/ गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी ब्रजघाट गंगातट व अन्य स्थानो पर होने वाले अतिक्रमण की सूचना पर मौके पर पहुंची ओर अतिक्रमण करने वाले लोगो को तुरंत अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये। मंगलवार को गढ नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी पवित्रा त्रिपाठी ब्रजघाट गंगातट के आसपास एवं अन्य स्थानो पर होने वाले अतिक्रमण की सूचना पर पालिका स्टॉफ को साथ लेकर मौके पर निरीक्षण करने पहुंची ओर अतिक्रमण करने वाले लोगो को तुरंत अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये। अधिशासी अधिकारी ने अतिक्रमण करने वालो को कार्रवाई की भी चेतावनी दी है।

सलारपुर में पार्किंग को लेकर कहासुनी ने लिया खूनी मोड़, केयरटेकर दीपू को मारी गोली, आरोपी फरार

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा के सलारपुर गांव में सोमवार देर रात पार्किंग के पैसों को लेकर शुरू हुआ विवाद अचानक हिंसा में तब्दील हो गया। पार्किंग की निगरानी कर रहे युवक दीप हनुमान उर्फ दीपू को गांव के ही दो युवकों ने गोली मार दी और फरार हो गए। गोली दीपू के बाएं पैर के घुटने में जा लगी, जिसके बाद उसे लहूलुहान हालत में अस्पताल ले जाया गया। इस वारदात के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के अंतर्गत उस खाली प्लॉट में घटी, जहां दीपू बतौर केयरटेकर पार्किंग की जिम्मेदारी निभा रहा था। सोमवार रात वह प्लॉट पर ही सो रहा था कि तभी बीतेश भाटी और रवि भाटी नामक दो युवक वहां पहुंचे और पैसों की मांग करने लगे। जब दीपू ने रुपये देने से इनकार किया तो दोनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और कुछ ही देर में पिस्टल निकालकर दीपू पर फायरिंग कर दी। एक गोली उसके घुटने में जा धंसी।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल दीपू को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि पीड़ित और आरोपी पहले से एक-दूसरे को जानते थे और पैसों को लेकर उनके बीच लंबे समय से कहासुनी चल रही थी, जो अब हिंसक झड़प में बदल गई। वहीं सलारपुर के रहने वाले नितिन ने पुष्टि की कि जिस पार्किंग की देखरेख दीपू करता था, वहीं यह पूरा घटनाक्रम हुआ। आरोपी पैसों की जबरन मांग कर रहे थे और न देने पर उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी थी।

घटना के बाद से दोनों आरोपी फरार हैं। पुलिस ने उनकी तलाश में एसीपी ट्विंकल जैन की अगुआई में दो टीमों का गठन किया है, जो लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। सीसीटीवी फुटेज के जरिए दोनों की पहचान पक्की हो चुकी है।

एडिशनल डीसीपी ने दावा किया है कि जल्द ही दोनों हमलावर पुलिस की गिरफ्त में होंगे। वहीं इस घटना ने नोएडा में पार्किंग माफियाओं की बढ़ती दखलअंदाजी और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की अनूठी पहल : संविधान की स्मृतियों से सजेगा विजयनगर का भीमाबाई पार्क, मिलेगा नया सांस्कृतिक मुकाम

गाजियाबाद (शिखर समाचार) विजयनगर की पहचान जल्द ही एक नई सांस्कृतिक छवि के रूप में उभरेगी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने इलाके के ऐतिहासिक भीमाबाई पार्क को संविधान स्मृति पार्क में तब्दील करने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की बुनियाद प्राधिकरण सभागार में उस वक्त रखी गई जब प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स एवं सदर विधायक माननीय संजीव शर्मा की उपस्थिति में विस्तृत प्रस्तुति रखी गई।

इस विशेष पार्क में संविधान की झलकें सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि पाथवे गैलरी के रूप में संविधान के अनुच्छेद, मूल्य और निमार्ता महापुरुषों की जीवनगाथाएं हर आम जन तक पहुँचेंगी। साहित्य प्रेमियों के लिए साहित्य वाटिका होगी, जहां राष्ट्र निमार्ता विचारकों की प्रेरणादायी सूक्तियाँ और विचार स्थान पाएंगे। बच्चों के लिए आधुनिक खेल उपकरणों से सुसज्जित मनोरंजन क्षेत्र और आयोजन योग्य खुले मंचीय स्थल भी इस योजना का अहम हिस्सा होंगे। पार्क के एक विशिष्ट स्थान पर भीमाबाई की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी, जो

सामाजिक चेतना की एक सशक्त प्रतीक बनेगी। बैठक में यह भी तय हुआ कि परियोजना को शीघ्रता से जमीन पर उतारने के लिए प्राधिकरण जल्द ही आरएफपी (ईओआई) जारी करेगा, जिससे अनुभवी एजेंसी के जरिये पार्क का निर्माण सुनिश्चित हो सके। साथ ही, प्रतीक ग्रैंड सिटी चौराहे के सुंदरीकरण और यातायात दबाव को देखते हुए उसका नया डिजाइन भी तैयार कराने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि सदर विधायक संजीव शर्मा द्वारा भीमाबाई पार्क व जंक्शन के पुनरुद्धार हेतु हाल ही में औपचारिक प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे प्राधिकरण ने प्राथमिकता पर लेकर अमल की दिशा में तेजी दिखाई है। यह पार्क न केवल विजयनगर की भौगोलिक छवि बदलने वाला है, बल्कि हर आयु वर्ग के लिए ज्ञान, विरासत और विराम का एक साझा ठिकाना भी बनकर उभरेगा।

मुठभेड़ में 25 हजार का ईनामी गिरफ्तार, दोनों पैरों में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम कमिश्नरेट गाजियाबाद और थाना लिंकरोड पुलिस ने मानसी ज्वैलर्स के यहां हुई लूट की घटना में वांछित 25 हजार के ईनामी अभिषेक को मुठभेड में गिरफ्तार करने का दावा किया है। मुठभेड़ में अभिषेक को गोली लगी और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने ईनामी की निशानदेही पर 1 अवैध तमंचा, 1 जिन्दा कारतूस, 1 खोखा कारतूस, 6 हजार रुपये नगद और चोरी की 1 बिना नंबर प्लेट लगी मोटर साइकिल बरामद की। खास बात यह है कि अभिषेक पहले भी लूट के मामले में दिल्ली से जेल जा चूका है और उसके खिलाफ 2 मुकदमें दिल्ली में भी दर्ज है। एसीपी साहिबाबाद श्वेता कुमारी यादव ने बताया कि थाना लिंकरोड क्षेत्रान्तर्गत मानसी ज्वैलर्स के यहां लूट में 25 हजार का ईनामी अभिषेक वांछित चल रहा था। स्वाट टीम व थाना लिंकरोड पुलिस टीम द्वारा अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु संयुक्त रूप से

चौकी औद्योगिक क्षेत्र के पास चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर प्लेट लगी मोटर साइकिल पर अभियुक्त आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम ने बाइक सवार को रोककर चैक करने का प्रयास किया तो वह भागने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा कर पकड़ने का प्रयास किया तो बाइक सवार बदमाश ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में पुलिस टीम द्वारा फायर किया गया, जिसमें बदमाश के दोनों पैरो में गोली लग गई। घायल बदमाश ने अपना नाम अभिषेक पुत्र लवकुश निवासी ग्राम बहेटा हाजीपुर थाना लोनी बोर्डर गाजियाबाद उम्र करीब 23 वर्ष बताया और उसके कब्जे से हत्यार व नगदी बरामद हुई है। बदमाश को उपचार हेतु अस्पताल भिजवा दिया गया है और अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि मानसी ज्वैलर्स के यहां हुई लूट में कपिल और मनीष को उसने ही चोरी की मोटर साइकिल स्पलेन्डर और स्विग्गी , बलिनकिट की ड्रैस उपलब्ध करायी गयी थी।

तालाबों में जल संचयन में जुटा नगर निगम, नगर आयुक्त ने सदरपुर तालाब का किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। तालाबों का सौंदर्यकरण करते हुए उसमें जल संचयन के कार्य को भी नगर निगम तेजी के साथ कर रहा है। मंगलवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कविनगर जोन के सदरपुर स्थित तालाब का निरीक्षण किया। आयुक्त ने मौके पर सदरपुर निवासियों से वार्ता करते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। इस दौरान महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद और सदरपुर वार्ड संख्या 30 से ओमवीर भी मौके पर उपस्थित रहे। खास बात यह है कि नगर आयुक्त ने अधिकारियों और निवासियों को तालाब पर पौधारोपण करने के लिए प्रेरित भी किया। महा प्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद ने बताया कि मेयर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त के निर्देशन पर गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले अनेकों तालाबों पर स्वच्छता का अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत तालाबों का सौंदर्यकरण और उनका व्यवस्थित करने का कार्य भी तेजी से किया जा

रहा है। सदरपुर गांव स्थित 5 एकड़ के तालाब का नेचररूट्स इनोवेशंस द्वारा सफाई का कार्य, चारों तरफ वाकिंग ट्रेक, जलकुंभी निकालने का कार्य, जल शोधन हेतु ट्रीटमेंट प्लांट लगाने और चारों तरफ प्लांटेशन का कार्य किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र वासियों द्वारा भी विशेष रुचि दिखाते हुए सहयोग किया गया है। मौके पर नेचररूट्स इनोवेशंस से डॉ. कल्पना अरोड़ा तथा नमस्ते इंडिया फूड से ममता भी उपस्थित रही और जलकल विभाग से आस कुमार द्वारा कार्यक्रम में विशेष सहयोग किया गया। नगर आयुक्त द्वारा सदरपुर क्षेत्र वासियों से वार्ता करते हुए तालाब की स्वच्छता और सौंदर्यकरण को बनाए रखने के लिए अपील की गई। क्षेत्र वासियों ने बताया कि तालाब के सौंदर्यकरण के बाद क्षेत्रवासियों को लाभ मिलगा और मॉर्निंग वॉक भी की जा सकेगी।शाम को बुजुर्ग, युवा तथा बच्चे सभी तालाब के आसपास घूमते है और अच्छे वातावरण का लाभ उठाते है।आस्था वेलफेयर सोसायटी से वीना विरमानी और मोहित विरमानी भी मौके पर मौजूद रहे।

पीएम सूर्य घर योजना बढ़े हुए बिजली बिलों के साथ बिजली कटौती से दिलायेगी निजात : डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के मद्देनजर यूपीनेडा, विद्युत विभाग, पंजीकृत वैन्डर्स के साथ प्रगति समीक्षा बैठक आहूत हुई। बैठक के दौरान वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा एसके सिंह ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने 2025-26 हेतु जनपद को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के मद्देनजर 15670 घरेलू सोलर पॉवर प्लांट लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके सापेक्ष वर्तमान समय सोलर पॉवर प्लांट लगाने हेतु लाभार्थियों द्वारा ऑनलाईन https://pmsuryaghar.gov.in व स्कैनर के माध्यम से 8756 आवेदन पत्र प्राप्त हुए है और 3276 सोलर पॉवर प्लांट लगाये गये है। शेष 5480 कनैक्शन लगाने हेतु सम्बंधित 68 वैन्डर्स द्वारा कार्यवाही प्रगति पर है। डीएम ने सभी को निर्देशित किया कि प्राप्त

शेष 5480 आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही हेतु उन्हें सभी 68 वैन्डर्स में बांट दिया जाएं और नये आवदेनों हेतु मीडिया, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जाएं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एक महत्वपूर्ण व लाभप्रद योजना है, जो लाभार्थी को ही नहीं अपितू पर्यावरण के लिए भी लाभप्रद है और इससे लोगों के बिजली बिलों में कटौती भी होगी। इस योजनान्तर्गत खप्त से अधिक बिजली उत्पादन होने पर विद्युत विभाग द्वारा निर्धारित दरों पर उपभोक्ता को भुगतान दिया जाता है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना विद्युत आपूर्ति हेतु महत्वपूर्ण व आवश्यक साधन है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जन कल्याण व पर्यावरण हित में है। वैन्डर्स द्वारा विद्युत विभाग व बैंक द्वारा उपरोक्त कार्य में पूर्ण सहयोग ना देने की बात कहीं गयी। डीएम ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि योजना हेतु शत-प्रतिशत लक्षय को पूर्ण कराने में सहयोग प्रदान किया जाए व वैन्डर्स द्वारा योजना सम्बंधित अपलोड़ दस्तावेजों की ही जांच की जाएं तथा वैन्डर्स से अनावश्यक अभिलेख ना मंगवायें जाएं। उन्होने कहा कि शीघ्र ही इस सम्बंध में पुनः बैठक की जायेगी, जिसमें पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से सम्बंधित सभी विभागों के साथ भी बैठक की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, एसपीओ पीओ नेडा, विद्युत विभाग के तीनों मुख्य अभियंता, जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण व वैन्डर्स उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त की अध्यक्षता में संभव के तहत हुई जनसुनवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर संभव के तहत जनसुनवाई का आयोजन नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में किया गया। जनसुनवाई में निगम अधिकारियों सहित जन समस्याओं को सुना गया। संभव के तहत 18 समस्याएं निगम अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की गई, अधिकांश समस्या जलकल विभाग से प्राप्त हुए। समस्याओं पर तत्काल कार्यवाही करने हेतु नगर आयुक्त ने महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद को निर्देशित किया और त्वरित कार्यवाही करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आदेशित किया। जनसुनवाई में निर्माण विभाग से पांच, उद्यान विभाग से एक, प्रकाश विभाग से चार, टैक्स विभाग से एक, जलकल विभाग से पांच तथा संपत्ति विभाग से दो समस्याएं प्राप्त हुई। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव तथा संयुक्त नगर आयुक्त ओमप्रकाश द्वारा प्राप्त जन समस्याओं पर अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए समस्याओं के समाधान के लिए कार्यवाही कराई गई। प्राप्त शिकायतों के तत्काल समाधान के लिए नगर आयुक्त ने महाप्रबंधक जल और निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता निर्माण को विशेष रूप से समस्याओं के समाधान पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए और चल रहे कार्यों पर मॉनिटरिंग बनाए रखने के लिए निर्देशित किया।

रक्षाबंधन पर रोडवेज की नई व्यवस्था : अब बसें चलेंगी भीड़ के मुताबिक, बहनों को तीन दिन फ्री यात्रा

नोएडा (शिखर समाचार)। रक्षाबंधन जैसे बड़े पर्व पर सफर करने वालों की भीड़ को देखते हुए उत्तर प्रदेश रोडवेज ने इस बार खास तैयारी की है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो से चलने वाली बसों को अब तय रूट पर ही नहीं, बल्कि यात्रियों की संख्या के अनुसार मोड़ा जाएगा। यानी जिस रूट पर ज्यादा भीड़ होगी, बस उसी दिशा में दौड़ाई जाएगी। डिपो प्रबंधन ने चालकों की ईटीएम मशीन में सभी रूट्स का डेटा फीड कर दिया है। यह सुविधा आम दिनों में नहीं मिलती। अगर किसी दिन बदायूं की बजाय फरुर्खाबाद रूट पर भीड़ ज्यादा है, तो बस सीधे वहीं जाएगी और बदायूं के लिए दूसरी बस भेज दी जाएगी। इस समय नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो के पास कुल 305 बसें हैं, जिनमें से अधिकतर साधारण और सीएनजी बसें हैं। हाल ही में डिपो को 45 नई बसें मिल चुकी हैं और 35 और मिलने की प्रक्रिया में हैं। ऐसे में इस बार यात्रियों को बसों की संख्या में भी राहत मिलेगी। रक्षाबंधन पर सरकार की ओर से बहनों को एक और सुविधा दी जा रही है। 8 अगस्त सुबह 6 बजे से लेकर 10 अगस्त रात 12 बजे तक सभी साधारण रोडवेज बसों में महिलाएं बिना टिकट सफर कर सकेंगी। यह सुविधा पूरे प्रदेश में लागू होगी। अगर रक्षाबंधन के दिन रात में भीड़ ज्यादा रही, तो डिपो प्रबंधन देर रात तक भी बसें चलवाएगा। डिपो की सभी बसें फिलहाल साधारण हैं, लेकिन अन्य शहरों से होकर आने वाली एसी बसों में लोग पहले से टिकट बुक करा सकते हैं। इसके अलावा, साधारण बसों में भी www.upsrtc.up.gov.in के माध्यम से टिकट ऑनलाइन बुक किए जा सकते हैं।

कॉरपोरेट दुनिया की ओर पहला कदम: आईटीएस गाजियाबाद में कैंपस टू कॉरपोरेट कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में भरी नई ऊर्जा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट गाजियाबाद ने पीजीडीएम सत्र 2024-26 के विद्यार्थियों के लिए एक बेहद उद्देश्यपूर्ण और प्रासंगिक पुनर्अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। मंगलवार, 5 अगस्त को कैंपस टू कॉरपोरेट, बदलती अपेक्षाएँह्व विषय पर द्रोणाचार्य ऑडिटोरियम में आयोजित इस आयोजन का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को क्लासरूम की परिधि से निकालकर कॉरपोरेट दुनिया की वास्तविकताओं से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक सरस्वती वंदना व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें अतिथि स्वरूप कॉरपोरेट क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की। मंच पर उपस्थित थे जिनमें मुकेश मोहन गुप्ता अध्यक्ष भारतीय सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंडल, सुश्री मेघना मक्कड़ कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं मैट्रिक्स लाइफ ट्रेनिंग की संस्थापक, शुभ्रांशु मोहंती पूर्व एचआर प्रमुख एवरेस्ट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सत्यक्की भट्टाचार्य सीईओ ट्रांसफॉर्मिंग मैनेजमेंट सिस्टम्स, संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय कुमार एवं पीजीडीएम चेयरपर्सन डॉ. अनुषा अग्रवाल। निदेशक प्रो. अजय कुमार ने स्वागत संबोधन में विद्यार्थियों को वर्तमान कॉरपोरेट प्रतिस्पर्धा में टिके रहने के लिए व्यवहारिक शिक्षा, नैतिक मूल्यों, निरंतर सीखने की ललक और खुद की ब्रांडिंग पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए डॉ. अनुषा अग्रवाल ने कहा कि आज का कॉरपोरेट परिदृश्य सिर्फ डिग्री नहीं, दृष्टिकोण और दक्षता मांगता है। वक्ताओं ने अपने अनुभवों और विचारों से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। मुकेश मोहन गुप्ता ने कहा कि आज के समय में विचारों की स्पष्टता, नीतियों की दृढ़ता और प्रयासों की निरंतरता ही सफलता का मूल मंत्र हैं। उन्होंने असफलताओं से सीखने और बड़े सपने देखने की हिम्मत रखने की सलाह दी। सुश्री मेघना मक्कड़ ने आत्म-संवाद, सकारात्मक सोच

और अनुशासन की आदतों को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में निर्णायक बताया। उन्होंने मानसिक रूप से मजबूत बनकर चुनौतियों का सामना करने पर बल दिया। शुभ्रांशु मोहंती ने छात्रों को करियर निर्माण में नेटवर्किंग, फील्ड लर्निंग और स्किल डेवलपमेंट को प्रमुख मानदंड बताया। वहीं सत्यक्की भट्टाचार्य ने प्रबंधकीय जीवन में भावनात्मक समझ, ईमानदारी और बदलाव के प्रति ग्रहणशीलता को आवश्यक गुण बताया।इस विशेष आयोजन में 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, साथ ही अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण में उत्कृष्ट नेतृत्व का प्रदर्शन करने वाले छात्र प्रतिनिधि को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। आईटीएस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन आर.पी. चड्ढा ने इस प्रेरक पहल के लिए आयोजकों को बधाई दी, जबकि वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने संस्थान की उद्योग उन्मुख सोच को दोहराते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

नौकर की नीयत पर पड़ा लालच का पर्दा, 55 लाख की चोरी का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिम जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) टीम और केशव पुरम थाने की संयुक्त कार्रवाई में 55 लाख रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए आरोपित नौकर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान हरियाणा निवासी नरेंद्र शर्मा (27) के रूप में हुई है। आरोपित के पास से पूरी रकम 55 लाख नकद बरामद कर ली गई है। पुलिस के मुताबिक 27 जुलाई को लॉरेंस रोड निवासी नंद किशोर ने केशव पुरम थाने में शिकायत दी कि उनके ऑफिस में काम करने वाला डिलीवरी बॉय नरेंद्र शर्मा 24 जुलाई को 55 लाख रुपये कैश लेकर एक पार्टी को देने गया था, परंतु न ही उसने पैसे दिए और न ही वापस लौटा। कुछ समय बाद उसका मोबाइल भी बंद मिला। शक होने पर जब खोजबीन की गई तो यह साफ हो गया कि वह रकम लेकर फरार हो गया है। इस संबंध में केशव पुरम थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने हरियाणा, उत्तराखंड, उप्र और दिल्ली में लगातार छापेमारी की। तकनीकी निगरानी के तहत 200 से अधिक कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। आरोपित बार-बार ठिकाने बदल रहा था। लेकिन अंततः पुलिस ने उसे दिल्ली से धर दबोचा। कड़ी पूछताछ में आरोपित नरेंद्र ने अपना जुर्म कबूल किया। उसने बताया कि वह आसान तरीके से बड़ी रकम कमाना चाहता था और शानो-शौकत की जिंदगी जीने की चाह में यह कदम उठाया। आरोपित ने बताया कि उसने 2020 में पहली बार शिकायतकर्ता के पास काम किया था, और मार्च 2025 में दोबारा नौकरी शुरू की थी। तभी से उसने इस चोरी की योजना बनाई थी।

समान चुनाव चिह्न के लिए जनसंघ की गुहार

-हाई कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को भेजा नोटिस, 19 अगस्त को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए एक समान पार्टी चिह्न आवंटित करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय जनसंघ ने याचिका दायर की है। इस याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को (ईसीआई) से जवाब मांगा है। जनसंघ ने दावा किया कि दो जून को चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश के तहत पार्टी ने चिह्न आवंटन के लिए चुनाव आयोग में आवेदन किया था। चार जुलाई को एक रिमाइंडर भी भेजा था। हालांकि ईसीआई की तरफ से इसका कोई जवाब नहीं आया। इस पर न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई स्थगित कर दी। याचिका के अनुसार पार्टी को चुनाव लड़ने का संवैधानिक अधिकार है और चुनाव चिह्न आवंटित न होने से बिहार चुनाव लड़ने का उसका अवसर छिन जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 19 अगस्त को होगी। संगठन की तरफ से पेश हुए वकील प्रणय रंजन और मृगांक प्रभाकर ने कहा कि जनसंघ ने आंध्र प्रदेश में 2024 के विधानसभा चुनावों में भाग लिया था। तब इसके लिए उन्हें सामान्य चुनाव चिह्न 'सितार' आवंटित किया गया था। याचिका में कहा गया कि चुनाव चिह्न आवंटिट करने के लिए निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया जाए।

बदरपुर में शराब माफिया ने पुलिस पर किया जानलेवा हमला, एक जवान घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदरपुर इलाके में शराब माफिया को पकड़ने पहुंची दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ की टीम पर माफिया और उसके साथियों ने हमला कर दिया। हमले में एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस टीम पर हमले की सूचना मिलने पर डीसीपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बदरपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

एक बार फिर संतोषजनक श्रेणी में पहुंची हवा, वायु गुणवत्ता सूचकांक 97 दर्ज किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 05 अगस्त (वेब वार्ता)। राजधानी में सोमवार को मध्यम श्रेणी में हवा पहुंचने के बाद एक बार फिर लोग राहत की सांस ले रहे हैं। मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 97 दर्ज किया गया। यह हवा की संतोषजनक श्रेणी है। इसमें सोमवार की तुलना में 19 अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि शुक्रवार तक हवा इसी श्रेणी में ही बरकरार रहेगी। ऐसे में आने वाले दिनों में लोग साफ हवा में सांस ले पाएगे। मंगलवार को हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 से 15 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चली। बुधवार को हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किलोमीटर की गति से चल सकती है। वहीं, बृहस्पतिवार को हवा पश्चिम एक बार फिर से दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किलोमीटर प्रति घंटे चलने का अनुमान है। शुक्रवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किलोमीटर की गति से चल सकती है। वहीं, सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 135 दर्ज किया गया जोकि मध्यम श्रेणी है। नोएडा में सबसे कम एक्यूआई 106 दर्ज किया गया जोकि मध्यम श्रेणी है। इसके अलावा गाजियाबाद में 113 सूचकांक दर्ज किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है, पर बहुत सारा काम होना अभी बाकी : रेखा गुप्ता

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया डीयू के सोशल सेंटर स्कूल के नए शैक्षणिक भवन का उद्घाटन

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सोशल सेंटर स्कूल के नए शैक्षणिक भवन का उद्घाटन मंगलवार, 5 अगस्त को किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुझे बड़ी खुशी है कि दिल्ली विश्वविद्यालय लगातार ऊंचाइयों के परचम लहरा रहा है। मुझे खुशी है कि एक स्कूल जो दिल्ली विश्वविद्यालय ने बनाया और संभाला, वह स्कूल 1947 से लेकर 2025 तक आजादी की उम्र के बराबर बढ़ता गया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे जबकि समारोह की अध्यक्षता डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। समारोह के दौरान घोंडा विधानसभा के विधायक अजय महावर, तिमारपुर विधानसभा के विधायक सूर्य प्रकाश खत्री, डीयू दक्षिणी दिल्ली परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी एवं डीयू रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता बतौर विशेष अतिथि उपस्थित रहे।

स्कूल के भवन का उद्घाटन मौरिस नगर स्थित स्कूल परिसर में किया गया जबकि उद्घाटन समारोह सभा का आयोजन डीयू के वाइस रीगल लॉज स्थित कोन्वेंशन हाल में हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्रीमति रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी के इतने सालों बाद भी ढेरों कमियां देश में चल रही थी। बदलाव की कुछ कुछ बयार बहने लगी, थोड़ा-थोड़ा फर्क हमने 2014 के बाद से देखा, शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है, पर बहुत सारा काम होना अभी बाकी है। मुख्यमंत्री ने कहा की भारत एक समय में अपनी शिक्षा के लिए जाना जाता था, हमारे विश्वविद्यालय विश्व के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में थे। हमारी शिक्षा में वो ग्रंथ, वो किताबें आज भी ब्रह्मांड का पूरा फिजिक्स, इकोनॉमिक्स सब कुछ लिए बैठी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्या हम डीयू के साथ मिलकर ऐसा सिस्टम तैयार कर सकते हैं कि शैक्षणिक ढांचा सरकार तैयार करे, पर उसके अंदर अकादमिक ढांचा तैयार करने में विश्वविद्यालय की सहभागिता हो। विशेष रूप से आज सरकारी स्कूल में जो बच्चे हैं और विश्ववियालय के जो विद्यार्थी हैं उन्हें हमें आपस में जोड़ना चाहिए। हर कॉलेज को दो या तीन स्कूलों से जोड़ा जाए। और कोलेजों के विद्यार्थी साप्ताहिक या पाक्षिक तौर पर वहां जाएं और उस स्कूल में जाकर उन बच्चों को मोटिवेट भी करें व उनके साथ समय बिताएं तथा उनमें नई आशाएं जगाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को चाहिए कि मेरे बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले। कॉलेज में एडमिशन लेने में सरकारी संस्थानों की इतनी अहमियत है कि लोग उसमें दाखिला लेना चाहते हैं। दूसरी ओर प्राइवेट सैक्टर के कॉलेज बाहें फैलाए बैठे रहते हैं कि आइये, आप बोलिए कि आपको कैसे एडमिशन देना है। यही शिक्षा का स्तर हमें प्राइमरी और सेकेंडरी में लेकर आना है। जब सरकार के पास लोग लाइन लगाकर कहें कि हमें कृपया सरकारी स्कूल में एडमिशन चाहिए। सरकारी स्कूल प्राथमिकता हो जाएं और प्राइवेट स्कूल दूसरी पसंद । जब सरकारी स्कूल में दाखिला ना मिले तब व्यक्ति प्राइवेट स्कूल की ओर जाए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'भारत के बच्चे को आज भी यदि ईडबल्यूएस में एडमिशन हो जाए, किस कॉलेज में जाऊं, किस कोर्स में लूँ, मुझे नहीं मिल रहा एडमिशन, और बच्चों को धक्के खाने पड़ें, प्राइमरी से लेकर और पोस्ट ग्रेजुएशन तक, तो ये नहीं चलेगा; ऐसा हम सब लोग तय कर लें। जैसे मोदी जी ने अपनी सरकार के चलते तय किया कि सैंकड़ों कॉलेज, ढेरों यूनिवर्सिट्ज़ आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल कॉलेज बनाए गए, हर तरीके से उन्होंने पूरे देश में शिक्षा जगत में अनेकों काम किए; ऐसे ही हम सबको मिलकर दिल्ली में एजुकेशन में प्राइमरी से पोस्टग्रेजुएशन तक हर जगह बहुत काम करने की आवश्यकता है।'

आप नेता आतिशी ने उठाया झुग्गी का मुद्दा तो स्पीकर बोले- सदन को न करें गुमराह

-दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र का दूसरा दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन विधानभवन स्थित कथित फांसी घर को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी की सरकार पर इतिहास के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। इस बीच दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने वर्तमान की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार पर झुग्गियों को गैरकानूनी तरीके से तोड़ने का आरोप लगाया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें विधानसभा को भ्रमित न करने की बात कहकर शांत कराया।

'सदन को भ्रमित न करें'

आप सरकार के कार्यकाल में रहीं पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, 'मेरी कालकाजी विधानसभा में भी झुग्गियों पर बुलडोजर चला दिया गया। जहां झुग्गी वहीं मकान का नारा देकर चुनाव लड़ा गया था लेकिन जीतने के बाद झुग्गियों को तोड़ना शुरू कर दिया गया।' आतिशी के इस बयान के बाद स्पीकर ने स्पष्ट किया कि झुग्गी वालों के लिए पुनर्वास पॉलिसी बनाई गई है। उसी को फॉलो किया जाता है। इसलिए सदन को भ्रमित न करें।

वहीं, दक्षिण पश्चिम दिल्ली जिले के पालम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक कुलदीप सोलंकी ने कहा, 'मेरी विधानसभा में पशुओं के अस्पताल में भी दवाओं की कमी है। इस पर ध्यान दिया जाए।' वहीं, पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी (एससी) निर्वाचन क्षेत्र से बीजेपी विधायक रविकांत ने कहा कि त्रिलोकपुरी में सीवर की ट्रंक लाइन को बदला जाए। अभी यहां हालात बहुत खराब है।

भाजपा विधायकों ने रखी अपने 'मन की बात'

उधर, मादीपुरा विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक कैलाश गंगवाल ने कहा, 'हमारी

विधानसभा में आवारा पशुओं की समस्या गम्भीर हो रही है। आवारा गाय ही नहीं, कुत्तों से भी लोग परेशान हैं।'

वहीं, द्वारका विधानसभा सीट से भाजपा विधायक प्रद्युम्न सिंह राजपूत ने कहा, 'डीटीसी के 20 हजार से ज्यादा पेंशनधारी हैं लेकिन 2015 से इनकी पेंशन सरकार के अनुमोदन पर निर्भर कर दी गई है। तभी से इन्हें नियमित तौर पर पेंशन नहीं मिल पा रही। ऐसी ही स्थिति इनकी चिकित्सा सुविधाओं को लेकर है। अत÷इस समस्या का समाधान किया जाए।'

इसी क्रम में मोती नगर निर्वाचन क्षेत्र से बीजेपी एमएलए हरीश खुराना ने कहा, 'मेरी विधानसभा में आचार्य भिक्षु अस्पताल में डॉक्टरों की भारी कमी है। अल्ट्रासाउंड की मशीन खराब पड़ी है। जरूरी दवाओं की कमी भी बनी हुई है। 250 बिस्तरों के अस्पताल में पार्किंग तक नहीं बनाई गई। इसकी जांच होनी चाहिए।'

झूठा आरोप लगाकर सत्येंद्र जैन को किया गया बदनाम : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई कोर्ट की तरफ से सोमवार को भ्रष्टाचार के एक केस में पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन को क्लीन चिट देने पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर निशाना साधा है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सत्येंद्र जैन को अभी आधा न्याय मिला है। उन्हें पूरा न्याय तब मिलेगा जब झूठे आरोप लगाकर उनको बदनाम करने वालों के ऊपर भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पार्टी की मांग है कि सत्येंद्र जैन पर झूठा आरोप लगाकर उनको बदनाम करने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता व तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता और एलजी व सीबीआई के अफसरों के ऊपर भी मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पहले विजेंद्र गुप्ता झूठी शिकायत करते हैं। फिर एलजी साहब उस शिकायत को सीबीआई को भेज देते हैं। शिकायत में कुछ होता नहीं है फिर भी सत्येंद्र जैन पर झूठा केस दर्ज होता है। इसके बाद बिना सबूत के सीबीआई जांच शुरू करती है और सत्येंद्र जैन और उनके परिवार के साथ आम आदमी पार्टी को लगातार परेशान किया जाता है। क्या इस तरह के उत्पीड़न के लिए कानूनी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए जबकि कोर्ट द्वारा इस केस को बंद कर देने से साफ हो चुका है कि विजेंद्र गुप्ता ने सिर्फ सत्येंद्र जैन और आप को बदनाम करने के लिए झूठी शिकायत की थी।

लंबे समय बाद नहीं मांगी जा सकती अनुकंपा नियुक्ति : कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि परिवार में कमाने वाले की मृत्यु के लंबे समय बाद अनुकंपा नियुक्ति नहीं मांगी जा सकती। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह ऐसा अधिकार नहीं है जो हमेशा के लिए जारी रहे। न्यायमूर्ति सी हरि शंकर व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति एक बहुत ही विशिष्ट आवश्यकता को पूरा करती है, जो समय के साथ समाप्त हो जाती है। पीठ ने कहा कि इस अधिकार को पाने के लिए अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि परिवार के प्रमुख कमाने वाले की मृत्यु के कारण संबंधित परिवार संकट में है। परिवार को तत्काल सहायता की आवश्यकता है। खंडपीठ ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में कार्यरत कांस्टेबल के बेटे की ओर से दायर याचिका खारिज कर दी है। कांस्टेबल की मृत्यु 21 सितंबर 1988 को सेवाकाल के दौरान हुई थी। सितंबर 2000 में मृतक की पत्नी ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था, लेकिन कांस्टेबल के पद के लिए आवश्यक योग्यता न होने के कारण उन्हें नियुक्ति नहीं दी गई। वर्ष 2018 में बेटे और उसकी मां ने एक बार फिर अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। यह दावा किया गया कि बेटा 2014 में वयस्क हो गया था लेकिन उसके पास कांस्टेबल के पद के लिए आवश्यक योग्यता नहीं थी, इसलिए उसने 2018 में आवेदन किया। जनवरी, 2020 में उन्हें सूचित किया गया कि बेटे की अनुकंपा नियुक्ति के लिए अनुशंसा नहीं की गई।

नमो भारत पर युवा कल्पनाओं की उड़ान, एनसीआरटीसी की फिल्म प्रतियोगिता ने दिखाई नई सिनेमाई दिशा

नई दिल्ली (शिखर समाचार) एनसीआरटीसी द्वारा आयोजित नमो भारत शॉर्ट-फिल्म मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं की मंगलवार, 5 अगस्त को औपचारिक घोषणा की गई, जिसमें देशभर के युवाओं ने फिल्म के जरिए भारत की पहली रीजनल रैपिड ट्रेन को कलात्मकता और विचारशील दृष्टिकोण से प्रस्तुत कर नई सिनेमाई भाषा गढ़ी। दिसंबर 2024 में इस प्रतियोगिता का आगाज हुआ था, जिसमें कॉलेज विद्यार्थियों से लेकर स्वतंत्र फिल्मकारों और डिजिटल क्रिएटर्स को आमंत्रित किया गया था कि वे नमो भारत को एक विषय नहीं, बल्कि एक पात्र के रूप में अपनी कहानियों में पिरोएँ। लक्ष्य था यात्रा, तकनीक और समाज के बदलते स्वरूप को परदे पर इस तरह उतारना कि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस करें।

इस रचनात्मक आह्वान को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। पूरे देश से 300 से ज्यादा क्रिएटर्स ने पूछताछ की, जिनमें से 83 ने अपनी कहानियाँ भेजीं। चयन प्रक्रिया के बाद 30 टीमों को नमो भारत स्टेशनों और अत्याधुनिक ट्रेनों में वास्तविक शूटिंग का मौका मिला। इन शॉर्ट फिल्मों में जहां तकनीकीग्ल्लीश्री दिखा, वहीं सिनेमाई कल्पनाशीलता भी काबिले-गौर रही। एनसीआरटीसी ने इन फिल्मों का मूल्यांकन बहु-स्तरीय समीक्षा प्रक्रिया से करवाया, जिसमें अंतिम निर्णय फिल्म उद्योग के प्रतिष्ठित जानकारों की स्वतंत्र जूरी ने लिया। फिल्मों को उनके कथानक, मौलिक दृष्टिकोण, नमो भारत की कथानक में अंतःस्थापना और समग्र प्रभाव के आधार पर आंका गया। टॉप तीन विजेताओं को क्रमशः 1.5 लाख, 1 लाख और 50 हजार की नकद राशि प्रदान की गई। एनसीआरटीसी ने बताया कि इन विजयी फिल्मों को आने वाले समय में अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित किया जा सकता है, जिससे अधिक से अधिक लोग इन युवा दृष्टिकोणों से रूबरू हो सकें। 20 अक्टूबर 2023 को प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई नमो भारत परियोजना अब केवल एक तेज ट्रेन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम भी बन चुकी है। इस फिल्म प्रतियोगिता के जरिए यह साबित हो गया कि नमो भारत जनता के दिलों में एक सजीव पात्र की तरह जगह बना रही है। एनसीआरटीसी अब अधिक फिल्म निमार्ताओं के लिए अपने स्टेशनों और ट्रेनों में शूटिंग की अनुमति निर्धारित शुल्क पर दे रहा है। इससे जुड़ी विस्तृत नीति एनसीआरटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भारत की यह हाई-स्पीड रेल प्रणाली न केवल गति और सुविधा की प्रतीक है, बल्कि अपने वास्तुशिल्प सौंदर्य और आधुनिक डिजाइन के कारण एक दृश्यात्मक सौंदर्यबोध भी रचती है, जो फिल्म निर्माण की दुनिया के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

दिल्ली की झुग्गियों में मनेगा रक्षा बंधन : भाजपा महिला मोर्चा करेगी प्रवास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में झुग्गियां उजाड़ने को लेकर जहां विधानसभा में विपक्ष भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर हमलावर है, वहीं भाजपा महिला मोर्चा ने झुग्गियों में प्रसास और रक्षाबंधन मनाने की घोषणा कर दी है। मंगलवार को दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा की ओर से प्रदेश कार्यालय में रक्षाबंधन का आयोजन किया गया। प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष ऋचा पांडे मिश्रा सहित अन्य महिला कार्यकर्ता व छात्राओं ने दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व अन्य को राखी बांधी। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा की ओर से दिल्ली की सभी 256 सेवा बस्तियों में रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाएगा। इसके लिए महिला मोर्चा की पदाधिकारी झुग्गियों में प्रवास करेंगी। भाजपा के झुग्गी विस्तारक एवं पालकों के साथ

मिलकर इस पर्व को मनाएंगे। स्कूल की छात्राओं ने 'बीज' से बनाई गई राखी बांधी। सचदेवा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, यह हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति है। बहनों ने रक्षासूत्र बांधकर जो स्नेह, आशीर्वाद और आत्मीयता प्रदान की, वह वास्तव में अमूल्य है। राखी केवल कलाई पर नहीं, दिल पर बंधती हैं और ये सेवा, समर्पण और अपनत्व के अद्भुत बंधन है और इसका अपना एक महत्व है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार एक पवित्र और भावनात्मक त्योहार है। यह भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के बंधन का प्रतीक है। यह पर्व न केवल पारिवारिक संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि समाज में आपसी विश्वास, प्रेम और समर्पण की भावना को भी बढ़ावा देता है। इस अवसर पर प्रदेश महिला मोर्चा की प्रभारी श्यामबाला, महामंत्री प्रियल भारद्वाज, सरिता तोमर वैशाली पोद्दार उपस्थित थीं।

दिगंबर जैन नैतिक शिक्षण शिविरों का सामूहिक समापन समारोह संपन्न

नई दिल्ली। दिगंबर जैन नैतिक शिक्षा समिति द्वारा बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, प्रीत विहार में आयोजित नैतिक शिक्षण शिविरों का सामूहिक समापन समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। समिति के पाठशाला मंत्री अशोक जैन (तरुण मित्र परिषद) ने बताया कि आज के समय में बच्चों को लौकिक शिक्षा तो मिल रही है, लेकिन उन्हें जीवनोपयोगी नैतिक मूल्यों से परिचित कराना भी उतना ही आवश्यक है। इसी उद्देश्य से समिति पिछले चार दशकों से दिल्ली और एनसीआर में सैकड़ों शिविरों का आयोजन कर रही है। समिति अध्यक्ष धनपाल सिंह जैन ने जानकारी दी कि इस वर्ष ग्रीष्मावकाश के दौरान 74 शिविरों में 10,000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। शिविरों में बच्चों को संस्कार, शाकाहार, जल और ऊर्जा संरक्षण, माता-पिता व गुरुजनों के सम्मान और ईश्वर स्मरण का महत्व सिखाया गया। समापन समारोह में बच्चों ने 'ऑपरेशन सिंदूर', 'स्वच्छ भारत अभियान', 'फास्ट फूड के दुष्प्रभाव' और अन्य सामाजिक विषयों पर आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि डॉ. अनिल गोयल ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज में नैतिक जागरूकता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार जैन (मनोनीत निगम पार्षद) ने प्रतिभागी बच्चों को स्वर्ण, रजत पदक और सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए। समिति के कार्याध्यक्ष प्रवीन जैन, महामंत्री मनोज जैन, उपाध्यक्ष पी.के. जैन, सह संयोजक नरेन्द्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष वरुण जैन, प्रदीप जैन सन्मति और जे.के. जैन ने शिविर संयोजकों, अध्यापिकाओं और कार्यकर्ताओं को उपहार देकर सम्मानित किया। समापन पर समिति ने विद्यालय निदेशक योगेश अरोड़ा का आभार व्यक्त किया।

जनता से झूठे वादे कर विश्वासघात किया है भाजपा नें : सुमित शर्मा

-लक्ष्मी नगर में कांग्रेस की बैठक आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं ने विधानसभा चुनाव में जनता से झूठे वादे कर विश्वासघात किया है । झूठे वादों के शहरे भाज्पदिल्ल विधानसभा चुनाव तो जीत गई लेकिन वादाखिलाफी कर भाजपा नें जनता को अपना असली चेहरा दिखा दिया है । यह कहना था लक्ष्मी नगर विधानसभा से चुनाव लड़े दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के डेलिगेट सुमित शर्मा का । सुमित शर्मा नें उक्त विचार लक्ष्मी नगर में आयोजित कांग्रेस की एक बैठक में व्यक्त किये । लक्ष्मी नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक का आयोजन स्थानीय जे ब्लॉक क्षेत्र में किया गया। यह बैठक कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नवचेतना का संचार करने, संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और जनता से जुड़ाव को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। सुमित शर्मा ने भाजपा सरकार की नीतियों की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि ÷भाजपा ने जनता से झूठे वादे कर विश्वासघात किया है। चुनावों से पहले जो सपने दिखाए गए थे, वे अब टूट चुके हैं। झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीबों को उजाड़ने का अमानवीय प्रयास भाजपा की असली नीयत को उजागर करता है। कांग्रेस हमेशा से वंचितों, गरीबों और मजदूरों की आवाज़ रही है और आगे भी रहेगी। जिला कांग्रेस प्रभारी नफ़ीस मालिक ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि 'आज के दौर में कांग्रेस पार्टी को फिर से जनता की पहली पसंद बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करना, युवाओं को जोड़ना और जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।÷ उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पार्टी को मजबूत करें और कांग्रेस के विचारों को हर गली, हर मोहल्ले तक पहुंचाएं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा कि 'अब वक्त आ गया है कि हम घर-घर जाकर उन पुराने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को एक बार फिर कांग्रेस की मुख्यधारा से जोड़ें जो किसी कारणवश पार्टी से दूर हो गए थे। राहुल गांधी जिस तरह जनता की समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, उसी जोश और जज़्बे के साथ हमें भी सत्ता के गलियारों तक जनता की आवाज़ पहुंचानी होगी। हमें जनसंघर्ष का रास्ता अपनाकर सरकार को जवाबदेह बनाना होगा। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अभिषेक कुमार, ब्लॉक मीडिया प्रभारी दीपक कुमार गुप्ता तथा इमरान अमीन ने भरोसा दिलाया कि 'लक्ष्मी नगर में कांग्रेस को पुनः मजबूत बनाने के लिए वे कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पार्टी को सत्ता तक पहुंचाने के लिए यदि सड़कों पर भी उतरना पड़े तो कार्यकर्ता पीछे नहीं हटेंगे। जन आंदोलन की शुरुआत यहीं से होगी। बैठक में भानु सहित कांग्रेस परिवार के अन्य समर्पित कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक सुर में कहा कि आज का यह दौर संगठन को फिर से खड़ा करने और जनता का भरोसा जीतने का है। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, नेतृत्व और जनसंघर्ष की परंपरा को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे और आने वाले समय में कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाने के लिए हर मोर्चे पर संघर्ष करेंगे।

जेवर एयरपोर्ट निर्माण में तेजी लाने को लेकर डीएम मेधा रूपम ने कसी कमर, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर की नींव अब और मजबूत होती दिखाई दे रही है। मंगलवार को ज़िलाधिकारी मेधा रूपम ने इस मेगा प्रोजेक्ट की रफ्तार और गुणवत्ता को लेकर निर्माण एजेंसी व अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई। एयरपोर्ट परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने साफ कर दिया कि देरी या लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी।

बैठक में एडीएम भू-अर्जन राजेश कुमार, एसडीएम अभय कुमार सिंह, एसीपी सार्थक सेंगर, तहसीलदार ओमप्रकाश पासवान, एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन और सीओओ किरन जैन समेत तमाम तकनीकी और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। एयरपोर्ट लिमिटेड के अधिकारियों ने ज़िलाधिकारी को प्रजेंटेशन के जरिए रनवे, टर्मिनल, बिजली, जल निकासी व अन्य ढांचागत कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कर दिया कि यह परियोजना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और समयसीमा में चूक या गुणवत्ता में गिरावट किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगी।

बैठक के तुरंत बाद डीएम मेधा रूपम खुद निर्माण स्थल पर पहुंचीं। कमांड सेंटर, टर्मिनल भवन और अन्य निमार्णाधीन हिस्सों का बारीकी से जायजा लिया। मौके पर मौजूद इंजीनियरों और ज़िम्मेदार अधिकारियों से उन्होंने प्रगति रिपोर्ट ली और आगे की कार्ययोजना को लेकर दिशा-निर्देश भी दिए।

डीएम ने यह भी निर्देशित किया कि सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग हो और जो कार्य जहां अटका है, उसकी तत्काल रिपोर्ट तैयार कर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

जेवर एयरपोर्ट को लेकर ज़िला प्रशासन की यह सक्रियता संकेत देती है कि परियोजना अब निर्णायक मोड़ पर है और शासन-प्रशासन दोनों स्तरों पर इसे तय समय से पहले पूरा करने की रणनीति पर तेजी से काम हो रहा है।

सेक्टर-135 के नोएडा स्पोर्ट्स क्लब में क्रिकेट के रोमांच ने बांधा समां, द वाइल्ड बंच ने आखिरी ओवर में लहराया जीत का परचम

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा स्पोर्ट्स क्लब सेक्टर-135 के क्रिकेट ग्राउंड पर क्रिकेट का अद्भुत संग्राम देखने को मिला, जब एक दिवसीय टूनामेंट का आयोजन खेल प्रेमियों के बीच रोमांच की लहर दौड़ा गया। टूनामेंट के आयोजक प्रिंस चौहान ने न केवल इस आयोजन की ज़िम्मेदारी को बखूबी निभाया बल्कि सभी व्यवस्थाओं को इतने शानदार ढंग से समेटा कि प्रतिभागियों और दर्शकों दोनों ने उनकी जमकर सराहना की। दिल्ली और नोएडा की चुनिंदा 8 क्रिकेट टीमों ने इस टूनामेंट में हिस्सा लिया। पूरे दिन चले मुकाबलों के बाद दो टीमों द वाइल्ड बंच और माइटी डेमन्स ने अपने दमदार प्रदर्शन से फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल मैच का टॉस माइटी डेमन्स ने जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। टीम ने शुरूआत से आक्रामक रुख अपनाते हुए 95 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में मैदान पर उतरी द वाइल्ड बंच ने कप्तान विशाल गुप्ता के नेतृत्व में सूझबूझ और सधे हुए अंदाज में लक्ष्य का पीछा शुरू किया। मैच आखिरी ओवर तक खिंचा और रोमांच चरम पर पहुंच गया, लेकिन दबाव की घड़ी में द वाइल्ड बंच ने शानदार संयम दिखाया और 96 रन बनाकर टूनामेंट की ट्रॉफी अपने नाम की।

कप्तान विशाल गुप्ता ने बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान देते हुए जीत की नींव रखी और उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। यह टूनामेंट सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया, जिसने यह दिखा दिया कि जुनून, अनुशासन और टीम भावना से कोई भी लक्ष्य संभव है। आयोजक प्रिंस चौहान और उनकी टीम की मेहनत ने इस आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

शारदा यूनिवर्सिटी में एमडीएस के नए सत्र का आगाज, ओरिएंटेशन में छात्रों को मिली प्रोफेशनलिज्म की पहली झलक

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज में मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी (एमडीएस) के 14वें बैच का शैक्षणिक सफर औपचारिक रूप से शुरू हो गया है। प्रथम वर्ष के नवागंतुक छात्रों के स्वागत के लिए आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में संस्थान ने उन्हें न सिर्फ शैक्षणिक व्यवस्था से रूबरू कराया, बल्कि दंत चिकित्सा की आधुनिक संभावनाओं और अनुसंधान के महत्व को भी उनके सामने रखा। शुरूआती सत्र में स्कूल के ऑफिसिएटिंग डीन डॉ हेमंत साहनी ने छात्रों को संबोधित करते हुए दंत चिकित्सा के बदलते स्वरूप, नैदानिक दक्षता और शोध आधारित ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने एमडीएस प्रोग्राम की विस्तृत संरचना पर बात करते हुए यह स्पष्ट किया कि आने वाले तीन वर्ष केवल अध्ययन के नहीं, बल्कि आत्म-विकास, गहन अभ्यास और पेशेवर जिम्मेदारी को आत्मसात करने के भी होंगे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों और उनके अभिभावकों को यूनिवर्सिटी के नियम-कायदे, उपस्थिति नीति, परीक्षा प्रक्रियाएं और रैगिंग के प्रति सख्त रुख जैसी अहम बातों से अवगत कराया गया। साथ ही उन्हें उन्नत प्रयोगशालाएं, रिसर्च फैसिलिटीज, क्लिनिकल ट्रेनिंग सेंटर और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाओं की भी जानकारी दी गई, जो उनके अकादमिक सफर को प्रभावी बनाएंगी। इस मौके पर विभागाध्यक्षों ने विद्यार्थियों को समय की पाबंदी, अनुशासन और नियमित उपस्थिति के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि एमडीएस सिर्फ एक डिग्री नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। साथ ही थीसिस और शोध प्रबंध को गंभीरता से लेने और मौलिक विचारों पर काम करने की प्रेरणा दी गई। ओरिएंटेशन के इस सारगर्भित आयोजन में डॉ पल्लवी शर्मा, डॉ रितिका गुप्ता, डॉ अजीत कुमार, डॉ सुशांत कुमार साहो और पूर्णिमा राय सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ संकाय सदस्य और छात्र-छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन एक स्पष्ट संदेश के साथ हुआ सफलता का रास्ता मेहनत, अनुशासन और प्रतिबद्धता से होकर ही गुजरता है।

रामलीला आयोजन को लेकर जुटी कमेटी, विजय महोत्सव 2025 के भव्य स्वरूप पर हुआ मंथन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शहर में विजय महोत्सव 2025 को लेकर तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। इसी कड़ी में श्री रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा की एक महत्वपूर्ण बैठक साइट-4 स्थित लक्ष्मी टिंबर परिसर में संपन्न हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम स्वरूप देने के लिए सदस्यों ने एकजुट होकर विचार-विमर्श किया। बैठक की अध्यक्षता संयोजक स. मंजीत सिंह ने करते हुए बताया कि इस वर्ष रामलीला आयोजन को लेकर पहले से अधिक योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रामलीला मंचन के साथ मेले का स्वरूप भी विशेष रूप से आकर्षक होगा, जिसमें जनसाधारण के मनोरंजन व सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। महासचिव बिजेंद्र सिंह आर्य ने जानकारी दी कि इस बार 23 सितंबर से शुरू हो रहे कार्यक्रम में झूलों की विविधता, स्वादिष्ट व्यंजन वाले फूड स्टॉल्स और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को शामिल किया जाएगा, जिससे यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक उत्सव का रूप भी ले सके। इस दौरान कमेटी के अन्य सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं ताकि कार्यों में कोई चूक न हो और आयोजन की गरिमा बनी रहे। बैठक में सौरभ बंसल, हरेन्द्र भाटी, कुलदीप शर्मा, के.के. शर्मा, कमल सिंह आर्य, इंजीनियर श्यामवीर भाटी, गजेंद्र सिंह, मुकुल गोयल, अनिल कसाना, मनोज यादव, अनुज उपाध्याय, अजय रामपुर, विशाल जैन सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कमेटी का लक्ष्य है कि इस बार की रामलीला और विजय महोत्सव शहरवासियों के लिए एक यादगार अनुभव बने।

नोएडा में लोन दिलाने के नाम पर बड़ा फजीवाड़ा, सेक्टर-16 से फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा गया, 11 गिरफ्तार, डायरेक्टर पति-पत्नी फरार

नोएडा (शिखर समाचार) नोएडा के सेक्टर-16 स्थित एक कॉर्पोरेट बिल्डिंग में चल रहे हाई-प्रोफाइल फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ हुआ है, जहां से देशभर के 250 से अधिक लोगों से लोन के नाम पर ठगी की जा चुकी है। साइबर क्राइम, थाना फेज-1 और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में 11 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया है, जबकि इस कॉल सेंटर को संचालित करने वाले डायरेक्टर गौरव जोशी और उनकी पत्नी नेहा फिलहाल फरार हैं। यह गिरोह लोगों को 0 प्रतिशत ब्याज पर लोन देने का झांसा देता था और फिर उनसे प्रोसेसिंग, जीएसटी, बीमा व रजिस्ट्रेशन के नाम पर रकम ऐंठता था।

गिरफ्तार आरोपियों में विक्रम सिंह, अमन, केशव कुमार झा, अरमान चौधरी, मोहित, राहुल सिंह, फिरोज खान, राहुल कुमार, अक्षय कुमार मिश्रा, पंकज सिंह और दिव्या शामिल हैं, जो कॉलिंग से लेकर दस्तावेज भेजने और पैसे वसूलने तक की भूमिका निभा रहे थे। पुलिस ने मौके से 43 लैंडलाइन फोन, 21 मोबाइल फोन, 5 लैपटॉप, 61 सिम कार्ड, 36 खाली सिम लिफाफे और 10 फाइलें बरामद की हैं, जिनमें देश के लाखों लोगों का संवेदनशील डेटा मौजूद है। फजीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब बैंगलोर निवासी एक व्यक्ति ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें बताया गया कि उसे एक डेस्क फोन से लोन के नाम पर कॉल आया था। जांच के दौरान कॉल की क्टएकलोकेशन ट्रैक कर पुलिस टीम नोएडा पहुंची और कई दिन की निगरानी के बाद छापेमारी की गई। वॉट्सऐप चैट्स की जांच में पता चला कि आरोपी अवैध वेंडरों से डेटा खरीदते थे और उसे एक्सेल शीट के माध्यम से स्टोर कर उपयोग करते थे। पुलिस ने गिरोह के बैंक खातों को फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और ठगी के शिकार पीड़ितों से संपर्क साधा जा रहा है। डीसीपी यमुना प्रसाद के मुताबिक फरार दंपती की तलाश जारी है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम भेजी जाएगी।

ग्रेटर नोएडा की गलियों में दौड़ेंगी 'क्यूआरटी', सफाई को लेकर प्राधिकरण का नया एक्शन मोड

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) शहर की सफाई व्यवस्था को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक अलग ही अंदाज में मोर्चा संभाल लिया है। सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर अब ग्रेनो की गलियों और मोहल्लों में क्विक रेस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) उतारी गई हैं। इन 10 विशेष टीमों ने मंगलवार से कामकाज शुरू कर दिया है और अब जो क्षेत्र सफाई के दायरे से छूटे हुए थे, वहां भी अब गंदगी की एक चुटकी भी नहीं टिकने पाएगी।

प्राधिकरण की इस पहल के तहत हर क्यूआरटी टीम में पांच प्रशिक्षित सफाईकर्मी, एक कूड़ा गाड़ी और दो टीमों पर एक जेसीबी मशीन तैनात की गई है। टीम के सभी सदस्यों को नंबर वाली स्पेशल जैकेट दी गई है, ताकि इनकी पहचान स्पष्ट रहे और जवाबदेही तय हो सके। सफाई वाहन और कर्मचारियों को उनके निर्धारित क्यूआरटी से जोड़ दिया गया है ताकि कोई भ्रम या लापरवाही की गुंजाइश न बचे।

अब जैसे ही किसी मोहल्ले में कूड़े की शिकायत आएगी, कंट्रोल कमेटी संबंधित क्यूआरटी को मौके पर रवाना करेगी। टीम न केवल सफाई करेगी, बल्कि गंदगी फैलाने वालों से मौके पर ही जुमार्ना वसूलेगी। खास बात यह है कि सफाई वाहनों में जीपीएस लगा है और रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना भी की जा रही है, जहां से टीमों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाएगी। महाप्रबंधक आरके भारती के अनुसार फिलहाल यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है, लेकिन सफलता के बाद इन टीमों की संख्या बढ़ाई जाएगी। वहीं कंट्रोल कमेटी में वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार गौतम, प्रबंधक बिजेन्द्र कुशवाहा और सहायक प्रबंधक मनोज कुमार चौधरी को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इस कमेटी के निर्देश पर ही टीमें तैनात होंगी और संबंधित क्षेत्र का सेनेट्री इंस्पेक्टर भी मौके पर मौजूद रहेगा। क्यूआरटी का कार्यक्षेत्र उन इलाकों में केंद्रित होगा जो अभी तक नियमित सफाई व्यवस्था से बाहर रहे हैं या जहां आपात स्थिति में तत्काल सफाई की जरूरत होगी। इसके अलावा शहर में यदि कहीं से गंदगी की शिकायत आती है, तो भी ये टीमें मौके पर पहुंचेंगी और सॉलिड वेस्ट व सी एंड डी वेस्ट नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करेंगी।

प्राधिकरण ने साफ कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति ट्रैक्टर-ट्रॉली या अन्य वाहनों से खुले में कूड़ा फेंकते पकड़ा गया, तो उस पर ₹50,000 तक का जुमार्ना लगेगा। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने कहा कि स्वच्छ ग्रेटर नोएडा के लक्ष्य को लेकर हमारी यह नई व्यवस्था शुरू की गई है। यदि जनता का साथ मिला और यह मॉडल सफल रहा तो क्यूआरटी टीमों की संख्या और भी बढ़ाई जाएगी। हमें सभी से सहयोग की अपेक्षा है कि वे कूड़ा निर्धारित जगहों पर ही डालें और शहर को स्वच्छ बनाए रखने में भागीदार बनें।

बसंतपुर में दबंगई का कहर: युवक को पीटा, दी गई जान से मारने की धमकी

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) गौतमबुद्ध नगर के दादरी थाना क्षेत्र के नया गांव बसंतपुर से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि एक युवक को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा गया और शोर मचाने पर उसे जान से मारने की धमकी देकर आरोपी मौके से फरार हो गया। मामला बीते 2 अगस्त का है। जानकारी के मुताबिक जुनेदपुर गांव निवासी कर्मवीर अपने पारिवारिक कार्य से नया गांव बसंतपुर में बहन के घर आया हुआ था। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला रविंद्र वहां पहुंचा और बिना किसी ठोस वजह के कर्मवीर के साथ कहासुनी करने लगा। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि रविंद्र ने लाठी-डंडे उठाकर कर्मवीर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। मारपीट में कर्मवीर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग चुका था। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी। पीड़ित के भाई चेतन की तहरीर पर दादरी कोतवाली में नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। मामले की गहन जांच जारी है।

तेज रफ़्तार ट्रेन की चपेट में आया राष्ट्रीय पक्षी मोर, इंजन में फंसकर तोड़ा दम

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर सोमवार को एक भावुक कर देने वाला वाकया सामने आया, जब देश की शान और गौरव का प्रतीक, राष्ट्रीय पक्षी मोर, एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर दम तोड़ बैठा। बताया गया कि अरुणाचल सुपरफास्ट एक्सप्रेस (22411), जो दिल्ली की ओर जा रही थी, उसी दौरान यह हादसा घटित हुआ। चलती ट्रेन के इंजन में मोर के फंसते ही लोको पायलट ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए दादरी रेलवे स्टेशन पर इमरजेंसी ब्रेक लगाई। सूचना मिलते ही रेलवे विभाग और आरपीएफ की टीम हरकत में आई और मौके पर पहुंची। दुर्भाग्यवश, इंजन में बुरी तरह फंसे मोर की घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। मृत मोर के शव को इंजन से सावधानीपूर्वक बाहर निकाला गया। पूरे सम्मान के साथ वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई, जिसके बाद विभाग के कर्मचारी साजिद मौके पर पहुंचे और राष्ट्रीय पक्षी के पार्थिव शरीर को विधिवत अपने सुपुर्द लिया। घटना ने न केवल लोगों को भीतर तक झकझोर दिया, बल्कि यह सवाल भी खड़े कर दिए कि तेज रफ्तार ट्रेनों की रफ्तार के आगे जंगलों और वन्यजीवों की ज़िंदगी कितनी असुरक्षित है। विशेषज्ञों की मानें तो ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए रेलवे को अब पर्यावरण-संवेदनशील रणनीतियां अपनाने की जरूरत है।

चौकी में फूटा गुस्सा : सिक्योरिटी गार्डों की पिटाई से नाराज ग्रामीणों का हंगामा, पुलिस पर पक्षपात के आरोप

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। गौड़ सिटी सोसाइटी के मुख्य द्वार से शुरू हुआ मामूली सा विवाद मंगलवार को पुलिस चौकी में तनाव और विरोध का रूप ले बैठा। सिक्योरिटी गार्डों द्वारा स्थानीय युवकों को पीटे जाने और बाद में पुलिस द्वारा उन्हीं पीड़ितों को हिरासत में लेने की खबर से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। देखते ही देखते बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष गौड़ सिटी पुलिस चौकी पर जमा हो गए और पुलिस के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई। पूरा मामला सोमवार को कार पार्किंग को लेकर शुरू हुआ था, जब रामपुर गांव के कुछ युवकों और सोसाइटी में तैनात सिक्योरिटी गार्डों के बीच झड़प हुई। मारपीट की यह घटना मंगलवार सुबह दोबारा भड़क गई। जब पीड़ित पक्ष थाने में शिकायत लेकर पहुंचा तो पुलिस ने कथित रूप से उन्हीं को हिरासत में ले लिया, जिससे ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। हिरासत की खबर फैलते ही चौकी के बाहर भीड़ जुट गई। महिलाओं ने मोर्चा संभालते हुए पुलिस पर जमकर फटकार लगाई और एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस और कहासुनी होती रही। मामला बिगड़ते देख पुलिस को आखिरकार हिरासत में लिए गए युवकों को छोड़ना पड़ा, तब जाकर हंगामा शांत हुआ। गांव वालों ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस गार्डों के साथ मिलीभगत कर पीड़ितों पर ही दबाव बना रही थी। वहीं, चौकी प्रभारी आशीष सिंह ने स्थिति को पारिवारिक विवाद करार देते हुए कहा कि दोनों पक्ष रिश्तेदार हैं और अब आपस में समझौता हो चुका है। हालांकि घटना के बाद से ग्रामीणों में पुलिस की निष्पक्षता को लेकर गहरी नाराजगी देखी जा रही है और वे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

नोएडा में हथियारबंद बदमाशों और पुलिस के बीच में मुठभेड : 31 केस वाला बदमाश दबोचा, दूसरा अंधेरे में गायब

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा की शांत रात सोमवार को अचानक गोलियों की आवाजों से गूंज उठी, जब सेक्टर-20 थाना क्षेत्र में पुलिस और दो शातिर अपराधियों के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। पीछा करते हुए घेराबंदी में फंसे बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, लेकिन जवाबी कार्रवाई में 31 मुकदमों में वांछित हरिश्चंद्र उर्फ हरिया को गोली लगी और वो दबोच लिया गया। वहीं उसका साथी मौके का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गया। एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि पुलिस टीम रात करीबन गश्त के दौरान सेक्टर-20 में डीएलएफ मॉल के पास नाले के किनारे संदिग्ध गतिविधियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक पल्सर बाइक पर सवार दो युवक तेज रफ्तार से गुजरे। रुकने के इशारे को अनदेखा करते हुए दोनों ने फरार होने की कोशिश की, जिससे पुलिस को शक हुआ और पीछा शुरू कर दिया गया। करीब छह सौ मीटर तक हुई दौड़भाग के बाद आरोपी सेक्टर-18 की मल्टीलेवल पार्किंग के पास जंगल की ओर घुस गए। खुद को फंसा देखकर उन्होंने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश हरिया के पैर में गोली लगी और वह मौके पर गिर पड़ा। पुलिस ने तुरंत उसे हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। घटनास्थल से 315 बोर का देसी तमंचा, पल्सर बाइक और फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गई है। शुरूआती पूछताछ में सामने आया है कि जिस बाइक से यह फरार हो रहे थे, उसी से एनसीआर क्षेत्र में कई लूट और स्नैचिंग की घटनाएं अंजाम दी गई थीं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार बदमाश हरिया दिल्ली के प्रताप नगर का रहने वाला है और उस पर 31 से ज्यादा संगीन धाराओं में केस दर्ज हैं। वह मोबाइल और चेन छीनने की घटनाओं में लंबे समय से सक्रिय रहा है। पुलिस को शक है कि यह कोई सुनियोजित गिरोह है जो दिल्ली-एनसीआर में लगातार सक्रिय है। हरिया का भागा हुआ साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया है। उसकी तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और आसपास के जिलों में भी अलर्ट भेजा गया है। साथ ही हरिया से पूछताछ में गैंग के अन्य सदस्यों की पहचान और नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश जारी है। फिलहाल घायल आरोपी का अस्पताल में इलाज चल रहा है और पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरफ्तारी से एनसीआर में हुई हालिया कई वारदातों की गुत्थियां सुलझ सकती हैं। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े और भी चेहरे बेनकाब हो सकते हैं।

संपादकीय

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन का विस्तार : लोकतंत्र की दिशा में एक असहज लेकिन आवश्यक कदम

मंगलवार 5 अगस्त 2025 को संसद ने मणिपुर राज्य में राष्ट्रपति शासन को आगामी छह महीने तक बढ़ाने की मंजूरी दी, जो अब 13 अगस्त से प्रभावी रहेगा। इस निर्णय को सरकार ने संवैधानिक बाध्यता कहा, लेकिन इस विस्तार ने एक बार फिर भारत में संघीय ढांचे और लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। मणिपुर बीते दो वर्षों से जातीय हिंसा, प्रशासनिक पंगुता और कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति का प्रतीक बना हुआ है। मेइतेई और कुकी समुदायों के बीच उपजे संघर्ष ने न केवल राज्य की सामाजिक संरचना को तोड़ा, बल्कि निर्वाचित सरकार की कार्यक्षमता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए। हिंसा की चपेट में आए हजारों लोग अभी भी राहत शिविरों में जीवन बिता रहे हैं और सामान्य जीवन व्यवस्था बहाल होने की कोई स्पष्ट दिशा नहीं दिखती।

पिछले वर्ष राज्य में लागू हुए राष्ट्रपति शासन को अस्थायी समाधान मानते हुए स्वीकार किया गया था। उम्मीद थी कि छह महीने में हालात कुछ हद तक सुधरेंगे और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की बहाली का मार्ग प्रशस्त होगा, लेकिन जमीनी हालात इसके ठीक उलट हैं। न्यायपालिका से लेकर मानवाधिकार आयोग तक, हर संस्थान ने मणिपुर में प्रशासनिक निष्क्रियता और राज्य की संवैधानिक विफलता को उजागर किया है। सर्वोच्च न्यायालय ने पुलिस पर तकरीबन 6 महीनों तक प्राथमिकी दर्ज न करने का गंभीर आरोप लगाया और महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसक घटनाओं पर कड़ी टिप्पणी की। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि राष्ट्रपति शासन क्यों बढ़ाया गया, बल्कि यह है कि अब तक क्या किया गया और आगे क्या किया जाएगा? क्या यह केवल एक संवैधानिक जुगत है या केंद्र की ठोस रणनीति का हिस्सा? यदि केंद्र सरकार सचमुच राज्य में स्थिरता और शांति बहाली के लिए संकल्पित है, तो उसे प्रशासनिक ढांचे में सुधार, न्यायिक प्रक्रिया में तेजी और पुनर्वास कार्यों को पारदर्शिता से लागू करने के लिए अपनी प्राथमिकता स्पष्ट करनी होगी।

लेकिन समस्या यहीं खत्म नहीं होती। राष्ट्रपति शासन के लंबे खिंचाव से लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर होता है। जब जनता का प्रतिनिधित्व करने वाली सरकार की जगह एक निर्वाचित-न-होने वाला प्रशासन चलाता है, तो शासन की जवाबदेही भी कमजोर हो जाती है। क्या केंद्र यह भरोसा दिला पा रहा है कि छह महीने बाद राज्य में विधानसभा चुनाव होंगे? क्या मणिपुर के लोग अपने भाग्य का निर्णय खुद करने की स्थिति में लौट पाएँगे?

संविधान अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन का प्रावधान असाधारण स्थितियों के लिए है, न कि शासन संचालन के सामान्य विकल्प के रूप में। मणिपुर में यह असाधारण स्थिति लम्बी होती जा रही है, और यह भारतीय लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं कि राज्य सरकार की विफलता ने ही राष्ट्रपति शासन को अपरिहार्य बना दिया, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि यह अस्थायी समाधान एक स्थायी चलन न बन जाए। आज मणिपुर की सबसे बड़ी जरूरत है विश्वास। यह विश्वास कि देश का संविधान उन्हें सुरक्षा देगा, न्याय देगा और उनके जीवन को फिर से सामान्य बनाएगा। लेकिन यह विश्वास तब टूटता है जब राहत शिविरों में रहने वाले लोग महीनों से अपने घर लौटने का इंतजार कर रहे हों, जब अपराधी खुलेआम घूम रहे हों और जब राज्य की पुलिस तक निष्क्रिय बनी रहे।

~ मौलिक चिंतन ~

कमियाँ सभी में होती हैं, लेकिन किसी में अच्छाई ढूँढ़ना वास्तविक कला है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

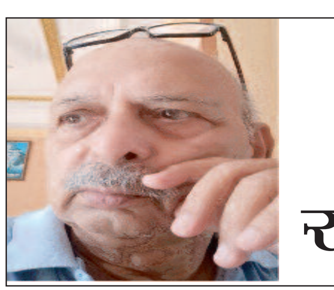

©
विनय संकोची

भारतीय सेना ही देश के असली नायक

संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान को सबक भारतीय सेनाओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना देश को सुरक्षित किया इसकी प्रशंसा करनी चाहिए इसे राजनीति के दृश्टिकोण के नजरिया से नहीं बल्कि देश हित मे देखना चाहिए क्योंकि उनकी हमेशा मानसिकता देश को बचाने की होती है और सेना का मनोबल हर उस देश का राष्ट्रपति सेना को उनकी बहादुरी पर सम्मान करता है इसे आप कितनी बार यूक्रेन के राष्ट्पति जेलेस्की ने रूस से लड़ने वाले सेनाओं का सम्मान किया है ऐ अलग बात है भारत को इससे लेना देना नहीं है लेकिन यहाँ के यूटूबर्स और कुछ मीडिया चैनलों पर देश में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सियासत करते नजर आते हैं लेकिन सेना के पराक्रम को नजरअंदाज कर देते हैं इसका फायदा शत्रु देश उठाते हैं और भारत माता के प्रति अपनी नकारात्मक छवि को दशार्ते हैं यू टुब बना कर मीडिया में दिखाना बहुत आसान है हम भी बना लेंगे और डाउनलोड कर देंगे लेकिन इसपर सेना के प्रवक्ता ने जब सब कुछ खुल कर बता दिए हैं कि हम तीन मोर्चो पर पाकिस्तान से लड़ रहें थे और नुकसान भी हुआ लेकिन जो टारगेट था उसे प्राप्त किया है तो ऐसे में खुद यू टुब बनाकर डालना बचकाना हरकत होगा और लोगों में गलत धारना पैदा होगा सेना का मनोबल गिरेगा

याद होगा कारगिल का युद्ध जिसमें पाकिस्तान द्वारा धोखे से कारगिल की ऊंची चोटियों पर कब्जा करने के बाद, भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के तहत अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के साथ जवाबी कार्रवाई की। कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडे, ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव जैसे वीरों ने सर्वोच्च बलिदान देकर इन चोटियों को वापस हासिल किया। इस युद्ध में भारतीय सेना ने पहाड़ी युद्ध में अपनी अद्वितीय क्षमता साबित की।

इन युद्धों में भारतीय सेना ने न केवल देश की सीमाओं की रक्षा की, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पेशेवर दक्षता और नैतिक मूल्यों का भी प्रदर्शन किया।अतः भारतीय सेनाओ के पराक्रम के बारे में नकारात्मक वीडियो बनाकर यू टुब पर दिखाना उचित नहीं इसमें प्रधानमंत्री को भी लपेटे में लेते हैं जो लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आते हैं जब चुनाव आएगा तब आप अपने अधिकार का प्रयोग कर मनमुताबिक सरकार को चुन लेना लेकिन याद कीजियेगा वो दिन भी जब आतंकवादी की जड़ केवल जम्मू काश्मीर तक नहीं था बल्कि मुंबई, दिल्ली और गुजरात भी भुगता है असल में 26/11/2008 में आतंकी हमले में मारे गए लोगों से पूछिए की इससे उनको खुशी मिली या नहीं मिली उस समय पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन तो टीवी में साफ बोलरहें थे कि हैदराबाद को पाकिस्तान बनाने की बात जब सबको बंधक बनाए और बहुत ही बेहरहमी से कत्ल कर दिए गए किसी के पेट फाड दिया किसी का गर्दन काटा गया अतः आप खुद पहले अपने आप को देखिए कि आपने उस समय पाकिस्तान पर अटैक क्यों नहीं किया और जब आतंकवादी कसाब ने पाकिस्तान नाम खुलेआम लिया तो क्या आप सो रहें थे सेना उस समय बहुत गुस्से में थे और आर पार के मूड में थे लेकिन कोई भी आतंकी संगठन को एक खारोंज तक नहीं आने देना ऐ कितनी शर्म की बात है सेना के लिए ना तो दिन होता है ना रात लड़ाई में गोली लगने के बाद भी लड़ते हैं और अंतिम सांस तक भारत माता के लिए शहीद होते हैं क्या उनके पराक्रम को नजरअंदाज करना देशहित में है और यूटुबर एक्सपीरियंस मेहमानों को भी बुलाते हैं वे वहीं हैं जो किसी कारण सत्ता में जगह नहीं मिलने पर मोदीजी के खिलाफ नेरेटिव फैलाते है आप जब यूपीए शासन में थे तो हिम्मत तो दिखाना चाहिए और जहाँ आक्रमण करना चाहिए वहाँ केवल कागजी कार्यवाही यानि डोसियर देने से आतंकवादी जश्न मना रहें थे क्या 140 करोड़ भारतीय का अपमान नहीं है हमें कोई भी मार कर चला जाए यानि हमारी जान की कीमत नहीं है ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादी संगठन में खौफ पैदा हुआ है अतः दूसरे पर दोष देना या कागजी शेर बने रहने से सच्चा देशभक्त आपको कभी सपोर्ट नहीं करेगा क्योंकि सेनाओं पर सवाल उठाना गलत है जैसे पहले भी दो बार सर्जिकल स्ताईक में हुआ है मै सेना के चयन को देखा हैं मेरा सलेक्शन एसएसबी में भोपाल में हो जाता यदि हम दया का भाव नहीं दिखाते वो भी साइकोलोजिसरट को किसी लेख में कुछ पढ़ने के बाद सवाल किया और बाद में मै भी उनके निर्णय को सम्मान करते हुए वहाँ नहीं जाने का निर्णय लिया क्योंकि वहाँ आपको दुश्मन के साथ दया दिखाने से काम नहीं चलता बन्दुक चलाने का हौसला चाहिए अतःसेना का सम्मान करें जब कारगिल युद्ध हुआ तो ऊँची ऊँची पहाड़ी पर युद्ध लड़ा गया और भारतीय सेनाओ ने अपना दम दिखाया उस समय जो शहीद हुए वहाँ उनके गाँव में स्टैचू आज भी बना दीखता है और सड़क गली का नाम भी उनके सम्मान में रखा गया उस समय मात्र 21वर्ष का एक सेनानी मिला जो रेड लाइट एरिया में गया पूछा तो बताया सेक्स भी तो ईश्वर की देन है जाने से पहले इसे भी आजमा ले बाद में वो शहीद हो गया इसी तरह ट्रेन में दो सेना के लोग मिले एक बेचारा अपने परिवार को कोष रहा था और बाद में मेरी सीट में लेट गया और मै जमीन पर ही सो गया क्योंकि वो मातृभूमि की रक्षा के लिए जा रहें थे दूसरे ने जो ऊपर झोला लटका था उसमें शुद्ध घी के लड्डू बड़े शौक से रखा

था देखा तो सुबह आधा गायब था तो सेनानी ने कहा की सर मुझे बहुत भूख लगी थी फिर वहाँ ड्यूटी करना है मैंने पूरा डब्बा ही दे दिया की रास्ते में भूख लगे तो खा लेना सेना की जिंदगी को आपने कभी करीब से नहीं देखा शराब पीना उनकी मजबूरी होती है घर परिवार से दूर देश की रक्षा के लिए अपने सारे अरमान को दबा कर दुश्मन का डटकर मुकाबला करते हैं उन्हें आप ठीक से पहचानेगें तो मालूम होगा सेना किसी से डरता नहीं है ना तो अपना कोई शौक पूरा कर पाता है ना ही घर परिवार के साथ हमेशा रह पाता है अतः सेना का सम्मान कीजिये और देश प्रेम की भावना से मीडिया में देखाना चाहिए इसमें भी राजनीती करेंगे तो उनका अपमान होता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दिल्ली: जाम का झाम और विकास पर ब्रेक

राजेश कुमार सिंह

कुछ दिन पहले का है। दिल्ली की मुख्यमंत्री अपने घर से दफ्तर जाने के क्रम में सुबह-सुबह जाम का शिकार हो गई, तब उन्हें अहसास हुआ कि विकास को लेकर दिल्ली की इमेज को सबसे ज्यादा नुकसान जाम के कारण हो रहा है। ठीक इन्हीं दिनों एक महज संयोग है कि केंद्र सरकार ने भी दिल्ली की सीमा पर लगने वाले ट्रैफिक जाम के लिए एमसीडी टोल प्लाजा को जिम्मेदार ठहराते हुए, इन्हें हटाने को कहा। केंद्र ने सुझाव दिया है कि इन टोल से एमसीडी को होने वाले राजस्व की भरपाई दिल्ली सरकार अपने दूसरे संसाधनों से करे। मसलन यूपी से रोजाना दिल्ली आने वाले हजारों लोगों को लगा कि जल्द ही जाम से छुटकारा मिलने वाला है। क्योंकि एन एच-9 समेत कई एमसीडी टोल बूथ को हटाने की तैयारी चल रही है। इसके हटने के बाद यहां ट्रैफिक जाम से निजात मिल सकती है।

बड़े शहरों में सड़क जाम कोई हालिया समस्या नहीं है। अब दिल्ली की सीमाओं पर लगी लंबी कतारों के लिए दिल्ली सरकार और एमसीडी जैसी एजेंसियों ने व्यावसायिक वाहनों से प्रवेश शुल्क वसूलने के लिए लगे बूथ हटाने पर अपनी सहमति जताई है। अब मल्टी-लेन फ्री फ्लो सिस्टम लागू किया जाएगा। वाहन बिना रुके गुजर सकेंगे। फास्टैग के जरिए शुल्क काटा जाएगा। अगर राजधानी की सीमाओं पर लंबी कतारें खत्म न भी हों, तो कम जरूर हो सकती हैं, लेकिन दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और सड़क परिवहन मंत्रालय जैसी एजेंसियों ने सर्वसम्मति से व्यावसायिक वाहनों से प्रवेश शुल्क और ग्रीन सेस वसूलने के लिए राजमार्गों पर लगे बूथ हटाने पर सहमति जताई। जाम से रोजाना हजारों लोग समस्या से गुजरते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर शुल्क प्लाजा पर उपयोगकर्ता शुल्क एनएच शुल्क नियम, 2008 के अनुसार एकत्र किए जाते हैं। हलांकि सरकार ने पब्लिक के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के उन खंडों के लिए टोल दरों में 50प्र. तक की कमी कर दी है, जिनमें सुरंगों, पुलों, फ्लाईओवरों या ऊंचे खंडों जैसी संरचनाएं हैं। ताकि इस कदम से मोटर चालकों के लिए यात्रा लागत कम हो। दिलचस्प है कि ये जाम का असर राष्ट्रव्यापी है। आमतौर पर हरेक बोलचाल में इसे सुना जा सकता है। आंकड़े पर नजर डालें तो नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के टोल इन्फार्मेशन सिस्टम के रिकॉर्ड के मुताबिक कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश में कुल 1057 एन एच आई टोल हैं। इसमें करीब 78 टोल तो आंध्र प्रदेश में ही हैं। बिहार में नेशनल हाईवे के 33 टोल हैं जबकि यूपी में 123 टोल प्लाजा हैं। वर्तमान में देश में 11 नेशनल एक्सप्रेस वे हैं। इनमें से 8 पूरी तरह से संचालित हैं जबकि बाकी 3 अभी निमार्णाधीन हैं। इन सभी एक्सप्रेस वे पर भी आपको अलग से टोल देने की जरूरत नहीं है। इन एक्सप्रेस वे में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस वे, अवध एक्सप्रेस वेङ्क बंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे शामिल है। दिल्ली में मिलने वाली राहत पर देश की नजर है। जाहिर सी बात है कि इस मामले में दिल्ली नजीर बन सकती है। हलांकि दिल्ली की सीमाओं पर प्रवेश करने वाले भारी व्यावसायिक वाहनों से वसूले जाने वाले पर्यावरण क्षतिपूर्ति उपकर (ईसीसी) या हरित उपकर के संग्रह का समाधान खोजने के लिए सभी एजेंसियों के बीच एकमतता बनाने में काफी समय लगा। जिसके कारण दिल्ली को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर लंबा ट्रैफिक जाम लगता रहा। एमसीडी वर्तमान में दिल्ली सरकार द्वारा 2007 में अधिसूचित टोल शुल्क ले रही है। अधिकारी ने कहा, 'टैक्सियों के लिए, शुल्क 100 रुपये प्रति ट्रिप (एमसीडी टैग के बिना) या 3,000 रुपये प्रति माह (एमसीडी टैग के साथ) है, और वाणिज्यिक ट्रकों के लिए शुल्क अधिक है।

'शुरू आत में 124 टोल नाके थे, लेकिन बाद में 30 और जुड़ गए, जिससे कुल संख्या 156 हो गई। कुल प्रवेश द्वारों में से 13 पर आरएफआईडी लगा है और 111 स्थानों पर टोल वसूली के लिए हैंडहेल्ड उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है। राष्ट्रीय राजधानी में प्रतिदिन औसतन 1,05,989 व्यावसायिक वाहन प्रवेश करते हैं। इनमें से लगभग 70,000 वाहन टैक्सी या कैब हैं। मल्टी लेन फ्री फ्लो (एमएमएलएफ) टोल और प्रवेश शुल्क संग्रह प्रणाली लागू करने का निर्णय से या एमसीडी प्रवेश कर को

पूरी तरह समाप्त करने से सालाना लगभग 800 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होने की उम्मीद है और इससे वित्तीय स्थिति पर गंभीर असर पड़ेगा, जबकि दिल्ली नगर निगम (नागरिक निकाय का लक्ष्य अब सालाना 950-1,000 करोड़ रुपये एकत्र करना है। सड़क परिवहन मंत्रालय ने हाल ही में एक संसदीय पैनल को आश्वासन दिया कि सरकार सीमा पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रस्तावित बदलावों के लिए सर्वोच्च न्यायालय की मंजूरी लेगी। मतलब अगर आप ये सोच रहे हैं कि नया पास बनवाना घाटे का सौदा हो सकता है तो शायद यह गलत ही होगा।

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

ललित गर्ग

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था' तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है।

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था' तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की 'ऑक्सीजन' मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है।

भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से

पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय जरूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोजी-रोटी छीन रहा है।

अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर। वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी 'टैरिफ तानाशाहों' को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

योगी बोलेः विदेशी सामान खरीदा तो धर्मांतरण बढ़ेगा

अब सरकारी नौकरी बपौती नहीं, अलीगढ़ में कहा- ब्रह्मोस से पाकिस्तान पसीना-पसीना हुआ

संवाददाता

लखनऊ। सीएम योगी ने अलीगढ़ में कहा कि पीएम मोदी ने जो कहा उसे करके दिखाया। पूरे विश्व ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत के शौर्य को देखा। दुश्मन कायरना हमला करता है। लेकिन भारत उसका मुंहतोड़ जवाब देता है। सेना ने दुश्मन की मांद में घुसकर पाक को कराहने पर मजबूर कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने मेक इन इंडिया की संकल्पना को भी साकार किया। इसे दुनिया ने देखा। युवाओं के लिए 30 हजार पुलिस की भर्ती और निकलने वाली है। अब सरकारी नौकरी किसी एक परिवार की बपौती नहीं रही। 2017 के पहले नौकरी निकलती थी। उसमें युवाओं का शोषण होता था। सीएम ने मंगलवार को अलीगढ़ की जनता के लिए 1195 करोड़ रुपए की 188 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसमें सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास और ग्रामीण विकास से जुड़ी कई योजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2018 में घोषणा की थी कि देश के अंदर डिफेंस के दो कॉरिडोर बनेंगे। एक उत्तर प्रदेश में, दूसरा तमिलनाडु में। उत्तर प्रदेश में, जो इसके 6 नोड तय हुए थे। उसमें से अलीगढ़ भी उसका एक मोड़ है। अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर ने प्रोडक्शन भी शुरू कर दिया है। अब तो ब्रह्मोस मिसाइल भी उत्तर प्रदेश में बनने लग गई है। याद रखना ब्रह्मोस मिसाइल जैसी कोई मिसाइल आज दुनिया के पास नहीं है। ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत ही है, जिसने पाकिस्तान को पसीने-पसीने कर दिया। पाकिस्तान ही नहीं भारत के हर दुश्मन के पसीने-पसीने करने का काम अगर किसी ने किया है तो वो ब्रह्मोस मिसाइल है। 2017 से पहले त्यौहारों पर प्रदेश में चीन के सामान आ जाते थे। मगर 2018 के बाद ओडीओपी को लागू किया गया। इसके बाद जनता की मांग पर प्रोडक्ट बनाना शुरू हुए, तो फिरोजाबाद की खुर्जा कॉकरी के आइटम, कन्नौज का इत्र, मेरठ का स्पोटर्स, लखनऊ की जरीदोजी, भदोही की कारपेट, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, वाराणसी की सिल्क साड़ी की मांग बढ़ने लगी है। इससे यूपी की नई पहचान बनी है। इसका उद्देश्य एक जनपद एक उत्पाद के माध्यम से भारत को मजबूत बनाना है। 2018 में शुरू की गई ये योजना आज देश के अंदर एक मॉडल बनी है। हमारा ही पैसा अगर हमारे ही हस्तशिल्पियों के पास जाएगा तो यह विकास और समृद्धि का आधार बनेगा। हमारा पैसा अगर विदेशियों के पास जाएगा, तो वो पैसा धर्मांतरण, आतंकी रूप में विस्फोट और अव्यवस्था के रूप में भारत के खिलाफ उपयोग किया जाएगा। इसलिए 2 अगस्त को पीएम मोदी ने देशवासियों से वोकल फॉर लोकल की अपील की थी। इससे प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी। अभी 9 अगस्त

को रक्षाबंधन, 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और उसके बाद कई त्योहार आएंगे। 2 अक्टूबर को विजयादशमी है। फिर दीपावली आएगी। इस दौरान आप सभी देश में बना सामान ही खरीदें। चाहे अलीगढ़ में सांसद चुनाव रहा हो या फिर हाथरस में आपने भाजपा के पक्ष वोट किया। आपने हम पर जो भरोसा जताया, डबल इंजन की सरकार भी अलग-अलग समय पर आपके प्रति विकास के रूप में बेहतर करने के लिए संकल्पित है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस आने वाला है। ऑपरेशन सिंदूर में सेवा के शौर्य, पराक्रम के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करने के लिए प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर हर घर, प्रतिष्ठान में, हर व्यवसायिक और प्रशिक्षण संस्थान में 13,14, 15 अगस्त तक तिरंगा लहराएं। हमारा प्रयास दैनिक जीवन में स्वदेशी को अपनाने का होना चाहिए। विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाएं। स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। हमारा गांव, शहर स्वच्छ और सुंदर दिखना चाहिए। अलीगढ़ में राजा महेंद्र के नाम पर राज्य विवि बनकर तैयार हो गया है। जोकि आधुनिक शिक्षा के केंद्र के रूप में स्थापित होगा। अलीगढ़ की पहचान के साथ एक नई उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में स्थापित होगा। 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा, हर प्रतिष्ठान शिक्षण संस्थान में तिरंगा का लहराने का काम करना चाहिए। हर घर में तिरंगा लहराइए। स्मारकों की सफाई कीजिए, लाइटिंग कीजिए। आजादी के महान नायकों को कृतज्ञता ज्ञापित कीजिए। उससे पहले नगर निकाय, पालिका, ग्राम पंचायत में स्वच्छता अभियान चले। कानून के साथ किसी को भी खिलवाड़ करने की छूट नहीं मिलनी चाहिए। अपराध से सख्ती से निपटना चाहिए। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों से सख्ती से निपटना चाहिए। क्योंकि ये लोग विकास के बैरियर है। 2017 से पहले पर्व के आने से पहले इस प्रदेश में चीन के सामान आ जाते थे। मगर 2018 के बाद ओडीओपी को जब लागू किया तो जनता की मांग के अनुसार प्रोडक्ट बनाना शुरू हुए, तो फिरोजाबाद की खुर्जा कॉकरी के आइटम, कन्नौज का इत्र, मेरठ का स्पोटर्स, लखनऊ की जरीदोजी, भदोही की कारपेट, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, वाराणसी की सिल्क साड़ी की मांग बढ़ने लगी है। इससे यूपी की नई पहचान बनी है। अगर मुनाफा विदेशी हाथों में चला जाएगा, तो आंतकवाद को नक्सलवाद, धर्मांतरण और लव जिहाद में इस्तेमाल करते हैं। इसलिए स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाएं। हमारा पैसा अगर विदेशियों के पास जाएगा, तो याद रखना, वो पैसा धर्मांतरण, आंतकी रूप में विस्फोट और अव्यवस्था के रूप में और भारत का अस्थिर करने के लिए भारत के खिलाफ उपयोग किया जाएगा। इसलिए 2 अगस्त को पीएम मोदी ने देशवासियों का आवाहन करके वोकल फॉर लोकल का। जिसमें एक जनपद एक उत्पाद के माध्यम से भारत को मजबूत बनाना है। भाजपा ने 2018 में ओडीओपी योजना शुरू की थी। ये योजना मॉडल बनी हुई है। अगर हमारा पैसा हस्त शिल्पियों के पास जाएगा, तो उनका विकास और समृद्धि देश का आधार बनेगा। प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी। 30 हजार पुलिस की भर्ती और निकलने वाली है। सरकारी नौकरी किसी एक परिवार की बपौती नहीं रही। 2017 के पहले याद कीजिए। यही होता था। नौकरी निकलती थी, एक परिवार का भाई और भतीजा नौकरी पा जाते थे। शोषण होता था युवा का। प्रदेश का नुकसान होता था। अयोग्य लोगों को जबरदस्ती घुसेड़ दिया जाता था। परिणाम क्या होता था, दंगे और अराजकता होती थी। विकास नहीं होता था। योगी ने कहा- अलीगढ़ के प्रोडक्ट की बात करें तो यहां का ताला उद्योग और हार्डवेयर से जुड़े हुए उन सभी समूह को हम लोगों ने बाद में ओडीओपी का हिस्सा बनाया याद करिए' बाबूजी सपनों को साकार करते हुए न केवल अलीगढ़ में बल्कि पूरे प्रदेश के अंदर वहां के परंपरागत उद्यम को वन जिला वन प्रोडक्ट के माध्यम से एक नई ऊंचाई तक ले जाने नौजवानों के लिए नए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने विकास के माध्यम से और समृद्धि के लिए एक्सपोर्ट की सुविधा के हिसाब से जोड़ने में आज हमें सफलता प्राप्त हो रही है। इसके पीछे आदमी प्रधानमंत्री जी के विजन के साथ ही बाबू जी का सपना पूरा हुआ है। 2018 में घोषणा की गई थी कि दो डिफेंस कॉरिडोर बनेंगे। यूपी और तमिलनाडु में बनेंगे। अलीगढ़ में डिफेंस कॉरीडोर ने भी ब्रह्मोस मिसाइल जैसी कोई मिसाल दुनिया के पास नहीं है। उसके भय ने भारत के हर दुश्मन को पसीना-पसीना किया। ड्रोन जो बन रहे हैं, वह निवेश का परिणाम है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, कि आपने देखा होगा 2018 मे प्रधानमंत्री जी ने घोषणा की थी कि देश के अंदर दो कॉरिडोर बनेंगे। डिफेंस के दो कॉरिडोर बनेंगे, एक उत्तर प्रदेश में एक तमिलनाडु में और उत्तर प्रदेश में जो 6 नोड इसके तय हुए थे, उसमें से अलीगढ़ भी उसका एक मोड़ है।

कबीर मठ का होगा जिर्णोद्धार, सांसद से मिले कुंवर महेंद्र

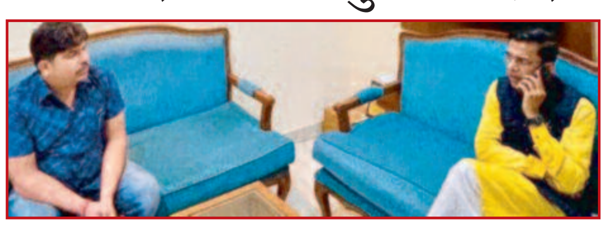

संवाददाता

कुशीनगर। नई दिल्ली में सांसद माननीय शशांक मणि त्रिपाठी से भाजपा के चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक कुँवर डॉ महेंद्र कुमार सिंह से मिलकर विधानसभा फाजिलनगर के ग्राम रहसू जनोवी पट्टी में स्थित 100 साल पुराने कबीर मठ के जीर्णोद्धार प्रस्ताव दिया। जिस पर सांसद श्री त्रिपाठी ने तत्काल अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश दिया ' इस पुराने कबीरपंथी मठ को जीवन उद्धार करने के लिए यहां के सभी सम्मानित व्यक्ति मांग कर रहे हैं । जिसमें विशेष कर भाजपा के चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक कुँवर डॉ महेंद्र कुमार सिंह ने अपनी भूमिका निभाते हुए सांसद से मिले और सांसद श्री त्रिपाठी ने संज्ञान में लेकर मठ के जीर्णोद्धार के लिए कदम बढ़ाया।इस अवसर पर कुँवर डॉ महेंद्र कुमार सिंह और उनके सहयोगी कपिन्द्र मिश्रा मौजूद रहे ' क्षेत्र की जनता ने कुंवर सिंह को धन्यवाद दिया है।

बरसाती मुसीबत में फंसे जरूरतमंदों के बीच पहुंचीं इंदिरा सिंह, खुद बांटी राहत की थैली

बिजनौर (शिखर समाचार) लगातार झमाझम बारिश ने जहां नगर की रफ्तार थाम दी, वहीं शुगर मिल क्षेत्र के कुछ गरीब परिवारों के लिए यह आफत बनकर टूटी। चारों ओर से पानी से घिरे इन परिवारों को जब खाने तक की चिंता सताने लगी, तभी नगर पालिका परिषद अध्यक्ष इंदिरा सिंह मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लेते हुए अपने हाथों से राहत सामग्री वितरित की।

नगर भ्रमण के दौरान जब उन्हें जानकारी मिली कि इस क्षेत्र में दस परिवार बारिश के पानी में घिरे हैं और कई दिनों से भोजन के भी मोहताज हैं, तो उन्होंने बिना देरी किए पालिका टीम के साथ मौके पर

पहुंचकर हर परिवार को आटा, दाल, सब्जी जैसी रोजमर्रा की जरूरी वस्तुएं उपलब्ध कराईं। इस मदद से परिवारों की आंखों में आंसू थे लेकिन चेहरों पर राहत की हल्की मुस्कान भी लौट आई। इंदिरा सिंह ने न सिर्फ राहत पहुंचाई बल्कि मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि जलनिकासी की व्यवस्था जल्द से जल्द दुरुस्त की जाए ताकि फिर किसी को ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान पालिका के सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, कर्मचारी विपिन देसाई समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा। खाद्य सामग्री पाने वालों में आशा देवी, दीपक देसाई, चांदनी, ऋतिक जैसे नाम शामिल रहे।

बरसात की मार झेल रहे इन परिवारों तक राहत लेकर पहुंची नगर पालिका की ये मुहिम, जनसेवा की मिसाल बन गई।

तिलक, तुलसी और तरुणाई के संग गूंजा रामायण ज्ञान, पूठखास में संस्कारों की नई पीढ़ी ने दी दस्तक

मेरठ (शिखर समाचार)। जहां तिलक हो मस्तक पर और जुबां पर हो श्रीराम का नाम, वहां सिर्फ पढ़ाई नहीं, परंपरा भी पलती है, इसी सोच को साकार करने उतरा आदर्श बाल इंटर कॉलेज पूठखास का प्रांगण, जब राष्ट्रीय महिला एकता संघर्ष संगठन और युवा वैश्य मंच की साझा सरपरस्ती में रामायण ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। नेतृत्व में थीं राष्ट्रप्रेम और नारी सम्मान की प्रतीक तीशा गोस्वामी और मंच पर गरिमा बिखेरते नजर आए भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. आदेश फौजी मुख्य अतिथि के रूप में, जबकि महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. हिमानी अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

प्रतियोगिता में रामायण से जुड़े 50 सवालों ने छात्रों की स्मृति और संस्कार दोनों को परखा और परिणाम सामने आया, जब अर्जुन चौधरी 46 अंकों

के साथ पहले स्थान पर चमके, देव 43 अंकों के साथ रहे दूसरे पर और आर्यन जाटव 42 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर पहुँचे। डॉ. मीनाक्षी भराला ने कहा कि रामायण केवल ग्रंथ नहीं, चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला है। वहीं डॉ. हिमानी अग्रवाल ने कहा कि जहां बालमन में संस्कार हों, वहीं से राष्ट्र निर्माण शुरू होता है। पं. आदेश फौजी ने संदेश दिया कि जब बच्चा स्कूल जाए तो माथे पर तिलक, हाथ में पुस्तक और जुबां पर श्लोक हों यही नया भारत बनेगा। आने वाले वक्त में यही बच्चे मोदी-योगी के सपनों का भारत गढ़ेंगे। संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष तीशा गोस्वामी ने बताया कि उनकी टीम मातृशक्ति के सम्मान और धर्म की रक्षा के लिए निरंतर सक्रिय है और यह प्रतियोगिता उसी मिशन का हिस्सा है। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज प्रबंधक सुदेश राणा ने सहजता से निभाया, जबकि संस्था की राष्ट्रीय महासचिव नीरज चौधरी ने पूरे आयोजन की कमान अपने हाथ में रखते हुए प्राचार्या ममता और स्कूल प्रशासन का विशेष आभार व्यक्त किया। मंच पर युवा वैश्य मंच के संरक्षक प्रदीप गोयल और राजेन्द्र गोयल ने राष्ट्र वंदन न्यूज टुडे की ओर से सभी अतिथियों को माल्यार्पण और ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया। इस शुभ आयोजन में अरुण ठाकुर, कुंवरपाल ठाकुर, राकेश त्यागी, योगेश गोस्वामी, सुमित बाल्मीकि समेत कई सम्माननीय जन उपस्थित रहे और पूठखास ने एक बार फिर साबित कर दिया कि संस्कारों की मशाल अगली पीढ़ी के हाथों में सुरक्षित है।

नई दिशाः सुंदर और स्वस्थ्य परिवेश लिए करें पौधारोपण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में मंगलवार को नगर पालिका परिषद कुशीनगर में कार्यरत ममता कश्यप ने कसया नगर स्थित श्रीरामजानकी मंदिर मठ परिसर में पौधरोपण कर जन्मोत्सव मनाया। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में महंत त्रिभुवन शरण दास ने कहा कि नई दिशा द्वारा जन्मोत्सव, वैवाहिक वर्षगांठ और मंगलिक अवसरों के साथ विभिन्न अवसरों पर पौध रोपण सराहनीय कदम है। पुजारी देव नारायण शरण दास ने कहा कि पृथ्वी पर जीवन के लिए पौध रोपण के लिए जागरूकता आवश्यक है। पूर्व प्रवक्ता सुरेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि पेड़ पौधों से ही जीवन है। इसलिए सुंदर और स्वस्थ्य परिवेश लिए पौध रोपण करें। इस अवसर पर राजू जायसवाल, रमाशंकर कुशवाहा, असर्फी, संस्था उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र, सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ में मर्चेंट नेवी अफसर की पत्नी फंदे से लटकी

लखनऊ। मर्चेंट नेवी अफसर की पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। पति ने नौकर की मदद से शव को फंदे से नीचे उतारा। दोनों की 6 महीने पहले शादी हुई थी। महिला के पिता ने दामाद पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- मेरी बेटी को मारकर फंदे पर टांग दिया है, जिससे यह सुसाइड लगे। घटना रविवार रात आठ बजे की है। लेकिन मामले को सोमवार दोपहर तक छिपाए रखा गया। मृतका की पहचान सुशांत गोल्फ सिटी के ओमेक्स वाटर एस्केप कॉम्पलेक्स की रहने वाली मधुसिंह के रूप में हुई। उसका पति अनुराग सिंह मर्चेंट नेवी में सेकेंड ऑफिसर पद पर तैनात है। पुलिस ने बताया- अनुराग सिंह लगभग 10 दिन पहले ही छुट्टी पर घर आया था। घटना से पहले रात में पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद महिला ने सुसाइड कर लिया। दोनों का विवाह छह महीने पहले हुआ था। मृतक के पिता फतेह बहादुर सिंह ने बताया- मधु ने रविवार रात करीब 8 बजे बड़ी बहन प्रिया को कॉल करके

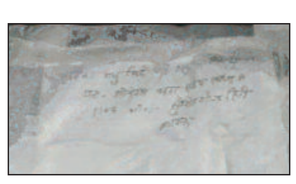

मारपीट की जानकारी दी थी। इसके बाद सुबह से कोई बात नहीं हुई। रात को ही उसको मार दिया गया है, सुसाइड दिखाने के लिए सोमवार दोपहर में जानकारी दी गई। अनुराग बेटी को अस्पताल तक लेकर नहीं गया। पिता ने बताया- मधु और अनुराग की शादी 25 फरवरी 2025 को हुई थी। शादी के बाद से अनुराग दहेज की मांग कर रहा था। इस वजह से मारपीट भी करता था। कुछ दिनों के लिए मधु मायके आकर रहने लगी थी। डिमांड पूरी कर दी, तब होली के दिन अपने घर ले गया। इसके बाद फिर प्रताड़ना शुरू कर दी। बेटी के विरोध जताने पर पैसा वसूल लेने की धमकी देता था। पिता ने कहा- अनुराग का अन्य लड़कियों से संबंध है, जिसकी वजह से भी बेटी को प्रताड़ित करता था। मधु के प्रेग्नेंट होने पर भी प्रताड़ना जारी रखी और उसका अबॉर्शन करा दिया था।

संक्षिप्त डायरी

आप के शिक्षक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण ने दिया त्याग पत्र

संवाददाता

कुशीनगर। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने पार्टी की नीतियों से नाराज होकर प्राथमिक सदस्यता और पद से त्याग पत्र दे दिया।आप के शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष और बुद्ध इंटर कालेज के प्रवक्ता श्री त्रिपाठी ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्त जानकारी दी है। श्री त्रिपाठी ने कहा कि पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह द्वारा संगठन में गलत दायित्व वितरण, पक्षपात पूर्ण पूर्वाग्रह से ग्रस्त निर्णयों, जमीनी कार्यकताओं की उपेक्षा से मैने यह निर्णय लिया है। प्रकोष्ठ के वरिष्ठ नेताओं जिन लोगों ने सामूहिक रूप से त्याग पत्र दिया है। उनसे संपर्क कर जल्द ही अंतिम निर्णय से सभी को अवगत करा दिया जाएगा।

बाढ़ की चपेट में आये लोगों की मदद के लिये घरेलू महिलाओं के साथ ही नन्हें बच्चे भी आये आगे

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की यमुना में राजस्थान के कोटा बैराज से , जबकि बेतवा नदी में ललितपुर के माताटीला बांध से छोड़े गये पानी के बाद अब मौजूदा वक्त में वाटर लेबल घटने लगा है। वही सैलाब की चपेट में आये लोगों की मदद के लिये जिला प्रशासन के साथ ही राजनीतिक, सामाजिक लोग भी कंधे से कंधा मिलाकर खाने से लेकर दवाओं के साथ ही जरुरी सामान पहुंचाने का काम बहुत ही बेहतर तरीके से कर रहे हैं, वहीं घरेलू महिलायें और नन्हें बच्चे

भी इस परेशानी के वक्त में किसी से पीछे नहीं हैं, बल्कि सैलाब की चपेट में आये लोगों को मदद पहुंचाने की कोशिश में सबसे आगे नजर आ रहे हैं, जी हां! एसा ही एक नजारा उस वक्त देखने को मिला जब कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेतवा के किनारे नरायच से नन्हें बच्चे अपने घर की महिलाओं के साथ आकर सैलाब की चपेट में आये हुये लोगों की माली (आर्थिक) मदद करने के साथ ही पीने के पानी के पाऊच देते नजर आये। पूंछने पर उन महिलाओं और नन्हें बच्चों ने कहा कि मुश्किल वक्त में इंसान ही इंसान के काम आता है।

कानपुर में महिला का सुसाइडःपति 20 मिनट लाइव मौत देखता रहा

कानपुर। सचेंडी थाना क्षेत्र के भीमसेन में मायके जाने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद पत्नी ने कमरा बंद कर पति के सामने फांसी लगा ली। पत्नी को फंदे पर झूलता देख पति करीब 20 मिनट तक दरवाजा तोड़ने का प्रयास करता रहा, लेकिन सफल न हो सका। कुछ देर बाद विवाहिता की मौत हो गई। ससुरालीजनों ने बताया कि विवाहिता

प्रभा उर्फ राधा, मतक

पहले भी तीन बार आत्महत्या का प्रयास कर चुकी है। परिजनों ने घटना से जुड़ा एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें विवाहिता दोबारा सुसाइड करने की धमकी देते हुए दिख रही है। विवाहिता वीडियो में बोल रही रही थी कि 'कितनी बार बचाओगे... ज्यादा बचाने का प्रयास करोगे तो बच्चों को टांग कर खुद आत्महत्या कर लूंगी।' भीमसेन निवासी कुलदीप वर्मा की चार साल पहले फतेहपुर निवासी प्रभा उर्फ राधा से शादी हुई थी। दंपत्ति के एक तीन वर्षीय बेटी यशी और एक साल का बेटा यशु है। कुलदीप सीमेंट लोडिंग का काम करता है। कुलदीप के बड़े भाई दिलीप ने बताया कि दंपत्ति के बीच अक्सर छोटीझछोटी बातों को लेकर विवाद होता रहता था, जिस कारण वह करीब 5 सालों से परिवार से अलग रहने लगा था। सोमवार को प्रभा अपने मायके जाना चाहती थी। मना करने पर उसका कुलदीप से विवाद होने लगा। झगड़े के बाद कुलदीप कमरे से चला गया। कुछ देर बाद लौट तो देखा पत्नी कमरा बंद कर गमछे से फंदा लगा रही थी। इस दौरान कुलदीप ने लोगों को एकत्र कर दरवाजा तोड़ना शुरू किया, लेकिन तब तक प्रभा फंदे पर लटक गई। कुलदीप की चचेरी बहन राखी ने बताया कि भाभी प्रभा का अक्सर विवाद होता था, जिसके बाद वह मायके चली जाती थी। भाभी पहले भी तीन बार आत्महत्या का प्रयास कर चुकी थी, लेकिन हम लोगों ने मौके पर पहुंचकर भाभी को बचाया। इस दौरान सपना ने आत्महत्या से बचाने के बाद प्रभा का एक वीडियो भी दिखाया। जिसमें प्रभा ससुरालीजनों कह रही कि कितने बार बचाओगे, एक न एक दिन फांसी लगा लूंगी। मेरे होने का एहसास नहीं है, मेरे जाने का एहसास होगा। इस दौरान मृतका की बहन सपना ने बताया कि कुलदीप शराब का लती है। आए दिन शराब के नशे में धुत होकर घर आता था। बहन के विरोध करने पर मारपीट करता था, जिस कारण बहन का उससे विवाद होता था। कई बार विवाद के बाद बहन मेरे घर में आकर ठहरी थी। इसके बाद कुलदीप मान-मनौव्वल कर उसे ले गया था। सचेंडी थाना प्रभारी दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है, तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

इरडा ने खामियों के चलते इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर लगाया पांच करोड़ का जुर्माना

ग्राहकों से की धोखाधड़ी, 4.2 करोड़ से ज्यादा की बीमा पॉलिसी बेची

नई दिल्ली।

बीमा क्षेत्र के नियामक इरडा ने कुछ खामियों की वजह से पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने के साथ ही बीमा मानदंडों का उल्लंघन करने को लेकर आगाह भी किया है। पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स को पहले पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर के नाम से जाना जाता था। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बयान में कंपनी को निर्देश, सलाह और चेतावनी भी जारी की है।

नियामक ने कहा कि पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर प्राइवेट लिमिटेड अब पॉलिसीबाज़ार इंश्योरेंस ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड पर बीमा अधिनियम और नियमों एवं विनियमों के तहत स्थापित कई उल्लंघनों के लिए निर्देश, सलाह और चेतावनी के साथ पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पॉलिसीबाजार साल 2008 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक 4.2 करोड़ से ज्यादा बीमा पॉलिसी बेच चुका है।

मीडिया रिपोर्ट में इरडा ने कहा कि कंपनी ने नियामकीय उल्लंघन करने के साथ ग्राहकों से भी धोखाधड़ी की है। इरडा ने कहा है कि बिना अप्रूवल के ही कंपनी ने दूसरी कंपनियों में भी डायरेक्टरशिप हासिल की है। इसके अलावा कंपनी को कई बीमा पॉलिसी को जोर देकर ग्राहकों को बेचने का दोषी पाया गया। इतना ही नहीं कंपनी ने कई प्रोडक्ट को अच्छा बताकर उसे रैंकिंग में टॉप पर रखा, ताकि ग्राहकों को गुमराह करके इन उत्पादों को बेचा जा सके। कंपनी ने इन उत्पादों को बेहतर बताने के पीछे कोई कारण भी नहीं बताया और न ही ग्राहकों को कोई सलाह दी। इरडा ने बताया कि पॉलिसीबाजार ने ग्राहकों से पैसे लेकर उसे इंश्योरेंस करने वाली कंपनियों को समय से पहले नहीं पहुंचाया। इस वजह से कंपनी पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर जिन पांच प्रोडक्ट को बेस्ट बताकर टॉप पर दिखाया, उनमें सभी यूलिप प्लान थे, इसमें बजाज अलायंज गोल एश्योर, एडलवीज टोक्यो वेल्थ गेन प्लस, एचडीएफसी क्लिक2 वेल्थ, एसबीआई लाइफ ई-वेल्थ इंश्योरेंस और आईसीआईसीआई सिग्नेचर शामिल हैं।

जुलाई 2025 में रॉयल एनफील्ड ने किए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित

नई दिल्ली ।

जुलाई 2025 में रॉयल एनफील्ड ने बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री 31 फीसदी की उछाल के साथ 88,045 यूनिट तक पहुंच गई, जो पिछले साल इसी महीने 67,265 यूनिट थी। यह इजाफा सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि यह बताता है कि रॉयल एनफील्ड भारतीय सड़कों से लेकर राइडर्स के दिलों तक अपनी पकड़ लगातार मजबूत कर रही है।

घरेलू बाजार में कंपनी ने 76,254 यूनिट्स बेचीं, जो बीते साल जुलाई की तुलना में 25 फीसदी ज्यादा हैं। बुलेट, क्लासिक और हंटर जैसे मॉडल्स की लोकप्रियता आज भी भारत में बनी हुई है। खास बात यह है कि केवल भारत ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रॉयल एनफील्ड की मांग तेजी से बढ़ी है। जुलाई 2025 में कंपनी का निर्यात 95 प्रतिशत बढ़कर 11,791 यूनिट पहुंच गया, जबकि जुलाई 2024 में यह आंकड़ा 6,057 यूनिट था। इस प्रदर्शन को लेकर कंपनी के सीईओ बी. गोविंदराजन ने कहा कि 'हंटर 350' को देश और विदेश में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कंपनी सिर्फ वाहन नहीं बेचती, बल्कि एक संपूर्ण राइडिंग

कल्चर को बढ़ावा देती है। उनका कहना है कि रॉयल एनफील्ड का फोकस इनोवेशन, वैश्विक विस्तार और राइडर्स के साथ मजबूत जुड़ाव पर है।

संबंधित पक्ष के लेनदेन में अब कारोबार के आधार पर तय होगी सीमा

सेबी के प्रस्ताव से बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा होने की उम्मीद

नई दिल्ली।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंडों में बदलाव करते हुए मैटेरियलिटी सीमा को सूचीबद्ध कंपनी के कारोबार से जोड़ने का प्रस्ताव दिया है। बाजार नियामक के इस प्रस्ताव से बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। सेबी ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव किए जाने से शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए शेयरधारकों की मंजूरी की जरुरत वाले संबंधित पक्ष के लेनदेन की संख्या में करीब 60 फीसदी की कमी आ सकती है। मौजूदा नियमों के तहत लेनदेन एक हजार करोड़ रुपए से अधिक या सूचीबद्ध कंपनी के कुल वार्षिक कारोबार के 10 फीसदी से ज्यादा हो तो उसे मैटेरियल माना जाता है।

बाजार नियामक ने सबके लिए समान दृष्टिकोण को बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बोझिल बताते हुए कुल कारोबार बढ़ने पर लेनदेन की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। सूचीबद्ध कंपनियों को मैटेरियल संबंधित पक्ष के लेनदेन करने के लिए शेयरधारकों और ऑडिट समिति से मंजूरी लेनी होती है। नए मानदंडों में अगर वार्षिक कुल कारोबार 20 हजार करोड़ तक है तो संबंधित पक्ष के लेनदेन की सीमा 10 फीसदी होगी। अगर कारोबार 20,001 करोड़ रुपए से 40,000 करोड़ के बीच है तो यह सीमा तभी लागू होगी जब लेनदेन 2,000 करोड़ रुपए का हो और सूचीबद्ध कंपनी के वार्षिक कुल कारोबार का पांच फीसदी हो।

अगर कुल कारोबार 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का है तो उसके लिए यह सीमा 3,000 करोड़ रुपए के साथ कुल कारोबार का 2.5 फीसदी या 5,000 करोड़ रुपए होगी। सेबी ने कहा है कि 5,000 करोड़ रुपए की सीमा अल्पांश शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंड वित्तीय स्थिति को देखते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इनगवर्न रिसर्च के श्रीराम सुब्रमण्यन ने कहा कि यह छूट तभी व्यावहारिक होगी जब

संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी खुलासे ऑडिट समितियों और शेयरधारकों के समक्ष किए जाएं।

अब टेस्ला ने किया दिल्ली का रुख, 11 अगस्त को करेगी दूसरा शोरुम लॉन्च

कंपनी ने भारत में अपना लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वॉय किया पेश

नई दिल्ली।

एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला की अब भारत पर नजर है। कंपनी ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने के बाद अब दिल्ली का रुख किया है। रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला 11 अगस्त को दिल्ली के एरोसिटी में अपना दूसरा शोरूम लॉन्च कर रही है। यह इलाका दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित है और हाई-एंड कमर्शियल हब के रूप में जाना जाता है।

दिल्ली में शोरूम खोलने का फैसला ऐसे समय लिया है जब टेस्ला ने हाल ही में भारत में अपना लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वॉय पेश किया है। इसके साथ ही कंपनी ने भारत के लिए एक आधिकारिक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जहां शुरुआत में केवल मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम के लोग ही अपनी रुचि दर्ज कर सकते थे। इससे यह साफ़ है कि कंपनी का शुरुआती फोकस मेट्रो शहरों पर है। टेस्ला ने भारत में अपने सफर की शुरुआत मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मॉल में अपने पहले शोरूम से की थी। इस शोरूम में टेस्ला के दो वेरिएंट मॉडल वाय रेयर व्हील ड्राइव आरडब्ल्यूडी और लॉन्ग रेंज आरडब्ल्यूडी को प्रदर्शित किया है, जिन्हें कंपनी ने अपने शंघाई स्थित प्लांट से भारत में मंगवाया है। कंपनी ने बताया है कि आरडब्ल्यूडी मॉडल की डिलीवरी तीसरी तिमाही के अंत तक शुरू हो जाएगी, जबकि लॉन्ग-रेंज वर्जन की डिलीवरी चौथी तिमाही में की जाएगी। इससे साफ़ है कि कंपनी भारतीय बाज़ार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए एक ठोस प्लान के साथ आगे बढ़ रही है।

भारत में टेस्ला ने मॉडल वॉय के दो वर्जन पेश किए एक बेसिक रेयर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) और दूसरा लॉन्ग-रेंज आरडब्ल्यूडी। बेसिक आरडब्ल्यूडी वर्जन की एक्स-शोरूम कीमत 59.89 लाख रखी गई है, जबकि लॉन्ग-रेंज वर्जन की कीमत 67.89 लाख है। ऑन-रोड आरडब्ल्यूडी मॉडल की कीमत 61.07 लाख तक पहुंच सकती है और लॉन्ग-रेंज वर्जन की कीमत 69.15 लाख तक जा सकती है। टेस्ला मॉडल वॉय आरडब्ल्यूडी वर्जन में ग्राहक को दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। 60 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच। इसमें एक सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो करीब 295 हॉर्सपावर की ताकत देती है।

होंडा की पहली हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक जल्द होगी लांच

नई दिल्ली ।

भारत में जल्द ही होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया अपनी पहली हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करने जा रही है। यह होंडा की अब तक की सबसे एडवांस और दमदार इलेक्ट्रिक बाइक मानी जा रही है, जिसकी अधिकतम रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा और रेंज लगभग 399 किलोमीटर होगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक बाइक 2 सितंबर 2025 को पेश की जा सकती है। कंपनी का दावा है कि यह बाइक केवल 2 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी और एक बार चार्ज होने पर लगभग 400 किलोमीटर तक चलेगी। इसके लिए इसमें बड़ी क्षमता की बैटरी दी गई है, जो फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। यह आंकड़े इसे भारत की अन्य इलेक्ट्रिक बाइकों से एक कदम आगे रखते हैं। बाइक की मोटर काफी शक्तिशाली होगी, जो महज 2.77 सेकंड में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम होगी। होंडा की यह इलेक्ट्रिक बाइक तकनीकी रूप से भी बेहद खास होगी। इसमें ब्लूटूथ एप्लिकेशन कनेक्टिविटी, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, चार ड्राइविंग मोड्स और सेल्फ बैलेंसिंग कंट्रोल सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलेंगे। ये सभी

फीचर्स इसे युवाओं और टेक-सेवी ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बना सकते हैं। कीमत को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसकी अनुमानित कीमत रुपए1.30 लाख से रुपए 1.50 लाख के बीच हो सकती है। इस कीमत पर यह बाइक प्रीमियम इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में बड़ी प्रतिस्पर्धा पेश करेगी।

मुंबई में जल्द शुरु होगा टेस्ला का पहला चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली।

भारत में अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला अपना पहला चार्जिंग स्टेशन अगले हफ्ते मुंबई में शुरू करने जा रही है। यह स्टेशन टेस्ला की अत्याधुनिक वी4 सुपरचार्जिंग तकनीक से लैस होगा। यह हाई-टेक चार्जिंग स्टेशन मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित मेकर मैक्सिटी परिसर में स्थापित किया गया है, जहां पहले ही कंपनी का एक्सपीरियंस सेंटर मौजूद है। इस चार्जिंग स्टेशन में कुल 8 चार्जिंग यूनिट्स होंगे, जिनमें 4 सुपरचार्जिंग स्टॉल्स और 4 डेस्टिनेशन चार्जर्स शामिल हैं। सुपरचार्जर 250 किलोवॉट की स्पीड से कार को केवल 20 से 30 मिनट में लगभग फुल चार्ज कर सकता है। इसके लिए ग्राहक को रुपए 24 प्रति किलोवॉट की दर से भुगतान करना होगा। वहीं, डेस्टिनेशन चार्जर की क्षमता 11 किलोवॉट होगी और इसके लिए रुपए 14 प्रति किलोवॉट शुल्क लिया जाएगा। अभी यह चार्जिंग स्टेशन सिर्फ टेस्ला कारों के लिए उपलब्ध होगा, यानी अन्य ब्रांड्स की ईवी यहां चार्ज नहीं की जा सकेंगी। यह इसे भारत के मौजूदा चार्जिंग नेटवर्क से अलग बनाता है, जहां टाटा पावर, एथर, स्टाटीक जैसी कंपनियां मल्टी-ब्रांड चार्जिंग विकल्प देती हैं और स्पीड आमतौर पर 3.3 केडब्ल्यू से 60 केडब्ल्यू के बीच होती है।

भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ एयूएम पर पहुंचा

निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ

नई दिल्ली। भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) तक पहुंच गया है, जिसमें पिछले 10 सालों में सात गुना की ग्रोथ हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे बड़ा हिस्सा अब भी इक्विटी फंड्स का है, जो कुल एयूएम का 59.94 फीसदी है। डेट फंड्स का हिस्सा 26.53फीसदी है, जबकि हाइब्रिड फंड्स 8.28फीसदी योगदान दे रहे हैं। बाकी अन्य फंड्स 5.26फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं। इस तिमाही जून 2025 में डेट फंड्स में 2.39 लाख करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ है, जो पिछली तिमाही में हुए आउटफ्लो के उलट है। ये निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ है, जो बदलती ब्याज दरों की वजह से संस्थागत निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। इस तिमाही में कुल 3.98 लाख करोड़ का निवेश हुआ, जिसमें से इक्विटी फंड्स में करीब 64फीसदी हिस्सा ब्रॉड-बेस्ड फंड्स में गया, जबकि 31फीसदी निवेश आर्बिट्राज फंड्स में आया। रिपोर्ट के मुताबिक पैसिव फंड्स का निवेशकों के बीच क्रेज़ बढ़ रहा है। अब ये कुल एयूएम का 17फीसदी हिस्सा बन चुके हैं। क्यू2 2025 में पैसिव फंड्स में 36,000 करोड़ का निवेश हुआ, जबकि एक्टिव स्ट्रैटेजीज में 3.62 लाख करोड़ का। इक्विटी के अंदर ब्रॉड-बेस्ड पैसिव फंड्स ने 106फीसदी का योगदान यह दर्शाता है कि निवेशक अब बड़े इंडेक्स और ब्लूचिप फंड्स पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

सीआईएल ने बिजली की मांग को पूरा करने 90 करोड़ टन आपूर्ति का रखा लक्ष्य

कोलकाता। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और आयात पर निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत चालू वित्त वर्ष के लिए 90.02 करोड़ टन का आपूर्ति का लक्ष्य तय किया है। यह पिछले साल की तुलना में 18 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्शाता है। देश की सबसे बड़ी कोयला कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में पेश परिदृश्य के मुताबिक कुल कोयला प्रेषण का करीब 74 फीसदी अकेले बिजली क्षेत्र में ही इस्तेमाल होने का अनुमान है। यह देशभर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति तय करने में सीआईएल की भूमिका को रेखांकित करता है। मीडिया रिपोर्ट में सीआईएल ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बिजली क्षेत्र से अनुमानित मांग 66.81 करोड़ टन है। कंपनी का लक्ष्य बिजली और गैर-विनियमित उपभोक्ताओं की सभी जरूरतों को पूरा करने के साथ आयातित कोयले का विकल्प भी चुनना है। कंपनी ने कहा कि सीआईएल का वृद्धि खाका सरकार के हर घर में 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के अनुरूप है। इसके लिए 2028-29 तक उत्पादन को एक अरब टन करने की योजना है। कोल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि कंपनी रणनीतिक विविधीकरण और परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के जरिये अपने कारोबार को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी देश के ऊर्जा बदलाव लक्ष्यों के साथ तालमेल करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने की व्यापक योजना के तहत कोयला गैसीकरण, कोलबेड मीथेन (सीबीएम) निकासी, सौर ऊर्जा उत्पादन और अहम खनिजों की खोज में परियोजनाओं को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है।

अब डाकघर में बैंकिंग करने अंगूठा लगाने और ओटीपी की झंझट खत्म

आईपीपीबी ने लेन-देन के लिए शुरु की फेस ऑथेंटिकेशन सेवा

नई दिल्ली। अब डाकघर जाकर बैंकिंग करने न तो अंगूठा लगाने और न ही ओटीपी की झंझट...रहेगी। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने देशभर में आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन सेवा की शुरुआत की है, जिससे अब ग्राहक केवल अपने चेहरे से ही खाता खोल सकेंगे, बैलेंस देख पाएंगे, पैसे भेज सकेंगे और बिल का भुगतान भी कर सकेंगे। यह सेवा उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी जो अब तक अंगूठे की पहचान या ओटीपी सिस्टम से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों से जूझते रहते थे। बुजुर्गों, दिव्यांगों, और दूरदराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह तकनीक बैंकिंग को आसान बना देगी। फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मानकों पर विकसित किया गया है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूत करने के साथ-साथ एक ऐसा सिस्टम तैयार करती है जो पूरी तरह संपर्करहित और सुरक्षित है। आईपीपीबी के मुताबिक यह सेवा जल्द ही पूरे देश के 1.6 लाख डाकघरों और 3 लाख से ज्यादा पोस्टल कर्मियों के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाई जाएगी। यह कदम आपका बैंक, आपके द्वार मिशन के तहत वित्तीय समावेशन को और गहरा करने की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। महामारी या किसी भी स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति में जब शारीरिक संपर्क से बचना अनिवार्य हो जाता है, उस समय यह फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक बेहद कारगर सिद्ध होगी। इससे न सिर्फ लेनदेन तेज और आसान होगा, बल्कि बैंकिंग सेवाएं सभी के लिए ज्यादा सुलभ और सुरक्षित बनेंगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 308 अंक , निफ्टी 73 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही तेल, गैस और फार्मा शेयरों में हुई बिकवाली से आई है हालांकि अंत में बाजार ने रिकवरी भी की जिससे गिरावट पर कुछ हद तक लगाम लगी। अमेरिका के 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 308 अंक गिरकर 80,710.25 पर बंद हुआ वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73. 20 अंक नीचे आकर 24,649.55 पर बंद हुआ। आज कामकाज के दौरान ऑटो इंडेक्स 0.4 फीसदी बढ़ा जबकि आईटी, बैंक, तेल एवं गैस, एफएमसीजी, फॉर्मा में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा स्मॉलकैप इंडेक्स और बीएसई मिडकैप हल्की गिरावट रही। वहीं एनएसई पर अदानी एंटरप्राइजेज, इंफोसिस, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज़्यादा गिरे जबकि टाइटन कंपनी, एसबीआई लाइफ, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक के शेयरों में बढ़त रही।

एशियाई बाजारों की बात करें तो शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्केई 225 अंक ऊपर उठकर बंद हुआ. वहीं यूरोपीय बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे जबकि. अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ की इक्विटी बेची. वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपए मूल्य की इक्विटी की खरीदारी की। वहीं गत दिवस

बाजार बढ़त पर बंद हुआ। था।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनियाभर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर अधिक अधिक टैरिफ लगाने की नई धमकी से भी बाजार पर दवाव पड़ा है। सुबह सेंसेक्स गिरावट के बाद ही 80,634.61 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 24,608.95 पर फिसल गया। सुबह के कारोबार के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.38 फीसदी टूटकर कामकाज कर रहा था।

सेक्टोरल फ्रंट पर, निफ्टी में सबसे अधिक 0.55 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी बैंक 0.12 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.25 फीसदी गिरा। जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है, जिससे बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँची

नई दिल्ली।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के ताजा आँकड़ों के मुताबिक, 2 अगस्त 2025 को यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँच गई। यह एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन बीते वर्षों की तुलना में इसकी वृद्धि दर धीमी रही है।

इस उपलब्धि के साथ, यूपीआई के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मोदी सरकार ने प्रतिदिन 100 करोड़ लेनदेन का लक्ष्य रखा है, और सरकार को उम्मीद है कि यह अगले साल तक हासिल हो जाएगा। हालांकि, फिनटेक कंपनियों और भुगतान संघों का मानना है कि इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को फिर से लागू करना चाहिए।

क्या है एमडीआर?

दरअसल एमडीआर वह शुल्क है जो बैंक डिजिटल भुगतान की प्रक्रिया के लिए व्यापारियों से लेते हैं। यह आमतौर पर लेनदेन मूल्य का 1 से 3 प्रतिशत तक होता है। दिसंबर 2019 में, मोदी सरकार ने रुपये डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर माफ कर दिया था। मोदी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025 में यूपीआई के लिए सब्सिडी घटाकर 1,500 करोड़ कर दी है, लेकिन उसने एमडीआर की मांग को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में कहा कि यूपीआई को वित्तीय रूप से सस्टेनेबल बनाया जाना चाहिए, क्योंकि कोई न कोई तब इस लागत को

वहन करेगा ही।

यह देखना बाकी है कि क्या एमडीआर को फिर से लागू किया जाएगा या फिर यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च उपयोगकर्ताओं को उठाना पड़ेगा। इस बीच, यूपीआई ने दैनिक लेनदेन की मात्रा में वैश्विक भुगतान दिग्गज वीज़ा को पीछे छोड़ दिया है और अब यह भारत के सभी डिजिटल लेनदेन का करीब 85 प्रतिशत संभालता है।

फैबइंडिया ने पेश किया पारंपरिक कारीगरी से सजा राखी कलेक्शन

इंदौर ।

फैबइंडिया ने रक्षाबंधन 2025 के शुभ अवसर पर अपना नया फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च कर दिया है। यह कलेक्शन पारंपरिक भारतीय कारीगरी और आधुनिक डिजाइन सौंदर्य का एक सुंदर संगम है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को कोमलता और गरिमा के साथ दर्शाता है। इस साल का कलेक्शन मुख्य रूप से गुलाबी रंग-पैलेट पर केंद्रित है, जिसमें हल्के गुलाबी से लेकर गहरा गुलाबी और फ्यूशिया जैसे जीवंत रंग शामिल हैं। कपड़ों को पारंपरिक खड़ी प्रिंटिंग और मेटैलिक एम्ब्रॉयडरी जैसी खास कारीगरी से सजाया गया है, जो उन्हें एक विशेष फेस्टिव लुक और चमक प्रदान करते हैं। यह कलेक्शन कपड़े और होम एंड लाइफस्टाइल दोनों श्रेणियों में उपलब्ध है। यह नया कलेक्शन राखी पर तोहफा देने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें कपड़ों के साथ-साथ खास गिफ्टिंग सेट भी शामिल हैं, जो प्यार और अपनापन दर्शाते हैं। फैबइंडिया का यह रक्षाबंधन 2025 कलेक्शन अब कंपनी की वेबसाइट **www.fabindia.com** पर उपलब्ध है।

मैच मैदान पर जीते जाते है, कागजों पर नही: भारत की ऐतिहासिक जीत पर बोले मोहम्मद कैफ

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट में जीत के लिए शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम की जमकर तारीफ की। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज 2-2 से बराबर कर ली, जिसके बाद ट्रॉफी दोनो टीमो के बीच साझा हो गई।

ओवल में भारत के लिए यह एक शानदार जीत थी, क्योंकि चौथे दिन वे मैच में पिछे नजर आ रहे थे। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रनो की ज़रूरत थी और उसके चार विकेट बाकी थे। इसलिए यह कहना गलत नही होगा कि वे मैच जीतने के प्रबल दावेदार थे। हालांकि, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी के कारण मेजबान टीम 374 रनो के लक्ष्य से चूक गई और 367 रनो पर ढेर हो गई।

इस पर कैफ ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'सबसे पहले, मुझे नही लगता कि ज़्यादा लोगो ने इस भारतीय टीम को मौका दिया था। वे विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना इंग्लैंड गए थे। शुभमन गिल नए कप्तान थे, और इस पर भी सवाल उठे थे। कुछ विशेषज्ञो ने 3-1 या 4-1 से हार की भविष्यवाणी की थी। लेकिन इस भारतीय टीम ने दिखा दिया कि मैच मैदान पर जीते जाते है, कागजो पर नही।' ओवल में जीत से भारत को डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारी लाभ हुआ और वह 46.67 पीसीटी के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया, जो इंग्लैंड से बेहतर है, जो 43.33 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर है।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025: 7187 रन, 21 शतक और 28 अर्धशतक, सीरीज में बने कई बड़े रिकॉर्ड्स

लंदन (एजेंसी)। भारत ने पांचवे और अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हरा दिया। 374 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 367 रनो पर आउट हो गई। जिससे पांच मैचो की सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में कुल 7187 रन बने। जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन योग है। इस रिकॉर्ड में सबसे बड़ा रन योग 1993 की एशेज सीरीज के दौरान बनाए गए 7221 रनो का है।

इस सीरीज में 21 शतक लगे जो किसी भी टेस्ट सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज़्यादा शतक है। शतक बनाने वाले बल्लेबाजो में शुभमन गिल, जो रूट, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत, हैरी ब्रुक, बेन डकेट, जेमी स्मिथ, बेन स्टोक्स, यशस्वी जायसवाल, ओली पोप और वाशिंगटन सुंदर शामिल थे।

दोनो टीमो ने 14 बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया, जिससे किसी भी टेस्ट सीरीज का नया रिकॉर्ड बना। भारत ने इनमें से आठ बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया। जो किसी भी टीम द्वारा किसी एक सीरीज में बनाया गया संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्कोर है। जो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनो के रिकॉर्ड की बराबरी करता है। किसी भी अन्य टीम ने एक सीरीज में छह से ज़्यादा ऐसे स्कोर नही बनाए है।

भारत ने एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा व्यक्तिगत 50+ स्कोर का नया रिकॉर्ड बनाया, जिसमें 28 ऐसे स्कोर शामिल है। इंग्लैंड ने 32 के साथ इसे थोड़ा बेहतर किया।

ओवल में भारत की छह रन की जीत टेस्ट इतिहास में उनकी सबसे कम अंतर से जीत भी थी। यह पहली बार था जब भारत ने घर से बाहर किसी सीरीज का पांचवा टेस्ट जीता। इसके साथ इंग्लैंड ने 2018 के बाद से भारत के खिलाफ कोई टेस्ट सीरीज नही जीती है।

जस्सी भाई की कमी खली, अगर वह होते तो यह खास होता: पांचवें टेस्ट में जीत पर बोले सिराज

लंदन (एजेंसी)। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।'

बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए। सोमवार को सुबह के सत्र में उन्होंने जो भी गेंद फेंकी, उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया।

उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।'

सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती। हम आराम कर रहे होते। लेकिन ऊपर वाले ने हमारे लिए कुछ और ही सोच रखा था। वह हमें सोमवार को स्टेडियम तक ले आया और नतीजा सबके सामने है।'

वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटायें गंभीर : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर प्रमुख खिलाड़ियों को टीम से बाहर रहना ठीक नहीं है। गावस्कर ने कहा कि पहले भी खिलाड़ियों को आराम दिया जाता था पर तब कम कम महत्वपूर्ण और औपचारिकता मुकाबलों में ऐसा किया जाता था। इससे प्रमुख खिलाड़ियों को आराम भी मिल जाता था और टीम को नुकसान भी नहीं होता था। इसके साथ ही नए खिलाड़ियों को भी अवसर मिल जाता था। साथ ही कहा कि तब वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर महत्वपूर्ण मुकाबलों से स्टार खिलाड़ी दूर नहीं होते थे। इसके साथ ही गावस्कर ने कहा कि कोच गंभीर वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटा दें।

गावस्कर ने वर्कलोड मैनेजमेंट के विचार को खारिज करते हुए कहा , 'लोग वर्कलोड की बात कर रहे, अगर इसके आगे आप झुक जाते हैं तो आप मैदान में कभी अपना बेस्ट प्लेयर नहीं ला पाएंगे।' गावस्कर ने कहा, 'आप देश के लिए खेल रहे हो, और जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हैं तो आपको अपनी मांसपेशियों में दर्द को भूलना होगा। सरहद पर यही होता है।' उन्होंने कहा, क्या आपको लगता है कि जवान कभी ठंडी या गरम हालात की शिकायत करते हैं? वे वहां पर तैनात हैं, देश के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। आपको देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही होगा।

ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज का उदाहरण देते हुए गावस्कर ने कहा, छोटे-मोटे दर्द को लेकर चिंता मत करो। ऋषभ ने जो किया, वो क्या दिखाता है? वह फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरा। अपनी टीम में आप इसी तरह की भावना देखना चाहते हो। यही अपेक्षा की जाती है। छोटी-मोटी चोट से पीछे मत हटो। 140 करोड़ लोगों में से आपको भारत का प्रतिनिधित्व करने को मिला है, यह एक सम्मान है। आप अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली है और इसलिए आपको इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। वहीं सिराज ने 5 टेस्ट मैचों में लगातार गेंदबाजी की है। गावस्कर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वर्कलोड भारतीय क्रिकेट की डिक्शनरी से बाहर होगा। मैं लंबे समय से यह बात कहता आया हूं। साथ ही कहा कि वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर उनके बयान को जसप्रीत बुमराह से नहीं जोड़ा जाना चाहिये क्योंकि बुमराह चोट की वजह से बाहर थे, न कि वर्कलोड की वजह से। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की सीरीज में जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ 3 ही मुकाबले खेले थे। इनमें से दो में भारत को हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ हुआ था। भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर की है।

टिम डेविड पर लगा जुर्माना, वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में किया आचार संहिता का उल्लंघन

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टिम डेविड पर 28 जुलाई को सेंट किट्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डेविड को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो फ़किसी अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जतानेफ़ से संबंधित है। इसके अलावा, डेविड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के पांचवें ओवर में हुई, जब अल्जारी जोसेफ ने डेविड को लेग साइड में एक गेंद फेंकी, जिसे वाइड नहीं दिया गया। डेविड ने अपनी बाहें फैलाकर और गेंद को वाइड करार देने का इशारा करके अपनी असहमति जताई और फिर अपनी बाहें फैलाए हुए ही अंपायर की ओर चल पड़े। डेविड ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के रॉन किंग द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर जाहिद बसाराथ और लेस्ली रीफर, तीसरे अंपायर डेइटन बटलर और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप लगाए। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत, और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया : ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में भारतीय टीम को मिली जीत से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बेहद उत्साहित हैं। इस सीरीज को भारतीय टीम ने 2-2 से बराबर करने में सफलता हासिल की है। ऋषभ को चौथे टेस्ट में चोटिल होने के कारण सीरीज के बीच में ही वापस लौटना पड़ा था। उन्होंने कहा है कि ये टीम एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है। इस दौरे से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। ऋषभ ने सोशल मीडिया में कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'एक ऐसा दौरा जिसने हमसे बहुत कुछ मांगा और बदले में उससे भी ज्यादा दिया। मुझे गर्व है कि हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इस दौरान टीम ने अपने को हालातों के अनुसार ढाला और लगातार टीम लड़ती रही। देश का प्रतिनिधित्व करना हमारे लिए सबये जरुरी है, इसके लिए हम अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं और इसी में हमें गर्व भी है। हमारे शानदार सहायोगी स्टाफ और उन सभी प्रशंसकों का बड़ा धन्यवाद, जिन्होंने पूरे समय हमारा साथ दिया। यह टीम भूखी है, एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है।' इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी चोट की एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें उनके दाहिने पैर की छोटी उंगली के पास कुछ टेपिंग है और उंगली पर पट्टी बंधी हुई है। इसी उंगली के पास फ्रैक्चर हुआ था और ऋषभ इसके बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। इस दौरान उनके साहस की सभी ने प्रशंसा की थी। ऋषभ ने इस दौरे पर चार मैचों की सात पारियों में 2 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही कुल 479 रन बनाए थे।

नोवाक जोकोविच ने छोड़ा सिनसिनाटी ओपन, यूएस ओपन पर करना चाहतें हैं फोकस

सिनसिनाटी। 24 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता और दुनिया के छठे नंबर के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने गैर-चिकित्सीय कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में न खेलने का फैसला किया है। इससे पहले उन्होंने पीठ की तकलीफ के कारण कैनेडियन मास्टर्स से भी अपना नाम वापस ले लिया था। ये लगातार दूसरा मौका है जब जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट से हटे हैं। उनके नाम इस स्तर पर 45-12 का प्रभावशाली जीत-हार रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2023 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे यादगार जीत दर्ज की थी। वह मुकाबला तीन सेटो में खेला गया था। इस सीजन में नोवाक जोकोविच का प्रदर्शन 26 जीत और 9 हार का रहा है। उन्होंने मई 2025 में जिनेवा में अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से वह केवल दो टूर्नामेंट खेले हैं फ्रेंच ओपन और विंबडलन, जहां दोनों बार उन्हें जैनिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। अब उनके सामने यूएस ओपन 2025 है, जो 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। वहां उनका लक्ष्य होगा अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर महिला और पुरुष सिंगल्स दोनों को मिलाकर सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करना। वह महिला वर्ग की दिग्गज मार्गरेट कोर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई

टोरंटो। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-7(8), 6-4, 6-3 से हराकर नेशनल बैंक ओपन (कैनेडियन ओपन) के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अपने 75वें टूर-स्तरीय सेमीफाइनल में, ज्वेरेव नोवाक जोकोविच (196) के साथ उस मुकाम तक पहुंचने वाले केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

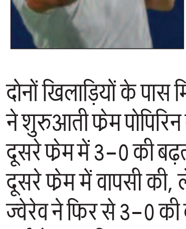

ज्वेरेव पिछले साल के रोलेक्स पेरिस मास्टर्स सेमीफाइनल के बाद पहली बार किसी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ज्वेरेव रॉडिक से आगे बढ़कर सीरीज के इतिहास में (1990 के बाद से) सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल (सातवीं बार) में पहुंचने वाले खिलाड़ी बने। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों खिलाड़ियों के पास मिनीब्रेक लीड और सेट पॉइंट थे, लेकिन एक अच्छे नेटकॉर्ड ने शुरुआती फ्रेम पोपिरिन को दे दिया। ज्वेरेव ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया और दूसरे फ्रेम में 3-0 की बढ़त बना ली और बाकी समय बढ़त बनाए रखी। गत चैंपियन ने दूसरे फ्रेम में वापसी की, लेकिन ब्रेक के कारण मैच निर्णायक गेम में पहुंच गया, जहां ज्वेरेव ने फिर से 3-0 की बढ़त बना ली, जिसे उन्होंने नहीं छोड़ा। ज्वेरेव ने अपने पहले सर्व में 82 प्रतिशत अंक जीते और अपने अंतिम 17 में से 16 अंक सर्व पर हासिल किए। उन्होंने ड्रॉप-वॉली विनर के साथ मैच का शानदार समापन किया। सेमीफाइनल में उनका सामना रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव 75वीं बार एटीपी टूर के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वह अपने कुल 25वें और एटीपी 1000 मास्टर्स टूर्नामेंट में आठवें खिताब की तलाश में हैं।

एशिया कप 2025 से पहले फिट हुए सूर्याकुमार यादव, एनसीए ट्रेनिंग में लिया हिस्सा

बेंगलुरु। टी20 इंटरनेशनल कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख शहर में स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी करवाई और अब वह अपनी रिकवरी के दूसरे पड़ाव पर पहुंच गए हैं। उनके रिहैब से लेकर नेट ट्रेनिंग तक का सफर शुरू हो चुका है। बता दें कि, जून 2025 में सूर्या की जर्मनी में सर्जरी हुई जो पूरी तरह से सफल रही।

दरअसल, अगस्त 2025 की शुरुआत में बेंगलोर स्थित एनसीए में सूर्यकुमार यादव ने नेट ट्रेनिंग शुरू कर दी। ये उनकी सर्जरी के बाद पहली क्रिकेट प्रैक्टिस थी। ये ट्रेनिंग बहुत हल्की थी और मेडिकल टीम की निगरानी में थी। बीसीसीआई ने ये पुष्टि की कि, सूर्या अपने फिटनेस स्तर को धीरे-धीरे फिर से हासिल कर रहे हैं और वह एशिया कप कप 2025 के लिए पूरी तरह तैयार होने की राह पर चल रहे हैं। बता दें कि, एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होनी है। आईपीएल 2025 में सूर्या बेहतरीन फॉर्म में थे और उन्होंने 717 रन बनाए थे जो साई सुदर्शन के बाद किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन थे। वह सचिन तेंदुलकर के बाद एक ही सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के दूसरे बल्लेबाज भी बने थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में फखर के बिना ही उतरेगी पाक टीम

फ्लोरिडा (एजेंसी)। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ अगस्त से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। फखर दूसरे टी20 मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह तीसरे टी20 में भी शामिल नहीं थे। अब फखर लाहौर स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसए) में रिहैब के दौर से गुजरेंगे। इस दौरान पीसीबी का मेडिकल स्टाफ उनका ध्यान रखेगा। पीसीबी ने अभी तब एकदिवसीय सीरीज के लिए उनकी जगह किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया है।

फखर इस साल दूसरी बार किसी टूर्नामेंट से बाहर हुए हैं। इससे पहले 19 फरवरी को कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ओवर में क्षेत्ररक्षण करते समय भी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बचे हुए मैचों से बाहर कर दिया गया था। उन्हें उस समय ये चोट तब लगी जब न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग ने शाहीन अफरीदी की एक गेंद को कवर्स की तरफ खेला था। जिससे वह रोकने का प्रयास कर रहे थे। इस कारण उन्हें तीन माह तक खेल से दूर रहना पड़ा था।

एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच 8 अगस्त को खेला जाएगा जबकि दूसरा 10 अगस्त और सीरीज आखिरी और तीसरी एकदिवसीय मैच 12 अगस्त को खेला जाएगा ! ये तीनों ही मैच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, तारूबा, त्रिनिदाद में खेले जाएंगेद्य।

पाकिस्तान टीम = सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेट कीपर), सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी, सूफियान मुकीम, हारिस रऊफ, खुशदिल शाह, अबरार अहमद, हुसैन तलत।

इंग्लैंड की टीम घबरा गई, आखिरी दिन उनका रवैया गलत था: माइकल वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन इंग्लिश टीम के रवैये की आलोचना की है। सोमवार को 'केनिंग्टन ओवल' में मेजबान टीम को छह रन के करीबी अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। माइकल वॉन ने सुबह के सत्र में इंग्लैंड के जोखिम भरे रवैये की आलोचना की। इंग्लैंड को मुकाबले के अंतिम दिन जीत के लिए महज 35 रन की दरकार थी। इंग्लैंड के पास चार विकेट शेष थे। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी के चलते भारत ने मुकाबला अपने नाम करते हुए सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। वॉन ने 'द टेलीग्राफ' के लिए अपने कॉलम में लिखा, 'मैं उस टीम (इंग्लैंड) पर बहुत सख्ती नहीं करना चाहता, जिसे इस हफ्ते बदकिस्मती का सामना करना पड़ा। वह शायद अपने सबसे महत्वपूर्ण क्रिकेटर के बिना मैदान में उतरे, और फिर पहले दिन एक प्रमुख गेंदबाज को खो दिया। इंग्लैंड को प्रभावी रूप से 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए छह रन से शिकस्त झेलनी पड़ी। इसलिए मैं बहुत आलोचना नहीं करना चाहता।'

उन्होंने लिखा, 'लेकिन सच बात यह है कि इंग्लिश टीम घबरा गई थी। जैसे-जैसे वह जीत के करीब पहुंचते गए, उन्होंने ज्यादा जोखिम उठाने की कोशिश की। आखिरी दिन उनका तरीका गलत था। यह बहुत जोखिम भरा था। अगर इसमें 15 ओवर लगते हैं, तो लगे। आपको पांच ओवर में 35 रन बनाने की जरूरत नहीं है। बस एक स्थिर दिमाग की जरूरत थी।' पूर्व कप्तान ने लिखा, 'अगर भारत इस तरह हारता, तो हम कहते कि उन्होंने हार मान ली। अगर दक्षिण अफ्रीका इस तरह हारता, तो हम कहते कि उन्होंने हार मान ली। यह इतनी भारी चूक थी। यह हार इंग्लैंड को सचमुच बहुत नुकसान पहुंचाएगी। जब आप जानते हों कि आपको मैच जीतना है, तो हार बहुत निराशाजनक होती है।' बता दें कि इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रन का टारगेट मिला था, जिसके जवाब मे इंग्लैंड की टीम 367 रन पर सिमट गई। सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि कृष्णा ने चार विकेट लेकर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। इंग्लैंड को हैरी ब्रुक (111) और जो रूट (105) के शतकों ने सहारा दिया, लेकिन अंत में यह नाकाफी साबित हुआ।

ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी बदल दी, लेकिन मैं इसे भूल चुका हूं: पहलवान अमन सहरावत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने से अमन सहरावत के कंधों से काफी बोझ उतर गया है लेकिन इस युवा पहलवान का कहना है कि वह इस उपलब्धि को पहले ही भूल चुके हैं क्योंकि अतीत की उपलब्धियों पर बैठे रहने से वह अपने बड़े सपनों को पूरा नहीं कर पाएंगे।

छोटी सी उम्र में अनाथ हो जाने के कारण बिरोहर में जन्मे इस पहलवान के लिए जिंदगी आसान नहीं रही। उनके चाचा ने उनका पूरा साथ दिया, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियां अमन पर भारी पड़ती रहीं। लेकिन पिछले वर्ष पेरिस में कांस्य पदक जीतने से उन्हें पहचान और पैसा मिला, जिससे उनका जीवन आसान हो गया।

विश्व चैंपियनशिप के लिए 57 किग्रा चयन ट्रायल जीतने के बाद अमन ने पीटीआई से कहा, ''ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी 90 फीसदी बदल दी। इससे पहले मुझे कोई नहीं जानता था। पहले मेरे प्रदर्शन पर गौर नहीं किया जाता था, लेकिन पेरिस की सफलता के बाद लोग मुझे जानने लगे, मेरा सम्मान करने लगे। मुझे लगा कि मैंने देश के लिए कुछ किया है और 10-15 साल की कड़ी मेहनत रंग लाई है।''

उन्होंने कहा, ''ओलंपिक पदक भगवान का आशीर्वाद है। मुझे जीतने की उम्मीद भी नहीं थी। महिला पहलवानों से तो उम्मीदें ज़्यादा थीं। ये तो भगवान का दिया प्रसाद ही है।'' अमन ने कहा, ''इससे मुझे भी प्रेरणा मिली। लोग अब मुझसे स्वर्ण पदक की उम्मीद कर रहे हैं। मैं अपने कांस्य पदक को पहले ही भूल चुका हूं। मैं इससे संतुष्ट होकर यह नहीं कह सकता कि मैंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। अब मैं स्वर्ण पदक के लिए तैयारी कर रहा हूं।''

शीर्ष स्तर पर सफलता ने किस प्रकार उनके जीवन को बदल दिया, इस बारे में उन्होंने कहा, ''अब मैं जो चाहूं खरीद सकता हूं। पहले मुझ पर दबाव था कि भविष्य में मुझे अपनी छोटी बहन को पढ़ाना है और उसकी शादी करनी है। अब मैं निश्चिंत होकर अभ्यास कर सकता हूं। अब मुझे पैसों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।''

अमन ने कहा, ''ऐसा नहीं है कि हमारा ध्यान नहीं रखा गया। मेरे चाचा ने हमेशा हमारा साथ दिया है, लेकिन एक बड़े भाई की जिम्मेदारी क्या होती है इसके बारे में तो सभी सोचते हैं।'' पेरिस ओलंपिक के बाद से अमन ने सिर्फ दो टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है। वह सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक के बाद, मैंने सोचा था कि मैं विदेश में अभ्यास करूंगा लेकिन चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं जैसी आप उम्मीद करते हैं। फिर मैं चोटिल भी हो गया।''

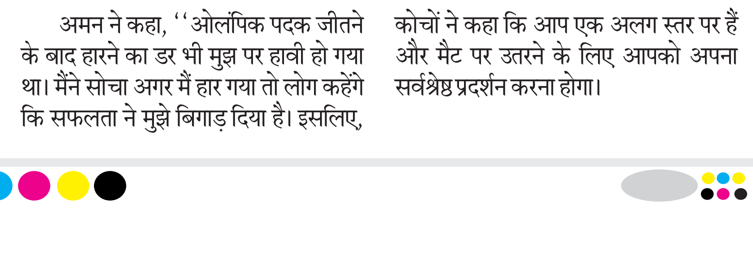

अमन ने कहा, ''ओलंपिक पदक जीतने के बाद हारने का डर भी मुझ पर हावी हो गया था। मैंने सोचा अगर मैं हार गया तो लोग कहेंगे कि सफलता ने मुझे बिगाड़ दिया है। इसलिए, कोचों ने कहा कि आप एक अलग स्तर पर हैं और मैट पर उतरने के लिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

रामायण के लिए रणबीर कपूर ने छोड़ दी इस दिग्गज सिंगर की बायोपिक

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण की तैयारियों में व्यस्त हैं। उन्हें जब यह फिल्म ऑफर हुई, उसी समय उनके पास दिवंगत सिंगर किशोर कुमार की बायोपिक का प्रस्ताव भी आया था। दोनों में से एक फिल्म को चुनना उनके लिए चुनौती थी। हालांकि, रणबीर ने किशोर कुमार की बायोपिक को छोड़कर रामायण साइन की। इसका खुलासा हाल ही में अनुराग बसु ने किया है।

मुश्किल था रणबीर के लिए यह फैसला

निर्देशक अनुराग बसु ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि रणबीर कपूर ने सिंगर की बायोपिक के बजाय रामायण को चुना। हालांकि, यह फैसला करना उनके लिए बहुत मुश्किल था। मगर, उन्होंने सही फैसला कर लिया। अनुराग बसु ने बातचीत के दौरान बताया कि शेड्यूल में टकराव के चलते रणबीर को दोनों प्रोजेक्ट्स यानी रामायण और किशोर कुमार की बायोपिक में से किसी एक को चुनना पड़ा। उन्होंने कहा, रणबीर के लिए यह जिंदगी में एक मुश्किल चुनाव था। किशोर कुमार की बायोपिक या रामायण। उनके लिए यह बहुत मुश्किल था। आखिरकार उन्होंने रामायण को चुना और मुझे लगता है कि यह सही फैसला था।

अनुराग बसु की इन फिल्मों में काम कर चुके हैं रणबीर

रणबीर कपूर और अनुराग बसु पहले भी कई बार साथ काम कर चुके हैं। इनमें बर्फी (2012) और जग्गा जासूस (2017) जैसी फिल्में शामिल हैं। हालांकि, दोनों ने फिर से साथ काम करने की इच्छा जताई। मगर, इस बार रणबीर कपूर के व्यस्त शेड्यूल के चलते ऐसा नहीं हो पाया। अनुराग बसु ने आगे कहा, हम साथ काम करने की कोशिश करते रहते हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है।

सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज होने पर खुशी से झूमीं मृणाल ठाकुर

बोलीं- इससे बेहतर जन्मदिन का तोहफा नहीं

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस खास मौके पर अभिनेत्री ने एक पोस्ट के जरिए बताया है कि उनके लिए ये जन्मदिन का सबसे खास तोहफा था। मृणाल अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं।

मृणाल ठाकुर ने किया पोस्ट

एक्ट्रेस के लिए ये दिन खास रहा क्योंकि फिल्म की रिलीज ठीक उनके जन्मदिन पर हुई। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं शेयर करते हुए लिखा कि इससे बेहतर तोहफा उन्हें नहीं मिल सकता था। फिल्म की स्क्रीनिंग पर उनके करीबी दोस्त, परिवार और टीम मेंबर्स मौजूद थे। सभी ने मिलकर इस दिन को यादगार बना दिया। एक्ट्रेस ने दर्शकों और टीम का आभार जताते हुए कहा कि ये जर्नी उनके लिए हमेशा खास रहेगी।

मृणाल ने पोस्ट में क्या लिखा?

एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा- मैं अपने जन्मदिन की शुरुआत इससे बेहतर तरीके से नहीं कर सकती थी। सन ऑफ सरदार 2 आखिरकार रिलीज हो गई है और इस खास मौके पर मेरे सभी अपने मेरे साथ थे। ये पल मेरे दिल के बहुत करीब रहेगा- हमेशा। ये फिल्म पागलपन, जादू और बेहद शानदार, प्यारी और टैलेंटेड टीम से भरी हुई है। और अब राबिया दुनिया के सामने है- मुझे उम्मीद है कि आप उसे उतना ही प्यार देंगे जितना मैंने किया और अपने दिलों में उसके लिए थोड़ी सी जगह भी बना पाएंगे। हर उस इंसान का तहे दिल से शुक्रिया, जो इस छोटी-सी यात्रा का हिस्सा बना।

सन ऑफ सरदार 2 में अजय देवगन एक बार फिर जस्सी रंधावा के किरदार में अपने देसी अंदाज और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के साथ लौटे हैं। उनके साथ मृणाल ठाकुर राबिया की भूमिका में नजर आईं।नीरू बाजवा डिंपल के रोल में और रवि किशन राजा के किरदार में दमदार नजर आए। फिल्म की सपोर्टिंग स्टारकास्ट में दीपक डोबरियाल (गुल), चंकी पांडे (दानिश), कुब्रा सैत (महविश), संजय मिश्रा (बंटू पांडे), अश्विनी कालसेकर (प्रेमलता), डॉली अहलूवालिया (बेबे), मुकुल देव (टोनी), विंदू दारा सिंह (टीटू), साहिल मेहता (गोग्गी), रोशनी वालिया (सबा) और शरत सक्सेना (रंजीत सिंह) शामिल हैं।

परम सुंदरी के परदेसिया पर बोले सचिन-जिगर

संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने अपकमिंग फिल्म 'परम सुंदरी' के गाने 'परदेसिया' पर बात की और कहा कि उनका मकसद एक ऐसा गाना बनाना था जो टाइमलेस हो यानि समय की बाधा से मुक्त हो, जिससे हर वर्ग और पीढ़ी इसे दिल की गहराइयों से स्वीकार कर सके। परम सुंदरी के परदेसिया गाने को फिल्ममेकर्स ने 30 जुलाई को रिलीज कर दिया है। सचिन-जिगर ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'परदेसिया' एक ऐसा गाना है जिसमें भावनाएं, आवाज और लेखन पूरी तरह एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हम चाहते थे कि यह गाना ऐसा हो जो नया होने के बावजूद लोगों के दिलों में बरसों से बसा हुआ लगे।

उन्होंने बताया कि गायक सोनू निगम की आवाज और उनके जन्मदिन पर गाने का रिलीज होना एक खास संयोग था। उन्होंने बताया, सोनू जी की आवाज में एक दर्द के साथ गहराई भी है। कृष्णकली की आवाज ने गाने को और भी आकर्षण देने का काम किया है। तीनों आवाजों का मेल इस गाने को और भी खास बनाता है। उन्होंने गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य की तारीफ करते हुए कहा, उनके शब्द भावनाओं को खूबसूरती से पेश करते हैं। वह शब्दों को नहीं, भावनाओं को लिखते हैं। रोमांस सिनेमा में वापसी कर रहा है और 'परदेसिया' के जरिए हम प्यार के साथ स्लो डांस को फिर से लेकर आए हैं।

बॉलीवुड के बाद अब तेलुगु सीरीज में नजर आएंगी दिव्या दत्ता

मशहूर अभिनेत्री दिव्या दत्ता बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों को दीवाना बनाने के बाद अब तेलुगु मनोरंजन जगत में भी जलवा बिखेरने को तैयार हैं। एक्ट्रेस मायासभा नाम के वेब सीरीज से तेलुगु इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं, जिसका ट्रेलर भी गुरुवार को रिलीज कर दिया गया।

एक्ट्रेस ने शेयर किया पोस्ट

दिव्या दत्ता ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी तेलुगु वेब सीरीज मायासभा का ट्रेलर शेयर किया। इस ट्रेलर में एक्ट्रेस राजनेता के रूप में नजर आ रही हैं और उनकी प्रेजेंस ने सीरीज में जान डालने का काम किया है। इस ट्रेलर को शेयर करते हुए दिव्या दत्ता ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसी कहानी, जिसने राज्य की किस्मत बदल दी।'

लंबे समय से तेलुगु सिनेमा में आना चाहती थीं एक्ट्रेस

बातचीत में दिव्या दत्ता ने कहा, 'पहली बार हमेशा खास होता है और मैं लंबे समय से तेलुगु सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थी। बॉलीवुड और साउथ फिल्मों के बीच बढ़ते तालमेल के साथ मुझे इस शो के साथ शुरुआत करने पर गर्व है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी आगामी सीरीज बहुत ही शानदार होने वाली है। उन्होंने अपने निर्देशक और क्रू मेंबर्स का धन्यवाद किया है, जिनके कारण वह तेलुगु में डेब्यू कर रही हैं।

मजबूत महिला किरदार निभाना पसंद है

अभिनेत्री परिणीता बोरठाकुर जल्द ही जी टीवी के लोकप्रिय शो वसुधा में खास किरदार में नजर आएंगी। नई और प्रभावशाली भूमिका निभाने के लिए तैयार अभिनेत्री ने बताया कि शो में उनके किरदार का नाम चंद्रिका सिंह चौहान है, जो एक परिवार मुखिया का सशक्त और दमदार किरदार है।

परिणीता ने बताया कि किसी चल रहे शो में बीच में किसी किरदार को निभाना अपने आप में कई चुनौतियां लेकर आता है, लेकिन वह इसे एक बड़े अवसर के रूप में देखती हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद हैं।

परिणीता ने अपने किरदार के बारे में बताया, वासुधा जैसे शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत रोमांचक है। यह शो पहले से ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय है और हाल ही में टीवी इंडस्ट्री के टॉप 10 शोज में शामिल हुआ है। बीच में किसी किरदार को अपनाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मैं इसे एक अवसर के रूप में देखती हूं, जिसके जरिए मैं एक ऐसी कहानी का हिस्सा बन सकती हूं, जो पहले से ही लाखों लोगों के दिलों को छू चुकी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे हमेशा से गहरी भावनाओं और मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद रही हैं। चंद्रिका के किरदार के बारे में जानते ही मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ। वह एक ऐसी महिला है जो शांत, दमदार और दृढ़ विश्वास के साथ परिवार का नेतृत्व करती है। मैं इस किरदार में अपनी शैली लाने की कोशिश करूंगी, साथ ही उस मूल भावना को बनाए रखूंगी, जिसे दर्शकों ने पसंद किया है।

वसुधा की कहानी में करिश्मा और मेघा की साजिशों के बीच चंद्रिका एक स्थिर और मजबूत किरदार के रूप में उभरती है, जो अनुशासन और गरिमा के साथ परिवार को संभालती है।

परिणीता ने कहा, चंद्रिका का किरदार भावनात्मक मुश्किलों और सिद्धांतों से भरा है। इसे निभाना मेरे करियर का सबसे रचनात्मक अनुभव रहा है। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक मेरे इस किरदार को अपनाएंगे। पहले इस किरदार को नौशीन अली सरदार ने निभाया था। निर्माता अरविंद बब्बल ने बताया, नौशीन ने चंद्रिका के किरदार को बहुत खूबसूरती और गरिमा के साथ निभाया। हम उनके योगदान के लिए आभारी हैं। अब परिणीता बोरठाकुर का स्वागत करते हुए हमें खुशी है। वह एक संवेदनशील और प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, जिन्होंने चंद्रिका के व्यक्तित्व को गहराई से समझा है।

अभिषेक बच्चन की स्ट्रीमिंग में सफलता और स्मार्ट चुनाव

ऐसे इंडस्ट्री में जहाँ अटेन्शन क्षण भर के लिए होता है और डिजिटल दर्शकों को खुश करना बेहद कठिन माना जाता है, अभिषेक बच्चन उन गिने-चुने अभिनेताओं में से हैं जिन्होंने न केवल ओटीटी के दौर में खुद को बनाए रखा है, बल्कि इस माध्यम को बखूबी साधा भी है। हाल ही में विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर उनके एक से बढ़कर एक प्रभावशाली प्रदर्शन यह साबित कर रहे हैं कि आज की सफलता शोर मचाने में नहीं, बल्कि सही चुनाव करने में है। चाहे वह तीखी व्यंग्यात्मक फिल्म हो, भावनात्मक ड्रामा हो या फिर दिल को छू लेने वाली हल्की-फुल्की कहानी—अभिषेक ने ऐसी कहानियों के साथ तालमेल बिठाया है जो दिल को छूती हैं और ऐसे किरदार निभाए हैं जो सीमाओं को चुनौती देते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो की हिट फिल्म बी हैप्पी को ही ले लीजिए, जो रिलीज़ होते ही नंबर 1 पर ट्रेंड करने लगी। इस फिल्म की गर्मजोशी, हास्य और रिलैटेबिलिटी ने हर उम्र वर्गों के लोगों को प्रभावित किया, और कई लोगों ने इसे साल की सबसे सुकून देने वाली फिल्मों में से एक बताया। इससे पहले नेटफ्लिक्स पर आई वांट टू टॉक आई थी, जो न केवल स्ट्रीमिंग पर सफल रही, बल्कि हर जगह चर्चा का विषय बन गई, और अभिषेक को उनके बहुस्तरीय, संयमित अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। शिक्षा व्यवस्था पर आधारित सामाजिक कॉमेडी दसवी नेटफ्लिक्स इंडिया के चार्ट में टॉप पर पहुँच गई और अपने तीखे संदेश और कॉमिक टाइमिंग के लिए जानी गई। वहीं कालीधार लापता ने उनकी डिजिटल जर्नी को एक और बेहतरीन और समीक्षकों द्वारा सराही गई भूमिका के साथ पूरा किया, जो दिखाता है कि वह किस तरह से सहजता से विभिन्न शैलियों और माध्यमों के बीच बदलाव करते हैं।

सफलता बहुत से एक्टर्स को पैरालाइज कर देती है, यहां खुद को बचा लेना सबसे बड़ी उपलब्धि

गुलाल, चमेली, हासिल और अतरंगी रे जैसी दर्जनों फिल्में कर चुके एक्टर पंकज झा ने वेब सीरीज पंचायत के विधायक चंद्रकिशोर सिंह के रूप में अपनी एक्टिंग का सिक्का जमा दिया। इन दिनों वह अपनी नई वेब सीरीज सरपंच साहब के लिए चर्चा में हैं, जिसे लेकर हुई खास बातचीत के दौरान उनके व्यक्तित्व के कई अनछुए पहलुओं के बारे में रोचक खुलासे हुए।

साइडलाइन हो रहे हाइब्रिड एक्टर

अपनी जिंदगी को एक अलग ही दर्शन से जीने वाले पंकज झा पंचायत के विधायक चंद्रकिशोर सिंह के बाद वेब सीरीज सरपंच साहब में भी नेता त्रिवेणी सिंह की भूमिका में नजर आए। ऐसे में, कहीं इंडस्ट्री के आम चलन के मुताबिक, वह भी नेता के रोल में दोहराव या टाइप कास्टिंग के शिकार तो नहीं हो रहे? इस सवाल पर वह कहते हैं, नहीं, मेरे साथ ऐसा कुछ नहीं हो रहा है, क्योंकि मैं किसी इंडस्ट्री से बिलॉन्ग ही नहीं करता हूं। मेरी अपनी खुद की इंडस्ट्री है। मैं यह सब रंग अपने ऊपर नहीं चढ़ने देता हूं। मेरी अभी किताब आई है- अज्ञात से ज्ञात की ओर, जो मैंने अमिताभ बच्चन जी को गिफ्ट की। उन्होंने मेरी कविता ट्वीट भी की, तो लोग मुझे लेखक भी बोलते हैं।

मैं कोई आज का एक्टर तो हूं नहीं

पुणे में मेरा अपना स्टूडियो है। जहांगीर आर्ट गैलरी में मेरी चित्रों की प्रदर्शनी लगी तो लोग मुझे पेंटर भी बोलते हैं, ऐसे में मैं इस बात की क्या फिक्र करूंगा कि लोग मुझे नेता के रोल में देख रहे हैं। मैं कोई आज का एक्टर तो हूं नहीं। मेरी पूरी जर्नी है। मैं एनएसडी रेपेट्री में था। फिर मीरा नायर, राम गोपाल वर्मा वगैरह के साथ मैंने गुलाल, ब्लैक फ्राइडे, चमेली जैसी 50 से ऊपर फिल्में की हैं। मैंने अपने ऊपर काम किया है। ओशो की थेरेपी, ध्यान-मेडिटेशन में खुद को लगाया है।

मैं जब अभिनय करता हूं तो उस पात्र को जीता हूं

पंकज झा ने आगे बताया, एक्टिंग की बारीकियां, एक्टिंग क्या होता है, एनर्जी कैसे वर्क करती है? इन चीजों पर मैंने बहुत काम किया है। ओशो ने कहा था कि जीवन ऐसे जियो, जैसे अभिनय कर रहे हो और अभिनय ऐसे करो, जैसे जीवन जी रहे हो। मेरी यही फिलॉसफी है। मैं जब अभिनय करता हूं तो उस पात्र को जीता हूं, वही जिंदापन लोगों को छूता है, क्योंकि अब फेक, झूठी फिल्में, जिनका रिएलिटी से कोई वास्ता नहीं है, उसे लोग नहीं देख रहे हैं। इसलिए जो हाइब्रिड वाले एक्टर हैं, वो साइडलाइन हो रहे हैं। त्रिवेणी सिंह नेता है, मगर बहुत प्यार किरदार है, जो पूरे गांव को जागरूक करता है।

जिसके पास जितना वक्त, वो उतना धनी

पंकज अपनी जिंदगी का मकसद लोगों को अपने अर्जित ज्ञान को लौटाना मानते हैं। बकौल पंकज झा, मेरे गुरु ने कहा था कि उनका ऋण आप एक ही शर्त पर चुका सकते हैं कि गुरु से जो भी मिला है वो दुनिया को बांट दो। इसलिए, मैं अपने शब्दों, अपनी लेखनी, अपनी चित्रों के जरिए उसे लौटाने की कोशिश करता हूं। उन्होंने हमें मौत को आगे करके जीना सिखाया है कि हम कभी भी इस दुनिया से जा सकते हैं। हम सब यहां मेहमान हैं, तो जब तक हो, अच्छे से रहो।

मेरे लिए सफलता का मापदंड यह है कि आप आज में कितने जिंदा हैं

हर रोज आसपास के लोग दुनिया से जा रहे हैं। जब एक बार आपको यह अहसास हो जाएगा कि ये दुनिया आपका घर नहीं है तो आपकी जिंदगी से तनाव, भविष्य की चिंता, दिखावा, बेईमानी, ये सब खत्म हो जाएगी। आप जिंदगी को जीने लगेंगे कि अरे, इतनी सुंदर जिंदगी है और हम किन चीजों में उलझे हुए हैं। मैं दुनिया में उसको धनी मानता हूं, जिसके पास खुद के लिए समय है। मेरे लिए सफलता का मापदंड यह है कि आप आज में कितने जिंदा हैं। जैसे, मेरा कोई अतीत नहीं है, इसलिए मेरा कोई भविष्य भी नहीं है। मैं इस पल में जीता हूं।

देश के लोगों जाग जाओ... आखिरकार ऐसी अपील क्यों कर रहीं महबूबा

श्रीनगर (एजेंसी)। अनुच्छेद 370 को खत्म करने की छठी वर्षगांठ पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने फैसले पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए यह बयान दिया था। उन्होंने कहा, देश के लोगों जाग जाओ क्योंकि महबूबा का मानना है कि यह फैसला न केवल जम्मू-कश्मीर के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक काला दिन था। महबूबा का आरोप है कि मोदी सरकार ने बहुमत का दुरुपयोग करके संविधान का उल्लंघन किया और इस तरह के फैसले से देश के संवैधानिक मूल्यों को नुकसान पहुंचा है। वे मानती हैं कि आज जम्मू-कश्मीर के साथ जो हुआ है, भविष्य में देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसा हो सकता है। इसलिए, वह देश के लोगों को इस मुद्दे के प्रति जागरूक करना चाहती हैं। इस दिन, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी इस फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम भी हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की गई है। इस मामले पर 8 अगस्त को सुनवाई होनी है, जो इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाता है।

उदयपुर की होटल में रेव पार्टी में पुलिस की रेड, 11 युवतियों समेत 50 गुजराती हिरासत में

अहमदाबाद (एजेंसी)। राजस्थान की उदयपुर पुलिस ने शहर के पास कोडियात रोड स्थित होटल गणेश होटल में चल रही रेव पार्टी में रेड कर 11 युवतियों समेत 50 जितने गुजरातियों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए लोगों से उदयपुर पुलिस कर रही है। होटल में सभी दस्तावेजों की जाँच और पूछताछ की जा रही है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस इस मामले को स्पष्ट करेगी। दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि उदयपुर कोडियात रोड स्थित होटल गणेश रेस्टोरेंट में रेव पार्टी और देह व्यापार चल रहा है। सूचना के आधार पर शनिवार देर रात डीएसपी सूर्यवीरसिंह राठौड़ के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस कर्मियों ने होटल पर छापा मारा। इस दौरान शराब समेत आपत्तिजनक सामग्री परोसी जा रही थी। पुलिस की छापेमारी से हड़कंप मच गया। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। उदयपुर के पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठौड़ के मुताबिक गणेश होटल में रेव पार्टी और देह व्यापार की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जिसमें 50 जितने युवक-युवतियां पकड़े गए हैं। इनमें से ज़्यादातर उदयपुर के बाहर से आए पर्यटक हैं। पूछताछ जारी है और सभी के पहचान पत्र देखे जा रहे हैं। भारी मात्रा में नशीला पदार्थ भी मिला है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक के बाद अपनी क्षमताओं को बढ़ाने में जुटी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक के बाद अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण बदलाव कर रही है। इन बदलावों में मुख्य रूप से प्रत्येक बटालियन में मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों को शामिल करना शामिल है। इस बदलाव में मुख्य रूप से बटालियन में शामिल पैदल सेना, तोपखाने और बख्तरबंद गाड़ियों के साथ यूएवी और ड्रोन रोधी इकाइयों को भी शामिल करना है। हालांकि सेना की सभी इकाईयां ड्रोन्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन इन्हें अभी भी छोटे रूप में ही इस्तेमाल किया जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इनका महत्व जगजाहिर हो गया है। इन बदलाव के तहत प्रत्येक बटालियन स्तर पर यूएवी, ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। यह कदम भविष्य के युद्धों और बदलती तकनीकों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में मिली सफलता और अनुभवों के आधार पर इन प्रणालियों के महत्व को पहचाना है। पहले भी ड्रोन का उपयोग होता था, लेकिन अब उन्हें बड़े पैमाने पर और व्यवस्थित तरीके से शामिल किया जाएगा। नई प्रणाली के तहत, प्रत्येक बटालियन में इन प्रणालियों को संचालित करने के लिए समर्पित टीमें बनाई जाएंगी। इन टीमों के कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इतना ही नहीं सेना 30 नई हल्की कमांडो बटालियन, जिन्हें भैरव यूनिट नाम दिया गया है, बनाने की भी तैयारी कर रही है। प्रत्येक यूनिट में 250 सैनिक और उन्हें सटीक अभियानों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

मायावती ने अफवाहों पर लगाया विराम....न एनडीए और न ही इंडी गठबंधन में बसपा

मीडिया के कुछ समूह उनकी पार्टी की छवि को खराब करने में जुटे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बयान जारी कर साफ किया है कि उनकी पार्टी किसी भी राजनीतिक गठबंधन का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि बसपा न बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में है और न ही कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन में है। मायावती ने पोस्ट में कहा कि उनकी पार्टी सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के अंबेडकरवादी सिद्धांतों पर चलती है, और वह इन दोनों गठबंधनों से अलग है।

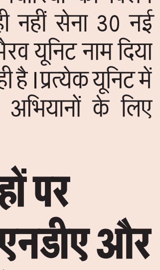

उन्होंने मीडिया के कुछ वर्गों पर बसपा की छवि को खराब करने और राजनीतिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक यूट्यूब चैनल ने बीजेपी के साथ आ आई मायावती कर दिया बड़ा ऐलान? शीर्षक से गलत और तथ्यहीन खबर चलाई, जबकि खबर का अंदरूनी हिस्सा कुछ और था। उन्होंने इस तरह के प्रयासों की निंदा कर कहा कि चैनल को माफी मांगनी चाहिए। मायावती ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे ऐसे राजनीतिक षड्यंत्रों से सावधान रहें और किसी के बहकावे में न आएं, क्योंकि जातिवादी तत्व हमेशा अंबेडकरवादी विचारधारा को कमजोर करने के घिनौने षड्यंत्रों में लगे रहते हैं।

थरूर, मनीष के बाद कीर्ति चितंबरम ने राष्ट्रीय हित को प्रथम बताया... राहुल गांधी की रणनीति के उलट

क्या ये बयान के शीर्ष नेतृत्व को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनदिनों कांग्रेस (आईएनसी) के भीतर एक नया बदलाव देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी और अब कार्ति चितंबरम जैसे वरिष्ठ नेता पार्टी लाइन से हटकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने की बात कर रहे हैं। इस बीच, कार्ति चितंबरम का हालिया बयान ने कांग्रेस पार्टी में एक नई बहस छेड़ दी है। कार्ति चितंबरम का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस के भीतर ही कुछ नेता राहुल गांधी की रणनीति से असहमति जता चुके हैं।

कार्ति ने पोस्ट में लिखा, हमें अपने राष्ट्रीय हित में काम करना चाहिए, न कि आवेगशील राष्ट्राध्यक्षों के चिड़चिड़ाहट भरी बातों से प्रभावित हो जाना चाहिए। कार्ति की यह टिप्पणी भारतीय विदेशी सरकार के उस बयान के जवाब में आई, जिसमें रूस से तेल आयात को लेकर यूरोपीय संघ और अमेरिका की आलोचना का जवाब दिया गया था।

कांग्रेस नेता कार्ति का पोस्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर प्रहार माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भारत को रूस से सैन्य और ऊर्जा खरीद के लिए आड़े हाथों लिया था। कीर्ति की पोस्ट को लेकर अब सोशल मीडिया पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आईं, जहां कुछ यूजर्स ने बयान को राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती' करार दिया, वहीं कुछ ने इन बयानों को 'कांग्रेस में नई सोच' की शुरुआत बताया।

इसके पहले, शशि थरूर और सांसद मनीष तिवारी ने भी राष्ट्रीय हित को पार्टी हित से ऊपर रखने की बात कही थी। शशि थरूर जिनसे आजकल कांग्रेस आलाकमान के करीबी नेता नाराज चल रहे है। उन्हें हाल के दिनों में कई बार भारत की विदेश नीति की तारीफ करते दिखे हैं। उन्होंने रूस और अमेरिका के साथ संतुलित रिश्तों की वकालत की है। इसी तरह, मनीष तिवारी ने संसद में चर्चा के दौरान कहा कि भारत को अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति अपनानी चाहिए, भले ही यह पार्टी के कुछ नेताओं की राय से मेल न खाए।

लेकिन कांग्रेस के इन नेताओं का बयान राहुल गांधी की बातों के उलट दिखाता है। पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तकज राहुल गांधी केंद्र की नरेंद्र मोदी की नीतियों पर सवाल खड़े करते रहे हैं। इसके पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और रूस को 'डेड इकॉनमी' कहा था, तब भी इस पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया पर कई प्रश्न उठे थे। राहुल गांधी ने ट्रंप की इस बात को सही बताकर भारत की अर्थव्यवस्था को मृत करार दिया था। उनके इस बयान की खूब आलोचना हुई थी।

इस हिसाब से थरूर, मनीष तिवारी और अब कार्ति का राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने का रुख कांग्रेस में एक नई बहस छेड़ सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या राहुल गांधी बदलाव को स्वीकार करते हैं, या वे इन बयान को अपने नेतृत्व के लिए चुनौती के रुप में स्वीकार करते है। पार्टी के लिए यह समय आत्ममंथन का है। क्या वह राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाएगी या अपनी आंतरिक एकता को प्राथमिकता देगी? आने वाले दिनों में ही सवाल

का जवाब साफ हो सकेगा कि क्या राहुल गांधी नाराज होते हैं या वे इस नई सोच को अपनाएंगे।

लाल किले की सुरक्षा में बड़ी चूक, पांच अवैध बांग्लादेशी पकड़ाए!

-मॉक ड्रिल के दौरान सुरक्षा में अनदेखी करने पर 7 पुलिसकर्मी सस्पेंड

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के लाल किले, जहां हर साल स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा तिरंगा फहराया जाता है, वहां गंभीर सुरक्षा चूक सामने आई है। पुलिस ने पांच अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को लाल किले में जबरन घुसने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया। मॉक ड्रिल के दौरान नकली बम को न पकड़ पाने के कारण सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। पकड़े गए पांचों युवक बांग्लादेश के अवैध नागरिक हैं। इनकी उम्र करीब 20 से 25 बताई जा रही है। वे दिल्ली में मजदूरी का काम करते थे और उनके पास से कोई वैध कागज़ात नहीं मिला है। पुलिस को इनके पास से कुछ बांग्लादेशी दस्तावेज भी मिले हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है कि वे लाल किले में क्यों घुसना चाहते थे? क्या इनका मकसद कोई अपराध या आतंकी गतिविधि थी? क्या इनके पीछे कोई गैंग या संगठन है?

दिल्ली पुलिस स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा को परखने के लिए मॉक ड्रिल कर रही है। शनिवार को की गई एक ऐसी ही मॉक ड्रिल में सुरक्षा की बड़ी चूक सामने आई। पुलिस की स्पेशल सेल का एक सदस्य साधारण कपड़ों में एक डमी बम लेकर लाल किले के पास पहुंचा, लेकिन वहां तैनात पुलिसकर्मी इस नकली बम को पहचान ही नहीं सके। इसी लापरवाही के कारण सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। लाल किला देश की सर्वोच्च सुरक्षा वाली जगहों में से एक है, खासकर 15 अगस्त के मौके पर जब पीएम समेत देशभर से नेता और अधिकारी वहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में अवैध घुसपैठ और डमी बम की अनदेखी जैसी घटनाएं देश की सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी हैं। दिल्ली पुलिस ने लाल किले और आसपास के इलाके में सुरक्षा और कड़ी कर दी है। सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा, डॉग स्क्वॉड, और बम डिटेक्शन यूनिट को एक्टिव कर दिया है। अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए वेरिफिकेशन ड्राइव शुरू की गई है।

पीएम मोदी पर कांग्रेस नेता जयराम का तंज... दोस्त दोस्त न रहा, ट्रंप यार हमें तेरा ऐतबार न रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच दोस्ती के दावों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनका रिश्ता देश के लिए महंगा साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि ट्रंप और पीएम मोदी के पुराने दोस्त होने के दावों को मज़बूत करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें फोटो खिंचवाना भी शामिल था। कांग्रेस सांसद रमेश ने बताया कि एक लोकप्रिय गाना है दोस्त दोस्त न रहा। पीएम को भी यह गाना पता होगा।

रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि दोस्त दोस्त न रहा, ट्रंप यार हमें तेरा ऐतबार न रहा। उन्होंने हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने कहा अबकी बार अमेरिका में ट्रंप सरकार। दोनों ने खूब फोटो खिंचाई। हमारे विदेश मंत्री ट्रंप के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पहली पंक्ति में बैठे थे। दावा किया गया कि पीएम और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच एक खास रिश्ता है, कि वे पुराने दोस्त हैं। उन्होंने कहा कि उसी पुराने दोस्त के द्वारा भारत पर अतिरिक्त टैरिफ़ लगाने की धमकी दी जा रही है और रूस से तेल न ख़रीदने के लिए कहा जा रहा है, रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि यह दोनों नेताओं के बीच ख़ास रिश्ते का नतीजा है।

रमेश ने कहा कि इस सबका नतीजा क्या है? टैरिफ बढ़ाने की धमकियाँ दी जा रही हैं। हमें रूस से तेल न ख़रीदने की धमकी मिल रही है। यह दोस्ती बहुत महंगी साबित हुई। प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए। सालों से वह दावा करते रहे हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनके बीच ख़ास रिश्ता है, वे गले मिलते हैं, तस्वीरें खिंचवाते हैं और बातचीत करते हैं। कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि ट्रंप 32 से ज़्यादा बार दावा कर चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर उनकी वजह से रुका था।

चिराग खेल रहे डबल गेम, एक तरफ तारीफ तो दूसरी तरफ नीतीश को दे रहे टेंशन

-राजनीति के जानकारों का मानना- वह एनडीए में रहते अपनी जमीन कर रहे मजबूत

पटना (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बीते दिनों बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नीतीश सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी हावी हैं और प्रशासन नतमस्तक हैं। चिराग का निशाना सीएम नीतीश कुमार पर माना जा रहा था। वही, दूसरी ओर चिराग यह भी कहते हैं कि वे एनडीए में थे, हैं और रहेंगे। उनका यह दोहरा रुख राजनीतिज्ञों को चक्कर में डाल देता है। राजनीति के जानकारों की नजर में उनकी रणनीति का हिस्सा है, जिससे वे एनडीए में रहते हुए अपनी सियासी मजबूत कर रहे हैं।

चिराग ने कहा कि महत्वाकांक्षी होना गलत नहीं, लेकिन मेरी महत्वाकांक्षा गठबंधन से ऊपर नहीं है। उन्होंने नीतीश के नेतृत्व में एनडीए के चुनाव लड़ने की बात दोहराई, लेकिन चिराग पासवान के बयानों से साफ है कि वे बिहार में अपनी पार्टी की हिस्सेदारी बढ़ाना चाहते हैं। बता दें 2020 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने अकेले 135 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसने जेडीयू को नुकसान हुआ था। इस बार भी उनकी रणनीति सीट बंटवारे में बड़ा हिस्सा लेने की बताई जा रही है।

चिराग और नीतीश के रिश्ते लंबे समय से असहज रहे हैं। वर्ष 2020 में चिराग ने एनडीए से अलग होकर जेडीयू को 34 सीटों पर नुकसान पहुंचाया था। अब नीतीश कुमार के नेतृत्व का समर्थन करते हुए भी वे बिहार की कमियों को उजागर कर रहे हैं। उनके समर्थकों के पोस्टर में चिराग के स्वागत को तैयार है बिहार लिखा रहता है। जानकारों की नजर में यह उनकी सीएम बनने की महत्वाकांक्षा को जाहिर करता है।

चिराग पासवान और राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की आपसी तारीफें भी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। दोनों नीतीश सरकार की आलोचना करते हैं जिससे नए समीकरण की अटकलें लगने लगी हैं। हालांकि चिराग ने साफ कहा है कि उनकी प्राथमिकता एनडीए के साथ है और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही वह चुनाव लड़ेंगे। उन्होने यह कहा है कि आने वाले पांच सालों तक नीतीश कुमार ही बिहार के सीएम रहेंगे। हालांकि बीच-बीच में चिराग की पीके की तारीफ को लेकर कन्फ्यूजन भी है और प्रशांत किशोर की यह तारीफें भविष्य में गठजोड़ की संभावना को जन्म दे रही है।

राजनीति के जानकार कहते हैं कि चिराग की रणनीति बिहार में दलित और गैर-यादव पिछड़े वर्गों में पैठ बढ़ाने की है। उनकी 'बिहार

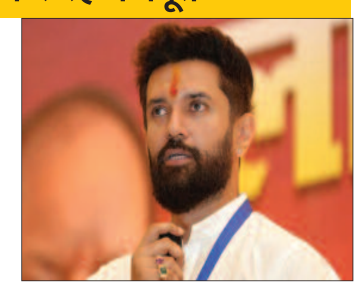

फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की नीति युवाओं और बहुजन समुदायों को आकर्षित कर रही है। 2025 के विधानसभा चुनाव में वे ज्यादा सीटें हासिल कर किंगमेकर की भूमिका निभाना चाहते हैं। जाहिर है चिराग एक ओर नीतीश को समर्थन देने की बात कहते हैं, लेकिन दूसरी ओर उनकी सियासी महत्वाकांक्षा भी जाहिर हो रही है जिससे एनडीए में तनाव बढ़ रहा है।

मुंबई में 51 कबूतरखाने बंद, हाईकोर्ट के आदेश के बाद 100 लोगों का कट गया चालान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार के निर्देश और बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने दादर कबूतरखाना में कबूतरों को दाना डालने पर आधिकारिक रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। मीडिया से बात करते हुए, सहायक नगर आयुक्त जयदीप मोरे ने कहा कि हम हाईकोर्ट और राज्य सरकार के आदेशों का पालन करते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। हम बस अपना काम कर रहे हैं। नगर निगम ने कबूतरों की बीट से होने वाले गंभीर श्वसन स्वास्थ्य जोखिमों का हवाला देते हुए 2 अगस्त को इस इलाके को सील कर दिया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 30 जुलाई को अपने आदेश में उल्लंघनकर्ताओं पर जुर्माना लगाने के अलावा बीएनएस की धारा 271 के तहत एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया था।

गुरुजी शिबू सोरेन का व्यक्तित्व अतुलनीय था, आज पूरा झारखंड दुखी

- नेताओं ने जताया दुख, कहा- उनके किए कामों को नहीं भुलाया जा सकता

रांची (एजेंसी)। मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक और विधानसभा स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने बताया कि झारखंड में शिबू सोरेन को मंगलवार को नम आंखों से विदाई दी जाएगी। किसी व्यक्ति का पूरा जीवन कैसा रहा, उसे लेकर लोग क्या सोचते हैं, लोगों के बीच उसकी छवि कैसी रही, यह उसकी जिंदगी की अंतिम यात्रा के दौरान जाहिर हो जाता है। आज पूरा झारखंड दुखी है कि गुरु जी हमारे बीच नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि गुरुजी के नहीं रहने से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे विश्व में गम का माहौल है। वे हमारे अभिभावक थे। उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ कमाया। आज उनके चाहने वाले गमगीन हैं। आज बड़ी संख्या में लोग उनके अंतिम दर्शन के लिए आ रहे हैं। गुरुजी का व्यक्तित्व अतुलनीय था।

महतो ने कहा कि गुरुजी को महामानव कहना ज्यादा उचित होगा। वे अपने जीवन काल में झारखंड के लोगों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहे। उनकी भूमिका को कभी भी कम नहीं आंका जा सकता। वहीं इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि जो कोई भी इस संसार में आया है, वह एक दिन हमें छोड़कर चला जाता है, और यह हमारे लिए दुख की बात है कि आज गुरुजी हमारे बीच नहीं रहे। उनका हमारे बीच नहीं रहना एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने सीएम पद पर रहते हुए झारखंड के लोगों के लिए कई ऐसे फैसले लिए जो आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने हमारे बीच एक ऐसा आदर्श छोड़ा है जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।

बीजेपी नेता लोबिन हेम्ब्रोम ने शिबू सोरेन को लेकर कहा कि आज मैंने अपनी जिंदगी में अगर राजनीति में यह मुकाम हासिल किया है, तो उसकी मूल वजह गुरूजी ही हैं। उन्होंने ही हमें राजनीति का ककहरा सिखाया है। हम उनके साथ कई तरह के आंदोलन में शामिल हुए। वे हमारे मार्गदर्शक थे। उन्होंने आदिवासियों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में कई काम किए। उन्होंने जल, जीवन और जंगल को बचाने के लिए कई कदम उठाए। झारखंड की जनता उन्हें कभी नहीं भूल सकती है। आज हम सब उन्हें नम आंखों से विदाई दे रहे हैं।

महाराष्ट्र में गणपति उत्सव की तैयारी जोरों पर, पीओपी की मूर्तियों से हटा बैन

-इस साल मूर्तियों का कारोबार 600 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गणपति के स्वागत के लिए तैयारी जोरों पर हैं, बाजार में दुकानदार, कंपनियां, राजनीतिक दल और सरकार भी तैयारी में जुट गई है। इस बार मूर्तिकारों और गणेशोत्सव मंडलों में उत्साह है क्योंकि पीओपी से बनी मूर्तियों पर काफी समय से चल रहा प्रतिबंध हट गया है। महाराष्ट्र सरकार ने गणेशोत्सव को राजकीय उत्सव घोषित किया है। त्योहारों में उत्साह जितना होता है, कारोबार भी उतना ही ज्यादा होता है। गणेशोत्सव इस साल 27 अगस्त से शुरू होगा। बंबई हाईकोर्ट ने पीओपी से बनी 6 फुट से ऊंची मूर्तियों का ही विसर्जन समुद्र में करने की इजाजत दी है। 6 फुट तक की मूर्तियां कृत्रिम तालाबों और जल कुंडों में विसर्जित की जाएंगी। महाराष्ट्र सरकार ने कोर्ट में दलील दी थी कि 6 फुट से ऊंची मूर्तियां समुद्र में विसर्जित करने की इजाजत दी जाए क्योंकि पीओपी से बनी मूर्तियों पर

रोक मूर्तिकारों की रोजी-रोटी छीन सकती है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने 2024 में 5 फुट तक की करीब 1.95 लाख मूर्तियों के विसर्जन के लिए 204 कृत्रिम टैंक बनवाए थे लेकिन केवल 85,000 मूर्तियों का विसर्जन इन टैंकों में किया गया और बाकी को समुद्र या नदियों में विसर्जित किया गया था। गणेशोत्सव में मूर्तियों का आकर्षण ही मूर्तिकार के कारोबार को करोड़ रुपए में पहुंचा देता है। विसर्जन की शर्त नरम करने से इस साल उनका कारोबार 15 फीसदी बढ़ने का अनुमान है। पिछले कुछ साल में मिट्टी, पीओपी, कूची और रंग आदि के दाम बढ़ने से मूर्तियों के दाम भी बढ़ गए हैं और इस साल मूर्ति पिछले साल से करीब 10 फीसदी महंगी रहेंगी। एक मूर्तिकार बताया कि मूर्तियों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। मुंबई और आसपास के इलाके में 1 फुट की गणेश की मूर्ति 2,000 से 3,000 रुपए की है। पिछले साल गणेशोत्सव में करीब 550 करोड़ रुपए का मूर्तियों का कारोबार हुआ था, जो इस साल 600 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की उम्मीद है। गणेशोत्सव के पहले तो महाराष्ट्र के करीब हर हिस्से में मूर्तियां बनती है लेकिन राज्य के कुछ हिस्सों में मूर्तियों के कारखाने साल भर चलते रहते हैं। रायगढ़ जिले की पेण तहसील और इसके आसपास का क्षेत्र गणपति की मूर्तियों का केंद्र माना जाता है। गणेशोत्सव के 10 दिन और पितृपक्ष के 15 दिन छोड़कर महाराष्ट्र के कई इलाकों में साल भर घर-घर में 6 इंच से 12 फुट तक ऊंची मूर्तियां बनती रहती हैं। इस क्षेत्र में ऐसी 1,600 इकाइयां हैं, जिनका सालाना कारोबार 250 से 300 करोड़ रुपए का है और साल में 3 से 3.25 करोड़ मूर्तियां बनती हैं। इनमें से करीब 1.25 करोड़ मूर्तियां गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के थोक व्यापारियों के पास जाती हैं, जहां से वे पूरे देश में पहुंचाई जाती हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में आत्मनिर्भर भारत और 21 स्वदेशी लाइट फील्ड गन करेगी आकर्षित

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में बड़े पैमाने पर प्रयोग किए गए स्वदेशी हथियारों से पाकिस्तान को बुरी तरह से धूल चटाने के बाद अब देश की सत्ता से जुड़े सामरिक गलियारों (रक्षा मंत्रालय) में 15 अगस्त यानी जश्न-ए-आजादी की 79वीं वर्षगांठ को जोरशोर से मनाने की तैयारियों का युद्धस्तर पर आगाज हो चुका है। जिसमें स्वदेशी के साथ ही आत्मनिर्भर भारत की मजबूत झलक देखने को मिलेगी। राष्ट्रीय ध्वज को दी जाने वाली 21 तोपों की परंपरागत सलामी के लिए देश में बनी 105 एमएम की लाइट फील्ड गन (एलएफजी) की प्रचंड गर्जना प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समारोह के साक्षी बनने वाले हर खासो-आम के मन में राष्ट्रीयता की भावना तीव्र गति से हिलोरे मारने लगेगी। सूत्रों ने बताया कि सेना जल्द ही एलएफजी से दी जाने वाली इस सर्वोच्च सैन्य सलामी का अभ्यास शुरू करेगी।

संभवतः समारोह के लिए 7 तोपों का प्रयोग किया जाएगा, तीन राउंड फायर होंगे और सलामी की ये पूरी कवायद करीब 52 सेकंड में पूरी हो जाएगी। धमाके के लिए लाइव शेल नहीं बल्कि खासतौर पर डिजाइन किए गए कार्टेरेज और ब्लैंक राउंड्स का प्रयोग किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समारोह की अध्यक्षता करेंगे और उनका लालकिले की प्राचीर से देश के नाम संबोधन भी होगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के तीसरे कार्यकाल में लालकिले से यह पीएम का दूसरा संबोधन होगा।

वर्ष 1947 में मिली आजादी के बाद लंबे अर्से तक देश के तमाम राष्ट्रीय पर्वों और कुछ अन्य आयोजनों में अंग्रेजों के शासनकाल की सैन्य सामग्री का इस्तेमाल ही चलन में रहा। लेकिन 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली भाजपा की सरकार के गठन के बाद इसमें बड़े पैमाने पर बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी से जुड़ा हुआ है दो साल पहले 2023 में सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय समारोह में तिरंगे को दी जाने वाली राष्ट्रीय सलामी के लिए स्वदेशी लाइट फील्ड गन का प्रयोग करने का निर्णय। जबकि पहले इन दोनों महत्वपूर्ण समारोह में ब्रिटिश 25-पाउंडर तोप का ही इस्तेमाल किया जाता था। ये तोपें द्वितीय विश्व युद्ध और नॉरमैंडी जैसे युद्धों में प्रयोग की जा चुकी हैं। सलामी के लिए प्रयोग की जाने वाली 105 एमएम की तोप केंद्रीय भारत स्थित मध्य-प्रदेश राज्य के जबलपुर में आयुध फैक्ट्री खमरिया में बनाई गई हैं। 80 के दशक में इन्हें सेना के युद्धक बेड़े में शामिल किया गया था। तोप लगभग 17 किलोमीटर तक मार कर सकती है। वजन में ये काफी हल्की हैं, जिसकी वजह से तीन के करीब सैन्यकर्मी आसानी से इन्हें संचालित कर सकते हैं। साथ ही इनकी मदद से सेना देश के पहाड़ी और दुर्गम ऊंचाई वाले बफीर्ले रेगिस्तानी इलाकों में जरूरत पड़ने पर

दुश्मन के ठिकानों पर भी सटीकता के साथ अचूक वार कर सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)